

PUBLISHE





લં • 23] No. 231 नई विस्ती, शनिकार, जून 7, 1986 (ज्येष्ठ 17, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 7, 1936 (JYAISTHA 17, 1908)

इस भाग में भिन्न पूर्वत लेखा दी आही है कि उसे कि का अवन संश्रासन में क्य में रखा जा सके। (Separate paging is given to thin Part in 19 केन कि के 18 कि का a mysrate complication)

भाग ।।। -खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायांतजों, तियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, लंब ीक तेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अर्थीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Votifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Service and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय विदेशी मुदा विनियमन ग्रिधिनियम नई दिल्लो-110003, दिनाँक 6 मई 1986

सं० ए-11/6/80 - एवर्तन निदेणा तस के सहायक प्रवर्तन श्रिकारी, श्री वी० किणन निरु को 13-3-86 (पूर्वाह) से श्रम शा विदेश जारी होने तक एनद्दारा निदेशालय के वस्वई-ि क्षेत्रीय निर्यालय में स्थानादक प्रवर्तन श्रीकारी नियुक्त किया गया। सं० ए-11/9/83- अवर्तन निदेणालय के सहाय के प्रवर्तन श्रीकारी, श्री पो० वी० वाजाभुत्रमणि को श्रमला धादेण निने तक 19-2-1986 (पूर्वाह्र) से एतद्दारा निदेशा तय के अस्वई-ि क्षेत्रीय कार्यालय में स्थानापन प्रवर्तन श्रीककारी नियुक्त केया गया है।

प्स० के० सिंघवी उप-निदेशक (प्रशासन)

गृहमंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई क्रिल्ली-110003, दिनांक 12 मई 1986 सं० ग्रो० दो० 2143/86-स्थापना-I- -राष्ट्रपति जी ने क्टर प्रसुन कुमार पाठकको अस्थायी रूप से ग्रागामी श्रादेश ---96 G1/86 जारी होने तक केन्द्रोय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी धाफिनए ग्रेंड- (डो० एत० पो०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 25 मार्च, 1986 (पूर्वाह्न) से सहपं नियक्त किया है।

दिनौंक 15 मई 1986

नं० भी० दी० 2203/86-स्थापता-I-राष्ट्रपति जी ते डापटर दिनेश ठाकुर की अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्राय रिजर्ब पुलिस बल में जनरल डयूटी आफिसर केन्द्राय किया है।

एम० ग्रशोक राज महायक निवेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय ग्रीधोगिक सुर**क्षा ब**ल

नई दिल्लो-110 003, दिनाँक 12 मई 1986

सं० ई-16013(1)/21/84-क्रामिक-I- -श्रनुसूचित जाति पौर सनुपूजित जनविति श्रायोग, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्तिपर उस महातिरोक्षत के का में नियुक्ति होन के फलस्वक पश्री श्रार० पी० कुरील, भा० पु० से० (हिमाचल प्रदेश: 68) ने 23

(19901)

सप्रैस- 1986 के श्रपराह्म से के० श्रो० सु० बयूनिट, बी० सी० व एस०, झरिया के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया

> (ह०) श्रपठतीय महानिदेशक/के०भ्रौ०सुब०

विक्त मंत्रालय

श्राधिक कार्यं विभाग

चलार्थंपत्र मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 13 मई 1986

सं ० ६० एस० सी ०-1-17/3313-- महाप्रबन्धक, चतार्थ पत्र मुद्रणालय निम्न ग्रिधिकारियों को चत्रार्थ पत्र मुद्रणालय में प्रत्येक के नाम के सामने वर्णाए गए पद पर दिनाँक 24-2-1986 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:-

- (1) भी पी० डी० जाधव, प्रशासन ग्रशिकारो
- (2) श्री एस० एम० नागपान, उप नियंत्रण प्रधिकारी
- (3) श्री एस० एन० कुडी, उप नियंत्रण श्रधिकारी
- (4) श्री एस० जी० कानडे, उप नियंत्रण ग्रधिकारी
- (5) श्री व्ही० एन० झाडबुके, उप नियंत्रण अधिकारी

सु०द० इडगुजी

ਮਨਾਯੂਕਰਬਾਨ

भारतीय लेखा परीक्षा कथा लेखा विभाग
महालेखाकार कार्यालय-I, महाराष्ट्र (लेखा वहकदारी)
मम्बई-400020, विनांक 29 प्रप्रेल 1986

सं ० प्रशासन-1/सामान्य/31-खण्ड-4/सी (1)/23--प्रमुख महालेखाकार, महाराष्ट्र, बस्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य भी जे ० के ० वकील को दिनाँक 28-4-1986(पूर्वाह्म) से ग्रागामी भादेश तक स्थानापन्न रूप से लिखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> टी०के० श्रय्यर वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशामन)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा), राजस्थान जयपुर, दिनौक 12मई 1886

कर्मीक : प्रशासनः I (ले॰ प॰)/पी॰ 13044/181--पहालेखाकार (लेखा परीक्षा), राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित
सहायक लेखा परीक्षा भिन्न किरों को स्थानापन्न लेखा परीक्षा
भिक्तारी (युप-जी-राजपितत) के पदों पर जिसका वेतनमान
र• 840-40-1000-द॰ अ॰-1200 है, प्रत्येक के सम्मुख

निर्विष्ट १८% र १८४५ । अध्यक्त अधिको तक के लिए अहर्ष पदोन्नत करते हैं।

| क्र० सं० | : :- : : : : : : : | | 1 | नदोन्नति की तिथि |
|----------------|---------------------------|------------------|-------|----------------------------------|
| | भर्वश्री | | | |
| τ. | राजेश्या प्रधाद सार्गव | | • | 29-4-86 |
| 2. | घरान प्रथ | | | 29-4-86 |
| 3. | कव नाग्यण खण्डसनाल | | | 29-4-86 |
| 4. | ्यात ताल करेका १ (प्रतिकत | ाम्ब न्धो | नियम) | 29-4-86 |
| 5. | दुर्गा रोहास भावत . | | | 29-4-86 |
| - - | | | | मुखोपा ध्याय (प्रशासन) |

ेनार्यालय, महालेखाकार (ले० <mark>एवं० हरू०), पश्चिम बंगाल</mark> कनकता-700001, दिवाँक 8**मई 198**6

इने स्वष्ट भिन्न जेना जाहिए कि लेखा अधिकारी के संवर्ग में पूर्वाका जेनि किन कि जलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मुक्ति में विशंध निलम्बित रहे तब तक पूर्णतया अस्थायी रूप से है और भारतीय निलम्बित तथा हारों के खिलाफ वायर किए गए 19.9 के किन जा कि किन पंख्या 14818 (डब्स्यू) के अस्तिन फेंडिंग डिअंशोन है।

नया त्रांत्व अधिकारा का एक भाह के अन्दर विकल्प देना होगा। उनकी ओलिन पर उनके तेनन पहले एफ० आर० 22-यो के अधान विजीतिक करना नाहिए और यदि वे एक माह के विधालिक अजिल के उन्दर दिताँ के 28-9-81 के औ० एम० के पैरा 2 (ध) के अनुवाद विकल्प देते हैं तो उनके वेतन पहले उनकी अध्याद के दिल्ली के नएफ० आर० 22 (क) (1) के अधीन लाग विकल वाद वायक (फीडर) पद पर परवर्ती वेतन बृद्धि के दिनाँ के संएक० आर० 22-सी के अधीन निर्धारित करना चाहिए।

> डी० मिश्र वस्थित उप भहालेखाकार (प्रशासन)

⊤क्षा लेखा विभाग

हार्थालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नर्ध दिल्ली-४६, दिनाँक 1७ मई 1986

संव अधाव/1/1710/5/1—भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ु एक याच तारा पर ११० स्वामोनाथन द्वारा मुझ नियम के नियम 56 (के) के प्रावधानों के अन्तर्गत लैक्टिंग निर्माहिक के लिए दिए गए नोटिस की समाप्ति के परिणागस्त्रकच्य तथा सक्षम प्र धिकारी द्वारा सेवा से स्वैन्छिक निर्मातिष्कि कर अनुप्रति दे दिए जान पर, श्री बीठ स्वामीनाथन, माठ एठ लेंग सठ की पेंगन स्थापना को अन्तरित कर दिया प्रजाह तथा दिनौंक 30-4-1986 (अपराह्न) में दा निर्मात है कि विस्ता गर्म है ।

स्था नेवा अपर सहाविभेत ३ (४७१०)

and the second section of the second section of the second section of the second section of the second section section

रक्षा मंत्रालय भारतीय श्रार्डनैन्य फैक्टियां सेवा श्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-1, दिलांक 7 मई 1986

सं० 29/जी/86---वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री छी० के० गुप्ता, स्थानपन्न ार्नधाला प्रबन्धक (मौलिक एवंस्थायी फोरमैंन) दिनांच 30-9-1985 (श्रपनाह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

सं • 30/जी/86—वार्धक्य लिवृत्ति आर्थे (58 वर्ष) प्राप्त कर,श्री सी • एम • गुह, स्थानापन हिंदा, हें हार्यदाका प्रवन्धक से (मौलिक एवं स्थार्थी फोरमैंग) दिल्हें 33-3-36 (प्रप्रााह्म सेवा निवृत्त हुए।

सं० 31/जी/86-वार्धक्य लिवृत्ति शाथु (58 वर्षे) प्राप्त कर,श्री एच एव० पाल, स्थालपश उलाउँ जायशाला प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोल्मैंक) दिलों / 30-12-85 (श्रपराह्स्न) में सेवा निवृत्त हुए।

> एम० ए० भ्रल**ह**न पंतुकत निदेशक

वाणिज्य मंद्रात्य मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात का कायशिय नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1986 श्रायात एवं निर्यात व्यापार निर्यंत्रण (स्थापना)

सं० 6/116 7/77-प्रजासन (राज०)/2734---इस नायलिय में श्री पी० सी० नौरद, नियंत्र 5, प्राणत-निर्मात नेत्रा निवृत्ति की श्रायुपुरी कर लेने पर 30 सप्रल, 1986 5 प्रपराह्म से सरकारी नेत्रा से निवृत्त हो गए है।

सं० 6/417/56-प्रशासन (राघ०)/2743—ोवा िसृत्ति की प्रायुप्राप्त कर लेने पर मुख्य निर्माव है, जाणान-निर्धा के फार्याचय, नई दिल्ली में प्राय प्रत्यो एए, संयुक्त मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात (केन्दीय व्यापाए नेवा क वर्गनी) 30 अप्रैल, 1986 के श्रपराह्म में परवारी मेवा ने विवृत्त हो गए। शंकर मन्द

उप मुख्य हित्यंत ए, श्रायात-निर्यात इतं मुख्य नियंतक, श्रायात-निर्यात उद्योग मंत्रालय '

श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (ल**यु उद्योग**) का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 1 मई 1986

-19018(794)/86-प्रशा० (राज०)—-राष्ट्रपति, भारतः आधिक सेवा की ग्रेड-I श्रधिकारी तथा योजना भायोग; नई दिल्ली की उपसलाहकार श्रीमती पुष्पम जोसफ को, दिनांक 14-3-1986 (श्रपराह्न) से श्रगले श्रादेशों तक विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में, श्राधिक सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 मई 1986

सं० ए-19018 (191)/75-प्रशा० (राज०) -- सकनीकी विकास का महानिदेशालय, नई विल्ली में विकास अधिकारी (रसायन) के रूप में उनकी नियुक्ति हो जाने पर भी देवेन पाल सिंह ने दिनांक 18-4-86 (अपराह्म) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में उपनिदेशक (रसायन) के पद का कार्यंभगर छोड़ दिया।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 **प्रग्रंस** 1986

सं० ए-17011/311/86/ए-6--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान निरोक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्याख्य के भण्डार निरीक्षक (यांविकी) श्री गया प्रसाद को 4 श्रप्रैल, 1986 के पूर्वाह्न से अगले श्रावेश दिए जाने तक उसी कार्यालय में तद्र्यं आधार पर सहायक निरीक्षण श्रिधकारी (यांतिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> श्चार० पी० **वाही** उप निदेशक (प्रशासन) इसे महानिदेशक, पूर्ति सथा निपटान

नई दिल्ली दिनांक 13 मई 1986

मं ० ए-1/2(435) -- राष्ट्रपति ने, श्री बृजेन्द्र सिंह मीना को पूर्ति निदेशालय (बस्त्र), बस्बई के कार्यालय में, उनके कार्य-भार तम्मालने की तारीख से श्राणामी श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर तहाबक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-I) के पद पर नियुक्त किया है।

> वी० सा**खरे** उप निदेशक . (प्रशासन) **इते महानिदेश**क, पूर्तिसथा निपटान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनां र मई 1986

सं० सी-36/707---निम्नलिखित श्रिधिकारी, जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनिन्तम श्राधार पर नियुक्त किए गए थे, श्रब प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित श्राधार पर नियुक्त किए जाते हैं:---

| क सं० | नाम | | | अधिसूचनाकी सं० ग्रौर तारीख जिसके श्रन्सर्गत तदर्थ श्रतन्तिम ग्राधार पर नियुक्ति की गई थी | यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए | पदोन्नति की तारीख |
|-------------|--|---|------------------------|---|--|---|
| 1 | 2 | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | * * * * * * | 3 | 4 | 5 |
| 1. খাজ | गदीश कुमार . | • | • | दिनांक 24-7-78 की श्रधिसूचनासं० मी- 5 395/707 | मं० 16 ग्रारेखण कार्यालय (मा० प्र०), देहरादून । | 29-1-1985 (पूर्वा ह्म) |
| 2. श्रीए | ० पी० सेमथाल . | | | दिनांक 19-4-79 की ग्रधिसूचना सं० सी-5481/707 | मानचित्र प्राताशन प्रायलिय, देहरादून । | 11-2-1985 (पूर्वाह्म) |
| 3. श्रीजै | ४ ० केर कैटा (श्चनु० जनगाति | ·) . · | ٠ | दिनांक 28-11-78 की उधिसूचना सं० सी-5438/707 | सं० 7 5 पार्टी (पूर्वी सिक्लि), कलकता । | 11-2-1985 (पूर्वाह्न) |
| 4. श्रीर | ाजबीर सिंह | • | • | दिनांक 12-7-82 की ग्रंधिसूचना सं० सी-5836/707 | सं० 57 पार्टी (पश्चिमोत्तर स०), चंडीगढ़ । | 11-2-198 (पूर्वाह्न) |
| 5. अभी वि | ाद्या दत्त कैथोला . | ٠ | • | दिनांक 3~9−82 की ग्रंधिसूचना सं० सीं−58 5 9/707 | सं० 15 श्रारेखण कार्यालय (मा० प्र०), देहरादून । | 29-4-198 (पूर्वाह्न) |
| 6. श्रीड | ो॰ पी॰ बडोनी े . | | | दिनांक 19-4-79 की श्रधिसूचना मं० सी5481/707 | मानचित्र श्रभिलेख एवं निर्गम कार्यालय (मा० प्र०), देहरादून । | 28-1-198 (पूर्वाह्म) |
| 7. श्री सृ | रज लाल खन्ना 🧂 . | • | • | दिनांक 25-3-80 की ग्रधिसूचना सं० सी-5611/707 | सं० 83 पार्टी (पश्चिमी स०), जयपुर । | 30-1-198 (पूर्वाह्म |
| 8. श्रीरि | स्ताब सिंह रावत | - | ٠ | दिनांक 4-11-82 की ग्रधिसूचना सं० सी-5878/707 | मर्वेक्षण (हवाई), न ई दिल्ली । | 20-1-198 (पूर्वाह्म |
| 9. श्री ह | री प्रसाद (ग्र नु० जाति) | | · | दिनांक 20–1–79 की ग्रधिसूचना सं० सी–5456/707 | सीमा सैंथ, म० स० ा०, नई दिल्ली । | 11-2-198 (पूर्वाह्न |
| 10. क्षी.व | ।सवन्त सिंह | • | • | दिनांःः 17–1–84 की श्रधिसूचना सं० सी–6038/707 | सं० 16 ग्रारेखण कार्यालय (मा० प्र०), देहरादून । | 29-1-1985 (पूर्वाह्न |
| 11. ধ্বী গৃ | रषोत्तम दास | • | • | दिनांक 12-7-82 की ग्रधिसूचना सं० सी-5836/707 | सं० 90 पार्टी (उत्तरी सिकल), देहरादून । | 26-4-1988 (पूर्वाह्म) |

| 2 . | | 3 | 4 | 5 |
|--|---|---|----------------------------|-----------------------|
| 2. श्री चन्दरसिंह | | दिनांबः 3-9-82 | सं० 70 (फा०) पार्टी | 25-2-1985 |
| | | की ग्रधिसूचना <i>न</i> ० सी ~5 8 5 9/707 | (उ० म०) देहरादून । | (पूर्वाह्न) |
| 3 श्री शिवनाथ निहपंवार | | दिनांक 12-7-82 | मानचित्र अभिलेख एवं | 11-2-1985 |
| | | की ग्रधिसूचना सं० | निर्गम াर्यालय (मा० সং |) (पूर्वाह्म) |
| | | सी-5836/707 | देहरा दू न । | |
| 4ः श्री ति र ः दास (श्रतु सू चित चाति) | | दिनांक 4-11-82 | सं० 2 श्रारेखण कार्यालय | 1-7-1985 |
| | | की ग्रधिसूचना सं० | (उ० स०) देहरादून । | (पूर्वाह्स) |
| | • | सी-5878/707 | - | V 200 |
| 5. श्रीभान् प्रकाशपन्त . | | दिनांक 3-9-82 | सं० 16 श्रारेखण कार्यात्वय | 11-2-1985 |
| - | | की ऋधिसूचना सं० | (मा०प्र०), देहरादून । | (पूर्वाह्म) |
| | | सी-5859/707 | · | • |

गिरीश चन्द्र ग्रग्नेवाल, मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक ियुक्ति प्राधिकारी

दूर संचार विभाग

निदेशक अनुरक्षण घर कायनिय, दक्षिण दूर संचार उपक्षेत्र

कोचीन -682016, दिनांक 17 फरवरी 1986 सं 33/डी० एम०/डी० श्राई० एस० सी०/सीएजे/4---श्रीसी०ए० जेम्स केल्ल दूरसंचारपरिमंडल के कनिष्ठ इंजीनियर को, निदेशक, अनरण ण, दक्षित्र दूर नंचार, उपक्षेत्र, एरणाकुलम के आदेश में, दूर संचार विभाग की सेवा से अलग किया जाता है। इस अधि सूचना के राज्यत में प्रशाणित होने की तारीख से पदच्युति लागू होगी।

> ने वाागुण्णन निदेशक अनुरक्षण दक्षिण दूर संघार उपक्षेत्र, एर्णा कुलम

ग्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1986

सं 17/4/86-एम-वार--पदोन्नति के परिणामस्वरूप निम्नलिखित विष्ठ इंजीनियरी पहायकों ने उनके आगे विखी तारीखों से विभिन्न ग्राजायाणी/दूरदर्शन केन्द्रों में सहायक इंजीनियरों का कार्यभार नंभाव िया है :---

| ऋम सं० नाम | | | | | के न्द्र/ ाय[लय | ार्यभार संभालने की तारी ख |
|--|---|---|---|---|------------------------------|---|
| 1 2 | | | | | 3 | 4 |
| 1. श्री बी० के० चीमा | • | , | • | • | दूरदर्शन केन्द्र, जालंधर | 7-3-1986 (ग्रपगह्म) |
| 2. श्रीके०एम० वर्मी | • | • | | • | श्राकाशवाणी, विशाखापटनम | 24-2-1986 (ग्रपरा क्ष) |
| 3. श्री एन० माधवन पोट्टी | • | | • | • | उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, कटक | 16-3-1986 (पूर्वाह्न) |
| 4. श्री फेलिक्स एक्सेम | • | • | | • | श्राताशवाणी, गंगटोक | 12-3-1986 (पूर्वा <u>त</u> ्न) |
| 5. श्रीजी०सी०माथुर | • | • | | | श्राकाणवाणी, नजीबाबाद | 28-2-1986 (पूर्वा क्ष) |
| श्री ग्रभ्या कुमार मजुमदार | | , | · | | दूरदर्गन केन्द्र, कलकत्ता | 14-1-1986 (पूर्वाह्न) |

| 1 2 | | | | | 3 | 4 . |
|-------------------------|---|---|---|---|--|--|
| 7. श्री ए० सत्यनारायणनन | • | | • | • | ग्राकाशवाणी, गुलबर्गा | 28-2-1986 |
| 8. श्रीके० एस० सिंह | | | • | • | म्राकाणवाणी, सूरतगढ़ | (पूर्वाह्म) 1-1-1986 |
| 9ः श्री जनधिन स्वामी | • | • | - | | एल० पी० टी०, टी० वी० ग्रार० सी०, | (पूर्वाह्न) 7-4-1980 |
| 10. श्री जे० वैद्यानाथन | | | | • | म्रकोला एल०पी०पी०टी०वी० ब्रार० सी०, सिंगरौली | (पूर्वाह्म) 8-4-198 (|
| 11. श्रीमें ध्यूजॉन . | | | | • | श्राकाशवाणी, कुड्प्पा | (पूर्वाह्न) 14-4-1986 (पूर्वाह) |

बी० एस० जैन प्रशासन उपनिदेश कृते महानिदेश

(पूर्वाह्म)

कृषि मंद्रासय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 7 मई 1986

सं॰ ए॰-19025/1/86--प्र०- --संघ लोक सेव की संस्तृतियों के अनुसार कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार द्वाराश्री संजय मित्तल को 10-12-1985 (पूर्वाह्न) से भ्रगले मादेशों तक इस निदेशालय में स्थानागन्न सहायक विपणन विकास **अधिकारी के रूप में** नियुक्त किया गया है।

> जे० ऋष्णा निदेशक, प्रशासन क्रुते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय और भण्डार निवेशालय

बम्बई-400 001, विनांक 12 मई 1986

संवर्भ सं ० कमनि/2/1 (20)/83-प्रशा०/2483---इस निदे-शालय की दिनांक 3 मार्च 1986 की समसंख्यक ग्रिधिस्चना के कम में, परमाण् ऊर्जा विभाग, कय और भण्डार तिदेशालय के निवेशक ने स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल, श्री सुरेश शांताराम प्रभु झांट्ये को इसी निदेशालय में 29-5-1986 (अपराह्म) तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपए के वेतनमान में सहायक लेखा प्रक्रिकारी के पद पर तदर्थ भाधार पर स्थानापन्न रुप्से नियुक्त किया है।

> बी० जी० कुलकर्णी ग्रधिकारी प्रशासन

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नपविष कालोनी, दिनांक 15 मई 1986

कः नः पः विः पः/भर्ती/II (6)/86/एस/5172--सहायक लेखा अधि कारी के लिए निम्नलिखित अधिसूचित तदर्थ स्थानापम नियुक्तियां ग्रधिसूचना सं० न० प० वि० प०/भर्ती/ 11 (6)/84/एम/10979 दिनांक सितम्बर 19 न० प० वि० प०/भर्ती/11(6)/84/एम/10980 सितम्बर 19, 1985 एवं न० प०वि० प०/भर्ती/11 (6)/86/एस/ 454 दिनांक अप्रैल 6, 1986 के द्वारा की गई थी, प्रस्येक के सामने अंकित दिनांक से सभाप्त की गई :-

| कः नाम एव पद संं० | तदथ नियुक्ति की समाप्ति प्रभावीः किए जाने का दिनांक | |
|---|--|--|
| सर्वश्री | Topo Control of the C | |
| टी० एम० गोविन्दन कुट्टी | . 30-4-86 | |
| सहायक लेखा अधिकारी . | (पूर्वाह्न) | |
| 2. एम० के० सुरेण | . 26-4-86 | |
| महायक लेखा अधिकारी | (पूर्वाह्ने | |
| श्रीमती पी० ए० तेजवानी | . 25-4-86 | |

ऋ० न० ५० वि० ५०/भर्ती/11 (6)/86/एस/5173--परियोजना निदेशक, नरारा परमाणु विद्युत परियोजना, निम्न लिखित व्यक्तियों को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में प्रत्येक के सामने अंकित तारीख से लेकर भ्रगले था शों तक 650-30-740-35-880-町。 て10-40-960 南

महायक लेखा श्रधिकारी

| तृनमान में स्थानापष् | म रूप से गहायक लेखा ग्राध | कारी नियुक्त |
|----------------------------|---|-------------------------------------|
| हरू इंट्र | पद | नियुक्ति का दिनांक |
| सर्वंश्री | | |
| 1. सी० वासुदेवन | सहायक लेखाकार | 25 - 4-86 (पूर्वाह्म) |
| 2. के०पी० शर्मा | सहायक लेखा ग्रधिकारी (रा०प० वि० स० स स्थानास्तरण) | 26-4-86 (पूर्वाह्स) |
| रामनाथ | लेखा कार | 30-4-86 (पूर्वाह्न) |
| | मुख्य प्रशास | स मीर हुक्कृ व ेथ्रधिकारी |

भारी पानी परियोजनायें

बम्बई-400 008, दिनांक 16 मई 1986

ू संदर्भ : भाषाप/भ/म्रगस्त/85/1947—भारी रानी परियोजना अ प्रधान कार्य हारी भारी पानी संयन्त्र (तूनीकोरिन) के श्री जे० इ० देवाकरम, वैज्ञानिक सहायक, 'सी' को इसी संयन्त्र भै 1-8-85 पूर्वीह्म से आगे प्रादेश होने तक के लिए स्थानापम, ज्ञानिक प्रधिकारी/प्रभियन्ता (ग्रेड एसबी) नियुक्त करते हैं।

> श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी प्रणासन ग्रधिकारी

ग्रन्तरिक्ष विभाग

इसरो : शार केन्द्र

का० और सा० प्र० प्रभाग

श्रीहरिकोटा, विनांक 25 ग्रप्रैल 1986

सं० एस० सी० एफ०/पी० जी०/ए०/स्थापना III/1/72— श्रांक, शार केन्द्र एतद्ब्रारा निम्नलिखित कर्मंचारियों को शेति द्वारा, स्थानापन्न क्षमता के रूप में, वैज्ञा० इंजीनियर ेंगि० के पद पर शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में अंकित तारीखों ें∶भ्रगले भ्रादेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं:—

| पदनाम | नियुक्तिकी तारीख | | |
|-------------------------------------|---|--|--|
| 3 | 4 | | |
| वै ज्ञा ० इंजीनियर | 01-04-86 | | |
| एस० बा० वशा० इंजीनियर एस० बी० | 01-04-86 | | |
| | 3 वैज्ञा० इंजीनियर एस० बी० वज्ञा० इंजीनियर | | |

| 1 2 | 3 | 4 |
|---|-----------------------------|----------|
| सर्वेंश्री | | |
| 3. वी० वेंकटेशवरन् | वज्ञा० इंजीनियर एस० बी० | 01-04-86 |
| 4ः वी० वी० वी० श्रान्जेनेयुलु | वैज्ञा० इंजीनियर एस० बी० | 01-04-86 |
| 5. के० म्रार० रवी | वैज्ञा० इंजीनियर एस० बी० | 01-04-86 |
| 6. डी० वी० पूर्णय्या शास्त्री | वैज्ञा० इंजीनियर एस० बी० | 01-04-85 |
| ۔ جار سے بالک ہو ساخت کا کردرساخت ہے۔ ۔ بالر سے بالک ہو ساخت کا کردرساخت ہے۔ | | |

पी० एस० नायर प्रधान कार्मिक और सामान्यप्रशासन कृते निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1986

सं० ए० 30013/1/85-ई० सी०--राष्ट्रपति निम्नलिखित भ्रधिकारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से नागर विमानन विभाग में तकनीकी भ्रधिकारी (वैतनमान 700-1300 रुपए) के ग्रेड में स्थापित क्षमता में नियुक्त करते हैं:--

| 売 。 | नाम | | स्था | यियस होने |
|------------|-------------------------|---|------|-----------|
| स० | | | | की पासत |
| | | | | की तारीखा |
| | सर्वे श्री | | | |
| 1. | डी॰ पी॰ग्रग्निहोत्री | | • | 19-9-81 |
| 2. | दीपक पाल | | • | 18-11-81 |
| 3. | देवाशीष घोष | • | | 16-11-81 |
| 4. | एस० लाल ए च० कुमार | | | 1-3-82 |
| 5. | ए० के० टिकू | | | 19-9-81 |
| 6. | वी० एस० कोछर | | | 29-11-81 |
| 7. | य्०के० लिन्हा | | | 1-12-84 |
| 8. | प्रभाकर गुप्ता | • | | 13-4-84 |
| 9. | वी०ओवथ निन | • | | 15-4-84 |
| 10. | एन० श्रार० एन० भ्रयेंगर | • | | 2-7-83 |
| 11. | • | • | | 4-12-84 |
| 12. | एस०डी० ग्रवस्थी | | | 22-12-84 |
| 13. | ए०वी० कृष्णा | | | 31-12-84 |
| 14. | के० भ्रार० रामानुजम | | | 2-7-83 |
| 15. | | | | 2-6-85 |
| 16. | भ्रार० महेश्वरी | • | | 11-6-85 |
| | एम० एल० धर | - | | 2-7-83 |
| | वी० सुप्रामण्यन | | | 2₹7-83 |
| | थी० एन०चावला | ٠ | • | 2-7-83 |
| | एम० डी० बंसल | | | 2-7-83 |
| 21. | के० एस० नारायणास्वामी | | _ | 2-7-83 |

दिनाँक 29 श्रप्र^{के}ल, 1986

सं० ए० 38013/1/86-ई० सी०---नागर विमानन विभाग के बैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने सेवा- निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, उनके सामने दो गई तारीख से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है :---

ऋ ० नाम ग्राँर पदनाम स्टेंगन सेवा निवृत्ति सं ० की नारीख

- . श्री श्रार० एम० नैयर वैमानिक संचार स्टेगन, 31-3-86 सहायक संचार दिल्ली (श्रपराह्म) श्रिधकारी ।

वी० जय चन्द्रन, उपनिदेशक (प्रशासन)

केन्दीय उताद शुल्क एवं सीमा शुरुक समाहतीलथ कलकत्ता, दिनाँक 30 अर्थल 1986

विषय :- - प्रधंश्वक येष्ठ "बी" में पदोन्नति, स्थातान्तरण एवं पदस्थापना ।

ा. पदान्नति

स्थापना प्रादेश सं ० 107/86 - नेज्यीय उत्पाद शुल्क नमा-हर्तालय कल जता 1/11/बोलपुर के निम्मिलित संवर्ग के निम्न-लिखित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्धाक्षक पदोनित के उपरान्त इसके द्वारा प्रगन्तिम रूप सं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रधीक्षक ग्रेड "बी" के रूप में नियुक्त किए जाते हैं जिनका वेतनमान रुपया 650-30-740-35-310-40-1000-३० रोज-40-1200 के एथ नियमानुनार नामान्य मान्य मत्ता उच्च पद (ग्रधीक्षक, के० उ० शुल श्रेड "बी") ना कार्यभार ग्रहण करणे की तारीख से लागू होगा। अन्य ग्रादेश ग्रामे तक उचकी पद-स्थापना निम्न प्रकार होगी:—

ऋम नाम वर्तमान पदस्थापना सं०

1. श्री हिडल कुपार मजुम्दार कल० "एफ" प्रम०, कलकना-1

2. ऊपर निखित पदोक्षति अधिकारी को चेतावनी दी जाती है कि ग्रेड "बी" में उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्याई है श्रीर मीधी भर्ती या श्रन्य श्रीधकाश्यों के लिए निर्धारित पदों के पुरीक्षण/परिवर्तन योग्य है जिसके श्रावंटन का निर्णय सरकार श्रीतम रूप से ले सकतो है। दूसरे शब्दों में श्रनन्तिम रूप से पदोन्नति श्रीधकारी का गृह मंत्रालय के श्रादेश संव 9/11/55 एसव श्रारव पी० एगव दिनाँक 22-12-59 के निदेशानुसार सीधी भर्ती के श्रीधकारी के श्राय रोस्टर्स में लाया जाएगा (जब वे उपलब्ध होंगे) श्रीर शब वे स्थापना के लिए श्रीधक होंगे तब उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा।

- 3. उनकी पदोन्नति श्री गौर कुमार दे, निरोक्ष ६ (ए म० जी०) द्वारा दायर की गई 1984 की रिट याचिका सी० स्नार० सं० 8496 (डब्ल्यू) के श्रन्तिम निर्णय के श्रनुसारहोगी श्रीर श्रवमानना श्रावेदन के श्रादेशानुनार ए० पद रिक्त रखा गया है।
- 4. यह पदोन्नति श्री एस० आर० दत्त शर्मा, निरोक्षकः आंर अन्य द्वारा आरक्षण पर फाइल की गई रिट याचिका के श्रीकृत निर्णय पर भी निर्भार करेगी।

П. स्थानान्तरण एवं पदस्थापना :

निम्नलिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना इसके द्वारा श्रन्य श्रादेश आपे तक तरकाल लागु की जीती है:---

श्रधिकारी का वर्तमान पदस्थापना पदोन्नति/स्थानान्तरण
 ताम के के बाद पदस्थापना

- श्री हिंडल कुमार कल० "एफ' प्रम० बोलपुर समाहर्तालय मजुम्दार कलकत्ता—1
- 2. श्री शांति रंजन बोलपुर समाहतीलय दिनां ह 20-4-86 को में स्थानान्तरण संवा निवृत्ति कल ०-II दत्ती ग्रादेश के प्रधान, समा० के श्री पी इस कार्यालय का भार० परनार, श्रधीः श्रादेश सं० 48/86 क्षक ग्रेड "बी" वे दिनाँक 27-2-86 स्थान पर। का देखें। (इस कार्यालय है स्थापना प्रादेण सं ्रालम् ३ में उल्लिखिर के आंणिक संशोधन में)

पदोन्नत/स्थानान्तरित श्रधिकारी द्वारा श्रधीक्ष क ग्रुप "बी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यभार ग्रहण कार्न की तिथि माथ कार्यभार स्थानान्तरण प्रमाण पत्र की प्रति उप समाहर (का० व स्था०), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलकत्ता-1/11/बोलपुरको प्रेषित किया जीए।

गृह मंत्रालय के कार्यालय आपन मं० एफ० 7/1/8 स्था०/पार्ट-1 दिनौंक 26 श-81 के अनुसार अपने वेस

्रातन के संबंध मैं पद्योन्ति अधिकारी पद्योन्तिति तिथि से ं माह के अन्दर अपना आक्षय प्रकट करोगे।

स्थानीय व्यवस्था करके अधिकारी को बीघू कार्यमुक्त करें।

सी. भुजंगस्वामी प्रधान समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद श्ल्क एवं सीमाशूल्क कलकत्ता

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली~110066, दिनाँक 15 मई 1986

सं ० ए०-19012/1154/85-स्थापना--पाँच--- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री ब्रोजेन्द्रा मोहन घोष, पर्यवेक्षक को श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में -9-1985 की पूर्वीह्न से एक वर्ष की श्रवधि के लिए जा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण श्रस्थाई श्रीर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में क्त करते हैं।

मीनाक्षी ग्ररोड़ा, ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल ग्रायोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड फरीदाबाद, दिनाँक 16 मई 1986

सं० 26-15/86-स्था० (श्रनु०)--श्री लक्ष्मी नारायन रंगा, स्थानापन्न प्रशासन श्रधिकारी केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड दिनाँक 27 फरवरी, 1986 से वेतनमान रु० 840-40-00-द० रो०-40-1200 में प्रशासन श्रधिकारी के स्थाई पर नियुक्त किया जाता है।

> एस० के० दास, मुख्य स्रभियंता एवं सदस्य

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्लो, दिनौंक 13 मई 1986

सं० 33/2/83-ई० सी० ५--राष्ट्रपति सहर्प संघ लोक ्रियागा के नामित कुमारी शोभना काली कृष्णा चटर्जी ह्रप-वास्तुक के श्रस्थाई पद पर (सामान्य सिविल सेवा क'केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपए 700-40-900 रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में) श्रतिरिक्त नों सहित सामान्य नियमों एवं शर्ती पर 7-4-86 (पूर्वाह्न)

अपुक्त करते हैं :----ुGI/86 कुमारी चटर्जी, 7∼4∼86 से 2 वर्ष की **ग्रवधि** के **लिए** परिवीक्षा पर रखी जाती है।

> पृथ्वीपाल सिंह, प्रशासन उप निदेशक

परिषहन मंत्रालय रेल विभाग (रेलवे बोर्ड) नई दिस्ली, दिनौंक मई 1986 सार्वजनिक अधिसुचना

सं० 86/प्रार० ई०/161/6—दक्षिण पूर्व रेलवे के चन्द्रपुर काम्पलेक्स के निम्निलिखित खंडों पर स्थित रेलवे लाइनों भीर परिसरों के सभी उपयोगकत्तिओं के सूचनार्थ एतद्द्वारा प्रिधि-सूचित किया जाता है कि नीचे दिए गए खंडों के सामने विनिर्दिष्ट दिनौंक से इन लाइनों पर णिरोपरि कर्षण तारों को 25000 ए० सी० विदुत्मय कर दिया गया है। उस तारीख की भीर से शिरोपरि कर्षण लाइन हर समय विद्युत्मय मानी जाएगी और कोई भी अप्राधिकृत व्यक्ति उपर्युक्त लाइनों के पास न तो जाएगा भीर न ही कोई कार्य करेगा।

| खंड | दिनौंक |
|--------------------------------|--------------------------|
| भोजदीह—महुदा | |
| (313.580 में 333.453 कि० मी०) | 25-2-86 |
| महूदा—~गोमो | |
| (333, 453 से 355, 610 कि० मी०) | 31~3~86 |
| | ए० एन० वॉच्रू, |
| | सचिव, रेलवे बोर्ड |

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनाँक 14 मई 1986

सं० 5/86 फा० सं० 22/2/85-प्रशासन- 1(बी)—विभागीय पद्रोक्षति समिति (समूह "ख") की सिफारिशों का अनुमरण करते हुए, अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्रदारा श्री आर० के० गुप्ता, पर्यवेक्षक जोकि विदेशी सेवा में प्रतिनियुक्ति पर होने के कारण अनुपस्थित थे "अगली पद्योत्रति हो जाने पर नियमानुसार" सभी शर्ते पूरी करते हैं, को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (समूह "ख") सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता (विद्युत एवं ग्रांतिक) के ग्रेड में, रुपए 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000— द० रो०—40—1200 के वेतनमान में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में स्थानापक क्षमता में 31—1—1986 (पूर्वाह्र) से अगले आवरण स्थक आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

श्री गुष्ता 31-1-86 से 2 वर्ष की श्रवधि के लिए परि-वीक्षाधीन रहेंगे।

> भ्रार० शेषाद्रि, भ्रवर सचिव

श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण

बम्बई-400 020, दिनाँक 13 मई 1986

सं० एफ० 48-एडी (ए०टी०)/1986—1. श्री एस० के० विश्वास, अधीक्षक, श्रायकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई न्याय-पीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ श्राधार पर श्रस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्रायकर अपीलीय अधिकरण, समृतसर पीठ, अमृतसर में 3 माह की अवधि के लिए विनौक 1-2-1986 से कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की गयी थी। देखिए इस कार्यालय की विनौक 4-3-86 की अधिसूषना कर्मांक एफ 48-एडी (एटी)/1986 को अब उसी अमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण गोहाटी न्यायपीठ, गोहाटी में दिनांक 1-5-86 से मौर सीव माह के श्रवधि के लिए यातवतक जबतक उक्त पद पर जियमित नियुक्ति न हो जाएं, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमित प्रदान की जातो है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ प्राधार पर है, श्रोर यह श्री एस० के० विश्वास को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई धावा नहीं प्रदान करेगी श्रीर न उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रवत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रीभप्राय से उस श्रेणी में गिणी जाएगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए गांमें की पानता प्रदान करेगी।

2. श्री ग्रार० दक्षिणामूर्ति, सहायक श्रधिक्षक, श्रायकर प्रपीलीय ग्रधिकरण, मद्रास न्यायपीठ मद्रास जिन्हें तवर्ष श्राधार पर परस्पायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्रायकर प्रपीलीय ग्रधिकरण, कोचीन पीठ, कोचीन में 3 माह की श्रवधि के लिए दिनौंक 1-2-1986 से कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की गई थी। देखिए इस कार्यालय की दिनौंक 4-3-1986 की ग्रधिस्चना क्रमौंक एफ-48-एडी (एटीं)/1986, को भव उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्रायकर प्रपीलीय ग्रधिकरण, मद्रास पीठ, मद्रास में दिनौंक 1-5-1986 से भौरतीन माह के श्रवधि के लिए या तब तक जब तक उक्त पद पर नियमित नियुक्ति न हो जाएं, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की ग्रनुमित प्रदान की जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ श्राधार पर है, श्रौर यह श्री श्रार० दक्षिणामूर्ति, को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रौर न उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रीभप्राय से उस श्रेणी में गिनी जीवेगी श्रौर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पावता प्रदान करेगी।

> टो॰ डी॰ सुग्ला मध्यक्ष

क्षण सर्व_ार्ध्य हर्गा हरा _स

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा पारा 269-व (1) जै अपीन कृतक

BICK BOMY

कार्याच्या, बहायक बायभर बाय्का विश्वक्रिकी

ग्रर्जन रेंज~4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 जनवरी 1986

निर्देश सं० एसी०- 31/एक्यू० श्रार- 4/कलकसा/ 86-87- -यतः मुझे, शेख नैमुहीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उसत सिधिनियम' कहा गया ही, की वास 269-व के अभीन सक्तम प्राधिकरी को यह निकास कड़ी व्याप्त करने के राज्य सम्मित्त विस्ता अधिय वाकार कृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० 18/17 है तथा जो मोहल्ला मनसासला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारों के कार्यालय हुगली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30 सितम्बर 1985।

त्रतिक्षय के लिए संतरित की गई है और कृष्टे यह विकास करने का कारण है कि यथाएनोंक्त संगीत का जीवत पालाव शृक्त, उसके दरयमान प्रतिक्रम के, एते अवकान प्रविक्रम का बन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (बन्त्रकों) और अन्य-द्विती (अन्तरितियों) के नीच एते अन्तरण के लिए तब पाना पना प्रतिक स्नीस्निविष्ठ उन्देश्य के अन्त वन्तर्क विक्रिक के नरस्तीक स्म वे अभिक नहीं किया गया है हम्म

- (क) बरक्यन वे हुई कियी बाय की बावस, क्या अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावश्य में क्यी करने वा अवने बवाने में सुविचा के सिम्; शरि/वा
- (क) एंसी किसी भाग या किसी वन या बन्य वास्तियों को प्रेबन्ड भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा को क्रिय;

कतः सब, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, जी, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभाषा (1) को कभीन, निम्मीलियित व्यक्तियों, नशीत्:— (1) श्रीमती सचिता मुखर्जी

(मन्तरक)

(2) श्रीमती मनजुला दास गुण्त

(मन्धरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्या चंपीय से नर्बन के संबंध में कोई जी वासोब हु- 🤊

कि इस स्थान को राज्यन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की सदिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीब से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर जा कि तहीं में कि की स्थानत ब्वाय;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ड्रिडव्यूथ किसी अन्य व्यक्ति दूषारा अधोइस्ताक्षरी के पाव विश्वित में किए या बकोंगे।

क्ष्मकीक्षारणः— इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पर्यों का, की सपस अधिनियम के सध्याय 20-क में परिशाधिक ही, बही वर्ष होगा को उस सध्याय में सिका नेवा ही !s.

वपुस्ची

जमान--2. 34 काठा जमीन के साथ मकानः पदा---मौजा | थाना चुचुड़ा जिला-हुगलीः दिलक्ष सं2--1985 का 6295

> शेख नैमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-4, कलकत्ता

चिनीक: 23-1-1986

मोहर 🛭

तका वार्_थकी हुन <u>हुन</u> ----

बाबफर थांचिववन, 1961 (1961 का 43) की बाच 269-न (1) के अभीत त्वना

बाइट बहुन्स

कार्बातय, सङ्घयक मायकर नामुक्त (निर्शामण) श्रर्जन रेज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी ०- 3/एक्य्० श्रार- 4/कलकत्ता/ 86- 87- -यतः मुझे, शेख नहेंसुद्दीन,

कायकर विधिनिषय, 1961 (1961 का 43) (जिंको इसवें इसकें प्रथात् 'क्वा विधिनियय' बाह्य नया हैं), की कारा 269-य के वधीन सक्यम प्राधिकारी को यह विश्वास आहमे का आरम हैं कि स्थापर सम्मत्ति, विश्वका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं० हैं क्या जो नारायणपुर में स्थित हैं (और इससे ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुगली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 सितम्बर 1985

को प्रांपित सम्मित के शिमत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान अधिक व के सिष् क्यारियों की पंदं और मुश्ने यह विस्तास कारने का कारण है कि यंकान्वीयक सम्मित का उपित बादार मृत्य, स्वयके स्थानका अतिकार से, एंते स्थानक अतिकार का क्याइ अधिकार से स्थानक है और मन्यरक (बन्दारकों) और बन्दारियों (क्यारियां) के सैन एंडे बन्दारक से सिए तम साम पंदा अतिकार निम्मितिक काविक निमा से समा कम्यरून सिश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) तम्बरण वं हुट्ट चिक्की बाव की अवत , क्या वरिश्विषय के स्वयंत्र कर देवे के सम्बर्क के व्यक्तिय में क्यी करने वा बढ़के क्याने में श्रुविषय के लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रकोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिय या कियाने में सुविधा के लिए:

(1) श्रो निपेन्द्र मोहन घोष

(अन्तरक)

(2) श्रो भवानी प्रसाद साहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मरित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई वाशोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकायन की तारीस सें 45 दिन की सरीच या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की हासीस से 30 दिन की व्यक्ति, से भी स्थान में प्रमान्त होती हो, के मीता प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्वावह सन्मति में हितकपूथ किती बन्ध व्यक्ति द्वाद मधोइस्ताकरी के पांच सिविस में मिन का संकेंगे ।

हमक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त कक्कों और पक्षों का, को सकर वरिकीमयस को सम्युक्त 20-क में परिधारिक ही, कहीं वर्ण होता, यो उस सम्याद में दिया नवा ही।

अनुसूची

5 काठा 2 छटांक 38 स्को० फीट जमीन का साथ मकान. पता--मीजा नारायनपुर थाना चुचुड़ा. जिला-हुगलो। दलिख स०---1985 का 5939।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- 4, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, जिल्लिखिक व्यक्ति क्यांत्र कर्मा

दिनांक: 8-4--1986

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

HIST MANY

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 11 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० नोटिस नं० डी०/प्रार०-- 839/37ईई/ 85-- 86---यत: मुझे, प्रार० भारताज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० सर्वे नं० 202 है तया जो वार्ड काबोबड्डो उमटाबड्डो कालतगुट बारडेज गोवा में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजर्द्राकर्ता के कार्यालय बंगलीर में भारतीय रिजर्द्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक 5 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गए हैं और मूक्ते यह विषवास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के भिए तय भागा चया प्रतिकत, निम्नतिधित उद्योग से उदित अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्दुल् वं दूरं किसी बाब की बावन, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; बरि/ा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की दिवारों भारतीय आवकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वर्षः वय प्रका विधिनियम का भाष 269-व की वनुसरण माँ, माँ, उक्षत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री श्रातिल पुरुषोत्तम चलाचकर कोरलिमः मापसा बारडेज गोषा।

(ग्रम्तरक)

(2) श्री लुग्सि एच० पिन्टो श्रीमती मेरिया ई० पिन्टो माकसा बारक्केज गोषा।

(श्रन्सरिती)

को यह बुक्ता बारी करके पूर्वोक्त कन्मील के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य अपनित द्वार व्याहस्ताक्री के पाष सिविश में किए वा बजेंगे।

स्यष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

(दस्तावेज सं० 510/85-86 ता० 5-9-85) सम्पत्ति है जो प्रीती भागा" नाम से परिचित है जो सर्वेनं० 202 वार्ड का भोवड़ो उम्टावड़ो काल नगुट ग्राम पंचायत सब डिस्ट्रिक्ट श्राफ बारडेज गोवा में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 11-4-1986

मोहरः

प्रकृत नार्षः हो । इतः पुरान् ------

नावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत वरकार

कार्यांसय, सहायक नाय्क्य आयुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 6 मई 1986

निर्देश सं० श्रार० 1756/37**६**६/85-86---यतः मुझे श्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा श्या हु"), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार भूक्व $1,00,\bar{0}\bar{0}\bar{0}/-$ रह. से अधिक है

और जिसको सं 0 144-3ए 2 144-16 144-3बी 144-3 सी प्राई ए 254-3ए 144-11 144-10 144-1 144-8 144-15 144-6 144-2 है तथा जो दे स्रकल गांव मुलिक डिं0 के० में स्थित है (और इससे जगबद्ध प्रतुस्ती में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय बंगलीर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 11 सितम्बर 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाचार मूक्य से कम के सश्यक्षत प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार अस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का भून्त्रह प्रतिकत से विध्व है और जन्तरक (जन्तरकों) और अम्हरित (जन्तरितियों) के बीच दसे अम्हरण के सिए तथ पाग गया प्रतिकल, निम्नीसिंबित उच्चरेश से सकत अम्हरण किंगिए में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुए किती जाय की वाचत, उचत अभि-नियम के अभीन कर दोने के संतरक के दायित्य में कमी करने या उद्यम अचने में स्विभा के मृत्यः; और/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को बिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) किया भाषा भाषा भाषा बाला बाहिए था, खिपाने में सुविधा के बिए;

अत: अब, उक्त जीधनियम की भारा 269-ए को जनुसरण माँ, माँ, उक्त जीधनियम की धारा 269-च की खप्धारा (1) को अधीन, जिम्नलिखिद व्यक्तियों, जव्यदि क—

- (1) 1. श्रीमती इंदिराचती रिज / श्राफ रूक्कुनिचास स्रतकल पी० ओ०/संगलीर सालुक (डि० के०)।
 - श्री बालकृष्ण के० कांचनः के०/प्राफ इन्द्र धनुष्".
 भीमानगर बोखिली वेस्ट बम्बई-92 ।
 - श्रा जनार्धन के० केरकेरा बा-18 रचना श्रपार्ट-मेंट. बी० पी० रोड़ अंधेरी बम्बई-58।
 - श्रामतो मोनाक्षो श्रार० देवजी जपानीस कान्सुलेट नं ० 1 कामिचेल रोड़ बम्बई-26 ।
 - 5. श्री हरीण कांचन सुरक्तकल लक्ष्मी सदन' नारियन रोड़ चिले पार्ले ईस्ट: बम्बई-57।
 - 6. श्री तुकाराम कान्चन्द रूक्कु निषास' सूरतकल मंगलूर-वालुक। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. यू॰ गोपालकृष्ण नायक श्रमर गंगा' पहस हिल' उरवा मंगलीर (डि॰ के॰)।
 - 2 यू० सदानन्दा नागक सन/प्राफ लेट यू० राम नामक कारंगलपाडो मंगलौर टौन ।
 - 3. श्री एम० भुभाषचंद्र भक्ता सन/भ्राफ लेट श्री एन० राम भक्ता कनकनडी मंगलौर।
 - 4. श्री एम० प्रकाशचंद्र भक्ता सन/श्राफ लेट श्री एन० राम भक्ता रिज/श्राफ होटल उडलैट्स के नजवीक बंटस होस्टल रोड़ मंगलीर टाऊन । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सन्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाखेप ट्रन्स

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी स्पिनतमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो औं अधिप नाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुशारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्म भावित इकारा अभोहस्ताक्षरी से पास विधित के से किस का सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धे और पदों का ह वो विषय व्योभिनयन, के बध्याय 20-क में परिशादिक हैं, यही वर्ष होगा को उस नध्याय में दिखा यस है।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1552ए ता० 11- 9- 1985)

खाली जमीन सर्वे सं० 144-3ए $_2$. 144-16 144-3बी 144-3सीमाईए 254-3ए 144-11 144-10 144-1 144-8 144-15. 144-6. 144-2 जो सुरतकल गांव जो मुलिक रजिस्ट्रेशन सब-डिस्ट्रिक्ट का है दक्षिना कम्नडा।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्राय्क्त (निरीक्षण): श्रुजन रेंज, बंगसीर

विनांक: 6-5-1986

मांहर :

प्रकम् : बार्च : दी : एव : एस : -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रभीन स्थना

नाइत् चंडका

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बगलीर

बंगलोर, दिनांक 6 मई 1986

निर्देश सं अर्डि 1858/37ईई/85-86--यतः मुझे, धार० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसको प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति**, जिसका उण्डित बाजार मूला 1,00,0**60 ∕- र**त. से कथिक है

और जिसकी सं०टी० एस० नं० 217/1ए, 216/2ए $_2$ ग्रार० एस० सं० 597/1ए और 578/2ए2 है तथा जो जसबा बाजार मंगल्र में स्थित है (और इसमे उपाबद्व ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय बंगलौर में भारतीय रजिस्दीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 28 ग्रब्तूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के कश्यमान विषया के किए कन्तरित की गुर्द हैं और मुक्ते यह विषयास **बहुने का कारण है कि यथापूर्वोक्त** सम्मक्ति का उचित बाजार ब्राच्या उसके अवसान प्रतिकास से, एसे अध्यमान प्रातकाल का **ब्लाइ प्रोत्तवात वे विधिक ही बीर ब्**लारक (बन्तरक*ें*) होर बंबरिती (बंबरितियाँ) के बीच एसे वंतरण के लिए उप पाया वका प्रतिपत्न निम्निकिषित उन्देक्य से खक्त अंतरण लिकित ये बास्तुबिक रूप से कथित वहीं किया गया है अ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उवस अर्थिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य सारितथाँ को, जिन्हीं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, स्थ **भन-कार वीभनियम, 1957** (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया काना जाहिए का, फिलारे थ श्रीवया चे विद्या

करें वर्षे, संबंध कथिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) पूजा म्राकॅड, के० एस० राव रोड़, मंगलौर-575001
- (2) श्री मुहम्मद इकबाल नं० 1, कर्नाटक हाउभिग बोर्ड कालोनी, मेन रोड़, भटकल, नार्थ केनरा डि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के तिक् कार्यवाहियां शुरू करता 👸 🗓

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी काक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकोंगे।

ल्ब्यांकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँट पदों का, जो इक्क विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1614/85-86 ता० 28-10-85) सम्पत्ति जिसका सं० एल० बी० 15 और एल० सी०-1 टी० एस० नं० 217/1ए, 216/2ए $_2$ और श्रार० एस० सं० 597/1ए और 578/2ए $_{f 2}$ जो कसबा बाजार गांव, 13वां वार्ड मंगलौर में स्थित है।

> ग्रार० भारताज. सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 6-5-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर जिभिनियज, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) की अभीत सुच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 18 मार्च 1986

निर्वेश सं० 37ईई/5632/85—86---यतः मुझे, श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'रुक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित काजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं अप्राफित नं 222 एंड 223, दूसरा मंजला वधंमान मार्केट प्लाट नं 075, सैक्टर 17, डी० बी० सी० वसई, नई बर्क्सई है तथा जो नई बर्क्सई में स्थित है (और इसके उपाधंक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर 1985।

की पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्रबमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) अन्वरण वे हुइ किसी थान की शानक उनक बहिश्तित्व के क्कीन कर दोने के अन्वक्षक के बहिल्द में कनी करने या उत्तरों क्काने में सुविभा से सिए; श्रीदर/या
- (क) देवी कियी वाय या कियी भन ना सन्य शास्तिकी को, जिन्ही भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन्कह निष्तिकम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोचनार्थ जन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया थेवा या वा किया बाना चाहिए वा क्थिन में स्विधा औ जिए;

जतः जच, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण वि. मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मेनर्स वधमान कन्सट्रेक्नस, 40-41 विशाल शापिंग सेंटर सी० एम० वी० रोड़ अधेरी कुर्ला रोड़, बम्बई। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री जगन्नाथ एन० ध्रनचन ए 11 और 12नव मुंजक नगर चेम्बुर बम्बई।

सं(भ्रतरिती)

को यह सुभना भारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बालोप ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामीस से 30 दिन की अविधि, को भी जविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकामे।

रपष्टनेकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और धर्बों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

जसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई०/5632/85~86 जो ग्रक्तूबर 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज पूना के षपतर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 18-3-1986

म्बन् नार्वः, हाँ , पूनः एवः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के सभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नामृक्त (निर्देशका) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 फरवरी 1986

. निर्देश सं० 37ईई०/5619/85-86--यतः मुझे, प्रनिल कुभार

कावकर विभिन्नवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसर्नें इसर्कें परवात् जिस्त विभिन्नवन कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सकाव प्राधिकारी की यह विश्वास करने का भारत है कि अवाप्योंका सकारी का उचित्र कावार मूल्य 100,000/- का से व्योधक है

कौर जिसकी सं० प्राफिस नं० 311, निर्माण व्यापार केन्द्र, प्लाट नं० 10 सैक्टर 17, जिला व्यापार के द वासी नई बम्बई है तथा जो वसई में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची म और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन धिनोंक श्रक्तुबर 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के शिष्त भाषार मून्य से कम के क्रयमान एतिकल के जिए जंतरित की गई है और नुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित नाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का क्रमह प्रतिकत निषक है जोड़ मन्तडक (जंतरकों) और नंतरिसी (श्लक्षीड्तियों) के नीच ऐसे मन्तड़ण के निष् तर पाया प्रवा प्रतिक्रक निम्निजिस्त स्पूर्वेष्य से उन्त मन्तरण निवित में

- (क) बन्तरण हे हुइ किसी शय की बावत, उक्त अपिनियम में अभीन कर दोने से अन्तरक के स्विद्य में कभी कुरने या उत्तक्षे ध्याने में सुविक्षा के लिएह औड∕मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाणनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया सुविधा के लिए।

कतः वग, उकत विभिनियम की धारा 269-न की अनुसरक मों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) मेसर्स निर्माण बिलर्डर्स, 40~41 विशाल शापिंग मेंटर, सी० एम० वी० रोंड़, अंधेरी (प) बम्बई । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बी० सटानथान, प्लाट नं० 4, वामन श्रपार्टमेंटस; गीताजंली यूनियन पार्क के सामने, बी० एन० पुख मार्ग चेम्बूर बम्बई।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

रुक्त सम्मत्ति को नर्जन की सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस पूचना के समयम में प्रकाशन की तारीं कु कें 45 दिश की अविभि या तत्त्वस्थानी अधिनतथीं पड़े सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी स्वीकत बुंबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस्तवय्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी की पास विकास में हैक्स का सकेंचे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम के विका गया हैं।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकत कः 37ईई०/5619/85-86 जो प्रक्तूबर 1985 को सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण प्रजंन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रनिल कुसार, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 24-2-1986

मीहर:

प्रकृष भाषीत दीत प्रमृत प्रस्तृ — रायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज; पूना पूना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्द्रोग सं०37ईई०/5621/85-86-- ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार

भायकर निर्भागयम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 204, निर्माण प्रमृत, निर्माण नगए, सर्वे नं० 50 निलेमोरे नल्लामुपारा (वेस्ट) त० वसई जिला थाना (क्षेत्रफ़ल: 630 घाँ० फुट) है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबत प्रतमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्व (निरोक्षण) प्रजीत रेंज/पत्र एजिस्ट्राए में, रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधील, दिनांक प्रक्तूवर 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जीवत गाजार मूलर से केंन की दश्यमान

1908 (1908 का 16) के अधील, दिनांक शक्तूबर 1985 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के लिखत गणार मूल्ट ते केंने के दश्यमान मितिफ के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का अचित माजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का गन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में गास्तिक में किश्वत में किश्वत में किश्वत में किश्वत में किश्वत में किश्वत भय से किश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय भी बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाक्तिय को कभी करने वा उसके बलने में सुविधा के तिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी अन या करा आस्ति है। की, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना धाहिए था, छिपाने छ स्विभा के लिए;

- (1) मेसर्ग निर्माण एसोसिएटस 40/41 विशाल णापिंग सेंटर, सी० एम० बी० रोड़, अंधेरी (ईस्ट) बम्बई। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री लोला प्रकाण देवजवन्द भासनि यूनिट नं० 5 सरकारी दूध कालोनी स्रार्थ बस्बई ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बाड़ी करके प्वोंक्त सम्मित से वर्षन में सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏣

- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की जगिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जगिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति में में कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सम्बर्ध के राज्यक की तारीण कें 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध िन्सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण '---इसमें प्रयुक्त कक्दों और पर्दा का जो उक्स अभिनयम को अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याब में विया गया है।

अनुसूची

जैमा कि रिजिम्ट्रोक्कत करु 37ईई०/5621/85-86 जो अक्तूबर 1985 को पहायक आयकर आयकर निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफार में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

) दिनांक: 10-2-1986

मोहर:

करः जव, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण कैं, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीत . जिम्मिलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्रकृष बाह्र' वटी व पुन प्रस -----

नायकर मिशितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के मधीर स्वना

भारत सरकार

कार्यासव,, सहायक आयंकर नायुक्त (निरक्षिण)

छ**र्जन** रेंग, पूता

पूना, दिनांक 28 जनवरी 193 6

. निर्देश मं० 37ईई०/5633/8 5 8 6 - यहा: मुझे, अनिल कुमार,

बाधकर जिथितियम 1961 (1961 का 23) (विसे इसमें इसके बहुयात 'उनत अधितियम' कहा रहा हैं), की धार 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी की या निवनास करण का काइन हैं कि स्थाबर सम्पत्ति विसका अवित बाजार मूस्य 1,00,000/- राज्य से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, किमीण अमृह, किमीण धार, सर्वे नं० 50 किमीणे केल्यासापाटा (चे हा) दिला था हा (क्षेत्रफल 630 ची० फुट) है तथा जो नहलासीकारा में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित हैं), रिजर्ट्स किमी प्रियारी के वार्यालय, सहायक प्राथकर वायुक्त (किरीक्षण) प्रजीत रेंज/सब रिजर्ट्स में, रिवर्ट्स किमीणे दिविक्षिण (क्षिक्त राजकर्त केले केले केले केले केले प्रवीक्त अक्तूवर 1985।

को पूर्वोक्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्षम के दश्यान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्थ हैं और मूझे यह रिश्वास कर या कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाइय मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिग्रत स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियत उद्बदेय से उक्त अन्तरण लिनित में बास्तिक हुए से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण ने हुए किसी साम की हालत . इक्त निध-निषम को सभीन कार दोने को आगरक के दा उपन सो कारी कारने का उसमें नामन यो मृदिश को १००० . होत्या
- (स) एसी किसी बान या किसी धन वा जन्य आस्तियों जा जिल्ला भागाया जागाया जागिर अध्य (1922 का 11) या ल्यान किसी किया था भागाया जागिर अध्य (1922 का 11) या ल्यान किसी का 27) के प्रधानिकार कर्यार के प्रधानिकार कर्यार क्षेत्र क्षेत्र कर्यार क्षेत्र के क्षेत्र के

अत: अत. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मी, मी, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मेसर्स निर्माण एसोसिएटस 40-41 विशाल शापिंग सेंटर, सर एम० वी० रोड़, बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० चन्द्रशेखर नायक ए/एस सिद्धार्थ रोड़ स्टेशन, नल्लोसोपाटा तहसोल वसई जि० थाना ।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मृथना के रजपत्र में प्रकाशन का तारीस सं 45 दिन के मीतर जक्त रथा दिसम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्रस्कित्यः ---- इसमी प्रणान शब्दो और पदो का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित हौ, यही अर्थ होत्य हो उस अध्याय मी दिया गया हो।

श्री कि **व**ि

जोसा कि एकिन्द्रकार २००० वर्षाई न्दर्वे अधिक छ। जो अक्तूप्रण १९८५ कर सम्बद्ध । १८०० वस्त्रका विशेष्ट्राच प्रजीवरित्र प्रसास प्रमात से जिल्हा भारती है।

> ाती हान मुन्तार हालम प्रतिविकारी सराहार प्राह्म (हारी खालि) वर्षेत्र केन्द्र पूर्वी

作品部: 10 ·2-·198 6

मोहर

प्रथम नाड[ा], द<u>ि. पुन, पुन, </u>

धायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 मन 43) की भारा 269-म (1) के वभीन ब्रायना

लारत बडकाड

कार्यात्तव, सहायक वायकार वायुक्त (विद्वीकाण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 जनवरी 1986

निर्देश सं० 37**६६०/**3225/8 5-8 6---यतः मुझे, श्रनिल स्मार

बावकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इक्कें इक्कें प्रथात् 'उन्त विभिन्नम' कहा नया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कार्रक है कि स्थावर संपरित, विश्वका अवित वाकार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, तरूणा अपार्टमेंट 490 नारायणपेठ | पूना-30 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के स्थानन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विकास कर्ते का कार्ज है कि यथापूर्वोक्त संप्रित का उचित वाकार बृत्य, उसके स्थामान प्रतिफल से एसे अयकान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका), और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिसित उन्हें के स्वत बन्तरक ब्रिजित में वास्तिक स्थ से कियत नहीं दिक्ता च्या है है—

- (क) बन्तरण से इन्द्रं किन्ती धाय की बावता स्टब्स् अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दारित्क में कभी काइने वा इन्डसे बचने में सुविधा में सिए; और/सा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भग गा वस्य अस्तियाँ की, विक्र भारतीय बाय-कड गिंगिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत कि नियम, या भनकार अभिनियम, 1957 (1957 गा 27) के प्रयोध-वार्थ अस्तियम, 1957 (1957 गा 27) के प्रयोध-वार्थ अस्तियम, वार्थ अस्तियम, वार्थ अस्तियम अस्ति क्षा आना आहिए का कि जो में कृषिभर भी विकास

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण कैं, कैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिग्र, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एल० एम० नारंग, कर्वे रोड़, पूना-4। (श्रन्तरक)
- (2) श्री देवचंद के गोगरी पूरन पोगाख 612 सदाभिष पेठ पूना-30।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के निष् कार्यवाहिया करू करता हुई।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🚈

- (क) इस त्यना के हायपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 विन की नगिंध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पद यूजना की तामीन से 30 दिन की नगिंध, जो भी अविध नाव में समान्त होती हो, के भीता पूर्वीक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी कृत्य व्यक्ति ब्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास
 किसी बात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो बस तध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई०/3225/85-86 जो श्रक्तूबर 1985 की सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 28 - 1-198 **6**

प्ररूप बार्ड, ही, एन, एस, -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-म (1) के अभीन सूचना

भारक सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 12 फरवरी 198 6

निर्देश सं० 37ईई०/6035/85-86--- यत: मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 22, सर्वे नं० 15/1. 2, 3, 4, 5 और सर्वे नं० 12/7 मनपाडा रोड़, नोम्बीवलो (ई०) जि० थाना है तथा जो डोम्बीवलो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सी प्रधिकारों के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज सब रिजस्ट्रार में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 कत 16) के अधीन श्रक्तूबर 1985

को पूर्विक्स संस्थित के स्वित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित वाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिवास ने विश्वक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया ग्या प्रति-फल निम्नितिवास उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तृविक कप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की नावत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्योजनार्थ अन्यरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुधिभा के जिए।

अहः, अधः, उक्षः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) जैन बिल्डर्स छेड्डा भवन 4वां मंजला, 98 सूरत स्ट्रीट बम्बर्ध ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मुधीर बी० नायक, 32/7 किणोर काटेज गोरेगांवकर रोड़, ग्रामदेवी बम्बई ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पुत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हूं।

उथत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति बुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० 37ईई०/6035/85-86 जो अक्तूबर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण धर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ह निल कुमार सक्षा प्राधिकारी सहायक ध्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 12-2-198 6

मोहर 🖫

THE ENGINEERING COURT OF THE STATE OF THE ST

प्रकथ कार्यु हु द्री, प्रम_ा एस्_र×----

भागकर जॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत बर्काइ

कार्यास्त्रम्, सहायुक्त भावकारु नायुक्त (निर्द्धाक्षाण)

श्रर्जन रैंज, पूना

पूना दिनांक 7 फरवरी 1986

নিৰ্বিগ দাঁ০ 37ईई০/3106/8 5-8 6--- থব: मुझे, स्नानि ल কুমাৰ,

अधिकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भाषा 269-क से अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित् वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अंदि जिसकी सं ० प्लाट तं ० 11, पहला मंजला, 444बी, 444सी णितवारपेठ पूना-30 है नया जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण कर से वर्णित है) रिजर्स्ट्रॉकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन टेंज/मब रिजर्स्ट्रॉप में रिजर्स्ट्रॉकरण अधिनियम: 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पहरू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

(क) मंद्राण से द्वार फिसी भाष की बावता, क्या विश्वित्य के अभीत कर देने के बन्तरक में शिवित्य में भाषी करने या सबसे व्यापे में सुविधा की जिए; भार/या

एसी किसी आप या किसी भन था बन्य बास्तियां की, जिन्हों भारतीय बायकार क्षीपांच्या । १०० (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या मत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्ष्योजनार्थ बंदिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया बाना पाहिए था, क्ष्याने में सृष्धा व किया

बतः अभं, उक्त विधिनयम की भारा 269-न में जनसरण कं, में', उमत विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) व्यों सभीत, निम्निनिश्वेट व्यक्तियों, वर्षार क्र- (1) ब्रानंद बिरुडर्स मालिक : श्रीमंती लाजवंती एम० नारंग, एफ०पी०नं० 18 9 प्लाटनं० 47, घाटकोपर बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० के० साचरगेनकर, 313 विद्यानगरी, बम्बर्ष । (श्रन्तरितो)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

क्रमा सुम्परित भी मुर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की जब्धि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पृष्ठ सूचना की तात्रीक से 30 दिन की जब्दि, जो और जब्दि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश ने 45 विने के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गमा है।

वनुवृत्ती

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० 37ईई०/3106/8 5-8 6 जो अक्तूबर 198 5 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रें अपूना-30।

त्रसिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

दिनांक: 7--2-198 6

प्रथम बार्च ् डी ः एक् व्यक्तानननन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-व (1) कें नवीन त्वना

BIER GERIR

कार्यालय, सहायक भावकर आयुक्त (निर्दोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई०/563/85-86--यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

नायकर निर्मानस्म, 1961 (1961 का 43) (चिन इत्रयो इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269- इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 208, वर्धमान पार्क प्लाट नं० 49
सेक्टर 17, डी० बी० सी० वसई, नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई,
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय सहायक
श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, श्रक्तुबर 1985

यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य, खसको क्रमनान प्रतिकत्त से, एसे क्रमनान प्रतिकत्त का वंद्ध प्रतिकत से व्यक्तिक है और अंतरक (अंतरकाँ) कोर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच इसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत्त, निम्नतिबित, बहुवदेश से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जनाइन वे हुई विक्री जान की बावत्,। इनक विधियम के वर्षीय कर देने के असरुक के कवित्व में कहीं करने के कहने में कृतिया वी किए; बीड/ना
- (व) एंबी किसी बाद या किसी जन या जन्म जास्तियों का, जिन्हें जारतीय आवकर अजिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या जनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चप्रहिए था, कियाने में युविधा के लिए;

(1) सेमर्ग वर्धमान विल्डर्म, 40-41 विशास शापिंग मेंटर नी० एम० वी० रोड़ श्रंधेरी (ईस्ट) बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) नगर देवरया सैनाय 10 जानकी निवास, अर्थातीबा भूले रोह, नायगम दादर, बम्बई ।

(ग्रन्तरिती)

क्षी बहु सूचना जारी कड़के पूर्वोच्छ अंपृत्ति की वर्चन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र—

- (क) इस सूथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) उस न्यान के राजपण में प्रकाशन की तारांख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- क्या किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

. स्वाचीकरण;—-इसमें प्रयुक्त सकतें बीर पर्यो का, जो उपक वीधनियम के अध्याय 20-क में परिशाविक ही, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में क्रिया गया ही।

अनुसूची

जैसा कि एजिस्ट्रीकृत क० 37ईई०/563/85-86 जो अक्तूबर 1985 को सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रैंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रमिल कुमार मक्षम प्राधि गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्कंन रेंत्र, पुना

जल: जय, उन्तर विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण ती, भी उन्तर जिथिनियम की भारा 269-च की स्थभारा (1) के अभीत जिल्लाकित व्यक्तिकां, संभात ह—-

दिनाँक: 20-3-1986

प्रकल बाह्य हो. , एत् , एस , ------

शायभार विभिनियाद, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

भारत चडकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रजॅन रेज, पूना

पूना, दिनौंक 20 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई०/5624/85-86--यत: मृझे, ग्रानिल कुमार,

बायकर विधिनित्रमं, 1961 (1961 का 43) (विश्व देवाने देवाने परवाद 'उसत् विधिनिवम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 202, वर्धमान पार्क, प्लाट नं० 49 सैक्टर 17, वसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन हैंज में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रन्तुबर 1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीत मिन्निकियत व्यक्तियों, अर्थात मन्त्र

- (1) मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स, 40-41 विणाल शाणिंग मेटर, सर एम० वी० रोड, श्रंधेरी (ईस्ट) बम्बई। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्भ जयरामदास खुशीराम, 305 शोरडिया हाउस 100/104 काझी सौद स्ट्रीट बम्बई । (ग्रन्सरिती)

की नह बुक्ता जाड़ी करके पूर्वों नत तम्मति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उन्नव रूपिक को अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप् है---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों करा ध्यितसारें में से किसी ध्यक्तिस दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जैसा कि रिजम्द्री हत ऋ० 37ईई०/5624/85-86 जो ग्रक्तुबर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रैंज, पूना

नौक: 20-3-1986

प्रका बाई , टी, एन , एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के ग्रामीन सूचना

भारत सहकार

कार्यांत्रम, तहायक भारकर मामुक्त (निडीक्स)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई०/5623/85-86--यत: मुझे, श्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका खिल बाखार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 201, वर्धमान पार्क प्लाट नं० 49, सैक्टर 17, जिला व्यापार केन्द्र, वासी नई बम्बई है सथा ज नई बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के वार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित राजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अस्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को स्वत्य प्रतिफल को सीच एसे अंतरक (अंतरकों) और मंतिरती (बंटिरितिकों) के बीच एसे अंतरण के सिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने को जन्तरक को बासिस्य में कमी करने या उत्तवे बचने में सुविधा की सिए; और/शा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी वन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, छिमाने में तृथिका ने किए:

क्षंत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जनस्य क्षंत्र, भी, शाबत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के कपीत, जिल्लीलिसिट व्यक्तिस्रों, अधित क्रान्स 4—96 GI/86

(1) मेनर्स वर्धमान बिल्डर्स, 40-41, विशाल शापिंग मेंटर, सर एव० वी० रोड़, ग्रंधेरी कुर्ला रोड़, ग्रंधेरी (इस्ट) बम्बई।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री गोरखनाथ जे० सिगवाकर, 7/92 भारत नगर, मानखुर्वनार्थ, बम्बई ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन से सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस स्वता के प्रवपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की नक्षि, जो भी अविध नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (क) इस स्थान के ग्रवपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा अकेंगे।

स्पन्दीकरणः प्रमुक्त पन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अभाग 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो जल अध्यम में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जैसा कि रिजस्टी कि ऋ० 37ईई०/5623/85-86 जो श्रक्तूबर 1985 को सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में निखा गंधा है।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 20-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकात्र

कार्यालय, सहायक भागकर जाम्**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनौंक 21 मार्च, 1986

सं० 37 ईई/5630/85-86:—यतः मुझे, ग्रानिल क्मार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), आर्थ भारा 269-भा को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 402 वर्षमान पार्क में, प्लाट 49, सेक्टर 17, डी बी सी बपई नई बस्वई है तथा जो नई बस्बई में स्थिन है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज मे, रिजिस्ट्रीकरण श्रिउनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम को स्वयमान शिल्फल के लिए जन्ति त की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूष्य, उसके बश्यमान पतिफल से, एोसे ब्ल्यमान प्रतिफल को बल्का प्रतिकृत से जिथक है और बंतरक (संनरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के सिए तम बाबा गया प्रतिकृत कम निक्नोसिबित उद्वेषय से उन्तर बन्तरण सिकित में बास्तिबक्त कम ने क्षित नहीं निका गया है रेन्न

- (क) बंतरण से हाई किली बाब की बाबत, उनत की जीवाब की क्षणीत कर दीने के अलारक के शांबितक में आगी कारने या अससे बचने वा सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (तर) ऐसी किसी अप या किसी अन या सम्ब शास्तियों को जिस्ते भारतीय नायकार मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मिनियम, या यन-कार समिनियम, 1957 (1957 का 27) के अक्रेसभार्थ सन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया या ता किया जाना नाहिए था, कियान में सुनिया स्व जिए;

अतः कदः, उद्धतः अभिनियमं की धारा 269-वं के अनुसरण ब्रों, माँ, सक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की अपधारा (1) ले अभीतः, निस्तिवितित स्पितियों, अधीतः १४ - मैंसर्स वर्धमान विल्डर्स,
 40-41 विशाल शार्पिंग सेन्टर,
 सर एम० व्हो, रोड, अन्धेरी (ई)
 बम्बई।

(भ्रन्तरक)

 श्री डी० पी० देखिया, इन्द्रप्रस्थ श्रनुगक्ति नगर, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पृतिसः के वर्षन् के सिष् कार्यवाहियां भरता हुं।

उन्त रम्परिय के वृत्रीम के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:--

- (स्त) इस त्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की नविभ या उत्संबंधी स्पित्तनों पर स्थान की दानील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवादा;
- (ब) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के शब जिस्त में किए वा सकेंगे।

स्थळाड्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त बच्चें बीर पद्यें का, वां वच्च बहिबीनयम, के ब्रुध्याय 20-क में परिमाणित है बही पर्य होगा नो उस प्रक्राय वं दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/5630/85-86 जो धक्तूबर 1985 को सहायक ध्रायकर ध्रायक्त निरीक्षण ध्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

सारीख: 21-3-1985

प्रकार बार् 🛭 टी 🚉 एव 🖫 पुरस्कार

बावकर म्हेपीनवन् 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) के बंधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 25 मार्च, 1986

सं ० 37ईई/5626/85-86:--यत मुझे, अतिल कुमार, बायकर बिधिनयस, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हु"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित बाबाद मून्य 1,00,000/- रूठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 102, प्लाट नं० 49, सेक्टर 17, वासी नई बम्बई हैं तथा जो नई बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारों के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (तिरीक्षण) अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रक्तूबर, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का नेव विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का नेव से बाजार स्वार्थ प्रतिका से अधिक है बीर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वादित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बरि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अध्य बास्तियों को विनह आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया ज्ञाना वाहिए था, ज्ञियाने में सुविधा के लिए;

मैंसर्स वर्धमान बिल्डर्स,
 40-41 विणाल शापिंग सेन्टर,
 सर एम० वी० रोड, श्रन्धेरी (ई०),
 बम्बई।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती श्राणा भामवरी,
 के०श्रॉ० स्टील डिपो, जी० टी० रोड,
 मण्डी गोबिन्द गद जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करकी पृत्रीक्त सम्पत्ति के अजन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

ब बत संपरित के वर्जन के संबंध मी कार्ष भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचभा के राजपन में शकासन की तारी के से 45 दिन की जनिश मा तत्सं नंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शविध नाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वापः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोगे।

भ्यक्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, को उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिशावित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस सध्याय में दिया नगा हैं:

ग्रनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/5626/85-86-जो अक्तूबर 85 को प्रहायक आयार आयुक्त निरीक्षण अर्जेन रैंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार, मक्षम प्राधिकारी, सहाय रु श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

अतः श्रव् , उक्त विभिनियम की धारी 269-ग के बनुसरण .कों, वीं पक्त अधिनियम की धारी 269-ण की उपधारा (1) क वधीन, निम्निसिधित व्यक्तिमों, वर्षात् म्रास्त्र

्तारीख: 25~5~·1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

सारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालरः, रुहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना,

पूना, दिनौंक 15 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्रई--37ईई/5627/85 -86:---श्रतः; मुझे, श्रनिल कुमार,

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परवात 'उक्स विधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 103, वर्धमान पार्क प्लाट नं 49, सेक्टर नं 179 बन्हें नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इनसे उपात्रद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजन है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायक तिरीक्षण श्रर्जन रेंग रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1985।

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दर मान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) द बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिख्ता में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई फिसी आय की बाबस, उक्त नियम फे अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/आ
- (स) एरे ी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर गीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अयः. उक्तः आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अॅं, में उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं क्रांित, निम्नलिश्चित व्यक्तिसयों संधित्— मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स, 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर, सर एम० वी० रोड, अन्धेरी (ई), बम्बई।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती सुदर्शन शर्मा, शर्मा लॉज, शास्त्रीनगर, मण्डी गोबिन्द दास, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के रज्जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात्त में हिता। व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किये जा सकी ।

स्यव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/5627/85-86: फ्रीर जो प्रक्तूबर 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

दिनाँक: 25-3-1986

प्ररूप आर्षे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग पूना,

पूना, दिनाँक 24 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई | 3647 | 85-86: -- प्रतः, मुझे, प्रनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000 रु० भ्रौर जिसकी संख्या फ्लॉट नं० 34 सर्वे नं० 9/2 ए, +23 से ए | 2 | 1 श्रनुपम पार्क, को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, कोथस्म पूना →29 है तथा जो पूना में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरोधण श्रक्त रेंज में रिनस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्ररिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदेश के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन विभनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शिमती कल्थाण साबकाराम कुलकर्णी मार्फत डी० डश्ल्यू० करकरे 3/4 फ्लोरानीका ग्रपार्टमेंट 299 श्राफिस तुरनेर रोड, बान्द्रा (डब्ल्यू), बम्बई।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मदन तुलसा राम सलाठी सी०/म्रो० पी० एन० वामी "दर्पण" राजेन्द्र नगर, पूना।

(श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यविक्तयों में से किसी व्यविक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीर र अस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्द अस्मित ब्वारा, अभोहस्ताकारी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/3649/85-86 जो धक्तूबर 85 को महायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-3-1986

नवण भाव^{*}ं डी., एव., एत..-----

बावकर वीधीनवज, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-छ (1) के बचीन क्षत्रना

BICO USUA

कार्याज्य, सहायक वायकर वाय्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 श्रप्रैन, 1986

निर्वेश सं० 37 ईई/3693/85-86:~-अतः मुझे, श्रनिल, कुमार, न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आउन है कि स्थावर सम्बत्त, विश्वका उपित वाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या सी० एस० नं० 1162 सदाशिवपेठ, पूना—30 में है तथा जो पूना में स्थिन है (ग्रौर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजंस्ट्रीकर्त्ता श्रिषकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रिजन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1906 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उव्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उद्यसे क्वने में सुनिधा के सिए; जरि/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती स्थारा प्रकट महीं किया गया किया बाना वाहिए वा, खिपाने में सुविधा कै सिए;

जब जब , उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण को, को , उक्त जीभीनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को जभीक , निम्नुलिखित व्यक्तियों ,, अभित् क—- श्री पी० एन० तपकीर ग्रौर ग्रन्य
 ५०, श्रक्रवार पेठ, पूना।

(ग्रन्तरक)

मैसर्स चौपड़ा एसोसियेट्स,
 1359 मदाशिवपेट, पूना-30।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख के 45 दिन की बंबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (ख) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की शारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

जैसा कि रिगस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/3693/85-86 जो प्रक्तूबर 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनाँक: 28-4-1986

प्रसम बाइ", टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(प) (1) के नभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर गायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजी पूना

पूना, दिनाँक 11 श्रप्रैल 1986

निर्वेश सं० 37ईई/3356/85-86:—यत मुझे, अनिल कुमार, निर्वेश सं० 37ईई/3356/85-86:—यत मुझे, अनिल कुमार, निर्वेश कि पिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार १८९९-इन के अधीन १४४४ प्राधिकारों को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 139 ए, भवानी पे पूना~2 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रक्तूबर, 1985

फी प्वॉक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यात धीनफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्मित का उचित बाजार गून्य, उनके स्थमान प्रतिफल में, एमें स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्ष ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण केलित में अन्तरण में अन्तरण में अन्तरण

- इक्क) बस्तारण से हुई लिसी बाय की बाबत, जनत मधिनियम से अधीत कर बाने में अन्तरक के सामित्स में कनी करमें या तस्मी उचने में स्विधा की दिए; ब्रीर/बा
- (भ) ऐसे किसी बाब या किसी धन ना बन्च बास्तियों की फिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-अर जिल्हें किया, 1957 (1957 का 27) की प्राधिनार्थ करारिती वृकारा भक्त नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा की किए हैं:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (॰) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रो रीखाब चन्द ग्रार० राठौर,
 139 भवानी पेंठ पूना । (ग्रन्नरक)

 श्री जे० एन० श्रोस्वाल श्रीर श्रन्य 149, भवानो पेठ, पुना-2।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी रूरके पूर्वोक्ट सम्परित के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इत ब्रुवना के राज्यका में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की श्वीध या तत्वस्थानी व्यक्तियों प्र क्षूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी संबंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच सं
 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
 किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 निक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो अक्स अधिनिश्य के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/3356/85-86 जो अक्तूबर, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पूना

दिनाँक: 11-4-1986

अरूप बाइ^रे टी. एन., एस_ु------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक बायकर जावूनत (निर्दाक्तक)

ध्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक, 14 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 37ईई/3240/85-86:--यत:, मुझे, अनिल कुमार, कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन-तक्षम प्राधिकारों को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर तक्ष्मि, चित्तका उचित वाकार मुख्य 1,09,000/- स. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या विल्छिंग सी० टी० एस० नं० 6557, प्लाट नं० 126 बी, प्रभास रोड, एरन्डवग्र पूना-4 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर हमस उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख. श्रक्तूवर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दूरियमान प्रतिफस के लिए अन्सरित को नई है और अभे यह विश्वास करने का स्थारण है कि प्रथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफस से, एसे दश्यमान प्रतिफस का पंद्र प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के स्थिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नितिचित उपुरोध्य से उच्छ बंतरण सिचित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुइं कियीं बाय की बावतं, उक्त जिमित्यम के अभीत कार दोने के बंतरक के शामित्य में कामी कारने या उससे बचने में मृत्रिभा के लिए: बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य बास्तियों की विन्हीं भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरक कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री इन्दुताई शंकरराय क्लंक 757/126-बी, प्रभास रोड, पूना-4।

(श्रन्तरक)

 मैसर्स प्रारती श्रदर्स एण्ड कम्पनी राहुल चेम्बर्स कर्न रोड, पूना-4।

(भन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पृत्रोंक्त सम्मत्ति के वर्जन के जिल् क र्यवाहियां करता हो।

इक्त राज्यित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) एत पूजना के द्वाजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी सविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीकत व्यक्तियों में से किन्ती व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्ष्री के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उस्त अभिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होने: को उस अध्याम में दिया सबा है।

भ्रनुसू भी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/3240/85-86:—जो धक्तूबर, 1985 को सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज पूना को दफ्तर में लिखा है।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ृैश्चर्जन रेंज, पूना

दिनौंक: 14-4-1986

प्राक्षपं आहें . टी . एन . एसं ------

नायकर नौभीतयन, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अभीत सचन

भारत तरकार

काशानंब, महाबक वायकर वायुक्त (विरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाँक 30 ग्रप्रैल 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/25283/85-86:-- ग्रन मुझे, प्रशांत राथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, कल्पक हाईटम, बाल्या (प०), बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम की धारा 269 क, ख के श्रधीन गक्षम प्राधिकरी के कार्यालय, बम्बई में रिजिम्ट्री है तारीख 27 सितम्बर, 1986।

को प्रॉक्त संपिति को उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिष्ठल को लिए अंतरित की गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके इष्यमान प्रतिगल से, एसे इष्यमान प्रतिषठल का पन्त्रह शित्रात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (गंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिषठल, निम्नलिखित उद्वष्य से उक्त अंतरण लिखिन में आस्तिषठ रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बलारण से हुई फिली बाय की बायस्, इक्ट बिधिवियुक्त के बधीन कर दोने के बलारक के बावित्य मों कमी करने या उसने बचने मों सुविधा के सिए: और/वा
- (सं) धंसी किसी जाव वा किसी थन वा बन्य वास्तिकी को जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधीनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हनारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना थारहुए था, कियाने वें स्वीवधा से किए;

कल्नक बिल्डर्स एण्ड कोतस्ट्रमधन।

(श्रन्तरक)

 श्रो देविन्द्र सिंह कहाय श्रीर हरविन्दर सिंह कहाय।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के एवएन में प्रकावन की तारीय हैं 45 दिन की अविभि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी वर्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वन्तियों में से किसी स्वीक्त बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म स्थावत इनारा जभोहस्ताक्षरी के शस विचित्त में किस वा वकीने।

अमुसूची

फ्लैट नं० 2, जो दूसरी मंजिल, कल्पक हाईटम, 29~ ए, पेरो काग रोड, बान्द्रा (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रन्भूचो जैमा कि क० सं० अई-2/37ईई/25283/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनाँक 27-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशॉन राय, सक्षम प्राधिकारी, सहाक्ष्य आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंंगें- 2, बस्वई<mark>र</mark>्ह्य

अत: अब, उक्त अिनयम की धारा 269-ग के, अन्मरण कों, मं, शक्त कोधीनयम की धारा 269-थ को उपभारा (1)

कं अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ६---

5 -- 96 GI / 86

दिनाँक : 30~4~1986

the all interests the control of the

and the statement was

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनाँक 40 अप्रैल, 1986

सं० श्रह-2/3.7ईह/2.458.0/85-8.6:--- अन मुझें, प्रशांत, राय ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **परचात्** 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के के अधीन सक्षय पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

थौर जिशको संख्या पनैट नं वोल 41, वीतन प्रोसायमस, बान्द्रा, बम्बईल 50 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है), श्रीर जिस्ता करारनामा श्रायकर श्रिधितियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 9~9~1985

को प्रतिका सम्पत्ति के उषित बाजार मृल्य से कम के वश्यमाम प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृष्य. उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का बन्दा प्रतिकात से बिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय का गया प्रतिकाल, निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण दिश्वत में बाश्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) नंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; बौर/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः वधः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त्र को उपधारा (1) के वधीन, निस्निविश्वत व्यक्तियों, अधीत् : 1. श्री मोम प्रकाण सूरो ।

(अन्तरह)

2. श्रामला पदमा जगदीम पाल मेहरा

(ग्रन्नस्ति।)

3. 親行でで

(वह व्यक्तिः, जिसके श्रिधिभोग में सप्पत्ति है)।

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अकिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस सं 30 विन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्नैट नंऽ वंा 41, जें। क्वीतम प्रोमायमेंन को॰ स्राप-सोमायटो निभिटड, 59, पानी होल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुभुदी जैपा कि० सं० श्रई-2/37ईई/24580/85-86 शौर जो पन्नन पाधि गरो प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाँ ह 9-9~1986 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज⊸, बस्बई

तारोख: 30-4-1986

प्रकल बाइं. टी. एन. एस.

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 30 ग्रप्रैल, 1986

मं० श्रई-2/37ईई/25214/85-86:--- अत मुझे, प्रशाँत राय.

नायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवाद जिस्त नियम कहा गमा है), की भारा 209- स के नधीन सक्षम प्राधिकारी कां, मह विख्याम करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रीर जिनकी संख्या फ्लैट नं 202, कैंग्टन बीला, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिनका करारनामा श्रायकर प्रिधितियम की धारा 269 के, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 27-9-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिवफल के लिए अप्राधित की धार्य ही और मूल यह विश्वम कि ने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल में एमें बच्चमान प्रतिफल का प्राप्त प्रविक्त के प्रयमान प्रतिफल में एमें बच्चमान प्रतिफल का प्राप्त की विषय प्राप्त की किए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप क्ष स का बत नहीं किया गया ही किया

- (क) अन्तरण म शृद्ध किसी अाय की बाबत उक्त जिस्तिसम् के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा मृजिक के लिए, जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रिकान ये स्विभा के सिए;

नतः शव, उनत निधनियम की धारा 269-ग न अन्तरण ते, जे, अच्छ विधिनियम की धारा 269-भ नी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मैसर्स के० भ्रोर० एसोसियेटस।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो किणन दाय भागचन्द सदरंगानी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तारीक से 45 दिन की अनिध, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो, कैंप्टन बोला, माउण्ट भेरी हीज रोड, बान्द्रा, अम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुमूची जैना कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/25314/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 27-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

दिनौंक: 30-4-1986

प्रकल् बाह्यं, द्वी ु ६न , एत् . ------

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-न (1) के न्धीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहस्यक मायकार नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 30 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/25180/85-86--- ग्रतः मुझे, प्रशाँत राय.

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

प्राँग जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, पालम कोर्ट, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इनने उताबद्ध प्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बिणन है), ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-9-1985

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय उच्या गया प्रतिफल, निम्निजिल्कात उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों मधिधा के न्तिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिक्षिः व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री रमेश लक्ष्मण भाई विवोदारीया भ्रौर ग्रन्य।
 (अन्तरक)
- श्री गणण चन्दया हेगड़े ग्रौर श्रीमतो णोभा गणेण हेगड़े

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चार्री करके पृथीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :~

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिंग के भीतर उम्मत स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास अधित में किए का मकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 7, जो, पाचवीं श्रीर छठवीं मंजिल, पा**लम** नववा रोड, श्रत्मोड़ा पार्क, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-2/37ईई/25180/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 24-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणाँत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्र्जेन रेंज∼2, बम्बई

दिनौंक: 30-4-1986

प्ररूप बार्ष.टी.एन.एस.-----

बायकर ब्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, ब#बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० श्रई- 2/37ईई/25160/85- 86-- श्रनः मझे.

प्रगांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रह. में अधिक हैं

ग्रांग जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, कार स्पेप नं० 3, कैप्टन वोला, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थिन है (ग्रौर इसस उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्राथकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्दी है, तारीख 23-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यकान अतिपास को निए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्जास कारने का कारण है कि यथापर्योक्त संपरित का उचित बाजार मन्य बसक दश्यमान प्रतिकल से, एमें दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अर्न्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की, वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे कथने में सविधा के लिए; बार/मा
- (ख) एेसी किसी अग्य या किसी धन , या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात् :---

मैं सर्स कें श्रार० एमोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. श्री किमार कुमार शाम सुन्दर ग्रनजा

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हां।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया है :

अमुस्ची

फ्लैट नं० 201, स्रौरकार पार्किंग स्पेस नं० 3, जो कैप्टन वीला, माउण्ट मेरी हील रोड, बान्द्रा, बम्बई-40050 में स्थित है।

ग्रनुसूचो जैंेेेेेें कि ऋ सं० ग्राई—2/38ईई/25160/85— 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 23-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक: 30~4~1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई दिनाँक 30 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/25030/85~86→-श्रतः मुझे, प्रशांत राय.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्री जिसकी सं० फ्लैट नं० बी~52, ग्रशीयाना, बान्बा (प०), बम्बई~50 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसवाकरारनामा श्रायकर प्रधितियम की धारा 269 वा, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिक्ट्रिट्टी है, लारीख 20~9~1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत :—
मोहर :

 श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता घौर श्रीमती शाँनो देवी गुप्ता

(अन्तरक)

- 2. मैं ० किलॉस्कर इलैंब्ट्रीक कम्पनी लिमिटेड । (अन्तरिती)
- 3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जि.के ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्भाग जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

फ्लैट नं० बी-52, जो पाँचवों मंगिल, श्राशीयाना, मेन्ट जोन वेप्टीस्टा रोष्ट, बान्द्रा (प०), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैना हि क मं० श्रई-2/37ईई/25030/85-86 श्रौर जो नक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनौं ह 20-9-1985 को रिज़िस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौक: 30-4-1986

मोहरः

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयः कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयकत निरीक्षण) ग्रार्जन रेंजें~्र. बम्बई

बम्बर्ड, दिनाँक 30 भ्रप्रैल, 1986

ं न्दिंश मं० ग्रई--2/37ईई/25014/85-86:--ग्रनः मुझे, प्रभानि राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० प्लाट नं० 105, सेन्ट लीथं। रोड, बान्डा बम्बई—50 में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणन है), श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 20—9—1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (रा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उन्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) क जीत. निम्नलिखित मिन्तियों, अर्थात् —

- डा० इसा व्हायबेट गोनजाल्बीय प्रार प्रन्य (अन्तरक)
- 2. मैं भी विभन्न बिल्डर्स !

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रदि होग में समाति है)

4. मैसर्म नवनिर्मित एन्टरद्रईसस ।

(वह ब्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन अभी तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापतः;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर स्थापित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमोन का हिस्पा जिपका प्लाट नं० 105, 16, सेन्ट लोगो रोड, बान्दा, बस्पर्ध-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/25014/85~ 86 और जो पक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिवौंक 20-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी हिन्द अध्यक्ष (निरोक्षण) भ्रजेत रेंजे–2, बम्बई

दिनाँक: 30~4~1986

प्रकृप काई.टी.ए एस. ------

· बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अजी धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, महायक आयकर <mark>काय्क्स (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनाँक 30 अप्रैल 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/24967/85-86:--यन: मुझे, प्रणौन राय.

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी मंख्या पत्रैट नं० 7, करुपक हाईटन, बान्द्रा (प०), वम्बई-50 है स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रो है, तारीख 20~9

क्षा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है

भार स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त राज्यात्स का उचित बाजार मृख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के शिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त बन्त-रण लिखित में बास्तैविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भएरतीय नाथ-कर विभिनियम, 1922 (197 का १४) एं उक्त अधिनियम, या अन-कर विधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में मुनिधा वै लिए।

बत: अब उन्ति अधिनियम की धारा 269-न स अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीत, निभ्नीनिश्चित व्यक्तियों, अधारा :---- मनसूर ग्रहमद मोद्योको, मक्तमूद श्रहमद निद्योका, सँयद ग्रहमद साद्याका त्रीर श्रीमता जैब्नोणा साद्यीका

(अन्तरक)

2. मैंसर्स बिल्डर्स ग्रीर कोनट्रक्टरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीख भ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 7, जो सानवो मंजिल, कल्पक हाईटस, 29-ए, पैरी कोस रोष्ट, बान्द्रा (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई- 2/37ईई/24967,85-86 और जो सक्षम प्राधि तारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 20-9-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजेंें -2, बम्बई

विनौक: 30-4-1986

प्रकृष नाइं.टी.एन.एस.-----

भागभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घरा 269-व (1) के अभीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर शायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग-2, **बम्बई** बम्ब्ई, दिनाँक 30 श्वर्ष**ल** 1986

निर्देश सं० घई--2/37ईई/24517/85--86:---धतः मुझे, प्रशति राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारक है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित दाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी संख्या फ्रीट नं अ 102, क्षीती ज, बान्द्रा, बस्वई-50 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायह प्रमुद्धी में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायकर ग्रिधि-नियम की धारा 259 क, ख के ग्राप्टीन मक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बस्बई में रिकस्ट्री है, क्षारीख 17-19-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्र्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की वर्ष है और मृभे यह विश्वास अरोक का कारण है कि ध्याप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्रयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंदह अतिकत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरित (अन्तरितियों) के बीद एसे कन्तरण के लिए तम पाया भ्या प्रतिकल का कि निर्मा का स्थान का स्थान का स्थान स्थान का स्थान स्थान का स्थान से किए तम पाया भ्या प्रतिक का स्थान नहीं किया गया है :---

- (का) कम्सरण सं शुक्ष दिल्ली काथ की शक्त हुआ क्षान्य के बचीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने वा उत्तर्ध वजने में नृधिभा के लिए; जीर/या
- (ख) एसी किसी बाय का फिसी धर या अन्य जातिश्वीं कार्र जिल्हां स्टानिंग अध्य कार्य प्रांचीत्राय १९८२ (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या एक कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रशेषनार्थं जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से समिया के लिए;

बतः बच, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण मॅं, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मंं क्रिकीन विश्वतिक्षित का सित्यों, पंति :— 6--96 GI/86 मैनुमी न्दराज कार्यक्षिता।

(अन्तरक)

 श्री हर्गणनाल के० मनाज्याला, श्रीमती मोता एव० मनाकताला, श्रीर श्रीमती नाराबाई के० मनाकताला

(श्रन्तिरती)

को ग्रह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (रा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्यप्रश्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है,

नन्स्यी

प्नैट नं० 102, जो दनवीं मंजिल, धीर्तीज सी० टी० एन० नं० 566-569, होल गोड, बान्द्रा, बम्बई—400050 में स्थित है।

शनुपूर्वा जैना किक गं० अई ·2/37ईई/24917/85~ 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वमाई द्वारा दिना क 17~9~ 1985 को रिनस्टई निया गया है।

> प्रशाँत राय, सक्षम प्राधिकारी महायक शाय हर स्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~ 2, बम्बई

दिनाक: 30-4-1938

प्रस्था नाइं<u>.</u> टी. **एत**. **एस**. ----

बायुकर बांधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (भिश्विक्षण) शर्यन रें स-2 वस्बई

बम्बई दिनांक 30 अप्रैल, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/ 24884/85-86—-श्रत मूझे प्रशांत राय

कायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिसं इसकें इसकें पश्चाश (अक्त अधिनियम' कहा थया हैं), की भारा 269-अ क अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं एक स्थानर सम्पत्ति, जिसका अचित आजार मृत्य छ . 1,00,000/- सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, ले-पापेयोन, बांद्रा (प), बस्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनमुची में श्रीर पूर्णेच्य से विजत है), श्रीर जिसका अपारनासा अध्यक्षर श्रीधितयम, की धारा 269 के, ज के श्रमीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री इत है तारीख 17-9-1985

को प्रविवस संपत्ति के उभित नाजार मृत्य से कम के स्थमान श्रीसफल के लिए अन्तरिस की गई ए बार म्फे यह विस्वास करने का कारण है कि येथापूर्विवस संपतिन का उभित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान गितफल से एसे रश्यमान प्रतिफस का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया वितफल निम्निसिता उद्देश्य से उक्त बंतरण सिकित में शास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुंड किसी आय की बाधस, अक्त अरिएनिया के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिन्य में क्सी करने या उससे उच्चे में सुविधा है सिक्ट और/या
- (क्ष) होती किनी अल्प या जिसी क्षत्र या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय अपय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का !1) या उत्रत अधिनियम, पा धाकर बिधिनियम, पा धाकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्ष अन्तरिर्ण व्याप प्रकट नहीं किया गया था वा किया अपना पानिया आना पानिया आना पानिया आना पानिया के तिए;

कतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के वन्सरण को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिशित व्यक्तियों, वधीत हि—-

(1) मौसर्स कैलाण व न्द्रक्शन कं०।

(यवसरकः)

(2) श्रीमति भारती एक गोस्वामी ग्रौर श्री ललित के गोस्वामी।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप उ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 बिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कादितयों में से किसी कावित द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाष्ट निश्चित में किए जा सकें ने।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और नवां का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिया। वसा है।

बन्स्ची

प्लॅंट नं० 2, जो 13वीं मंजिल, ले-पापेयोन, माउण्ट मेरी, रोड, बांद्रा (प०), बम्बई-50 में स्थित हैं।

ग्रन्भुची जैसा कि त्र० सं० श्रई-2/37ईई/ 24884/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनॉक 17-9-85 को रजिल्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिः।री सहायक क्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 30-4-1986

प्ररूप् बार्ड ्टी.एन. एस .======

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>रीक्षण)</u> ग्रर्जन रें त-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/24876/85-86—-ग्रत: म्हो, प्रशांत राय,

कांगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, 11, बेन्डा मेरीयम भौसाइटी बांटा, बम्बई-50 है तथा जो बम्बई में िशत है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा क्राय कर ऋधिनियम की धारा 269 क, ज के अपधीन सन्नम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 6-9-85 को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल दश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अरिषक ≓ और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उनुदोरय से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आग की बानता, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण भो. मी उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमति मरियम हसन भाया ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शेक्ष शबीर अभीर।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरका

(बह व्यक्ति, जिसके क्राधकोग में सम्पत्ति है) ।

की ग्रह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां घुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में गिरभाषित है, वहीं अर्थ हागर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

पलैट नं० 10 और 11, जो 3री मंजिल, बेन्ड्रा मरीयम को०-प्राप्त हाउलिंग भोपाइटी जि०, 92 चेपल रोड, क्रांद्रा बम्बई-50 में ल्यित है।

श्रम्मूची नैसा ि कि बंब आई-2/37ईई/24876/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राप्ति ारी, बश्वइ द्वारा विनांः 16-9-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्रधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, **बम्बई**

सारीन्छ 30-4-1986 मोहर प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्चना

भारत सारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रत्तेन रें प्रम्बई

बम्बई, दिनां 5/30 अप्रैल, 1986

निदेश सं० छ*६-2/37ईई/?4711/85-86-- श्र*त: *पूसे,* भणांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संव फ्लंट नंव 4 सीव विग्वान्ती स्रपार्टमेंट बादा बम्बई-50 में कित है (स्रीर इन्ते उपादाः स्रम्मुची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीलति श्रधि तरी के वार्णलय, बदाई में रजिस्ट्री है। तारीख 13-9-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के क्यामान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे बव्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-शिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया शितफल, निम्मिलिखत उद्देश्य से उन्न धंतरण बिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त सिंध-नियम के बंधीन कार वंगे के अंतरक के सायित्व में कभी करने ना उसते बचने में सुनिशा के सिए; बॉर/वा
- (च) इसी किसी भाव या किसी धन वा अन्त ब्रास्तियाँ को जिन्हों भारतीय वागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त ब्रीधीनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं बंतरिती द्वारा अकट नहीं किया नया था या किया वामा पाहिए था, छिपानं में स्विधा के किया;

बर्धः कव, उक्त श्रीधनियम स्त्रौ भारा 269-र सं अकृषरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित स्यक्तियों, अथित :---

- (1) श्री ए० एन० जनर्जी, रीना बनर्जी, श्रीती बनर्जी, (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ श्रीमति कुमुददीनां घाटके, गीतांकिश घाटके श्रीर दिशि घाटके।

(४ स्तरिती)

(3) अन्तिग्ति।

(बहुव्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) मेसर्स वान्ति खिल्ड में प्राठ लिंठ।
(वह व्यक्ति, फिसके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानसा है वि वह सम्बन्धि में हिनवछ है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अनीकिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , घो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाण सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों जीर वयों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही जथे होगा को उस अध्याय में विकासका ही।

बगुस्फी

पलेट नं० 4, को, 13 वी पीकिस, की विग, कान्ती स्रणार्टमैंट माउल्ट, मेरी, रोड, बांदा, बभ्बई-50 में स्थित है।

श्रान्स्ची जैसा कि घ० ग० छई-2/37ईई/24711/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधि गरी, बस्बई ब्राप्स दिनां के 13-9-85 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, बस्बई

हारीय 30-4-1986 मोहर प्ररूप वार्ष. टी. एन. एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज-2 बम्बई

बम्बई- दिनांत 30 ग्रप्रैल, 1986

निदेश सं० श्रर्ह-2/37ईई/ 24373/85-86- - अत मुझे, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी गं० पलेट नं० 3, नवरोज, श्रपाटहुमेंट, ब्रांदा-50 में स्थित है (श्रीर इनसे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर जिसका करारनामा श्रायद्धर श्रिधिनियम, की धारा 269 ख के के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्त्रई में रिजिस्ट्रो है तारीख 3-19-185 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के जिए तब पावा गया प्रतिफल निम्नितिचित स्ववेष से अवत द्वरण सिचत में वास्तिक हम से कि चित्र महीं कि वा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्तिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) फील्दा द्रम्ट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित मीमा एच० सेहगल

(ग्रन्तरिती)

(3) फ्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में सम्पत्ति है) t)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्भ्या अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा धकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त गुरुषो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया गण हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3. जो ा लि यंजिल, नवरोज, श्र**पार्टमैंट**, 66, पाली हिल रोड, क्रांदा, बस्बई 400050मों स्थित **है**।

ग्रनुक्ची जैसा कि कि नं ग्रई-2/37ईई/24373/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधितारी, बस्बई द्वारा दिनांक 3-9-86 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहाया ६ श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई

सारी**क**: 30-4-1986

प्ररूप आर्घे.टी.एन.एस.-------नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भागः 269 ष (1) के अधीन सूचना

REAL PLANS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनौंक 30 श्रप्रैल 1986

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/24366/85-86--श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त मिनियम'क हा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका स्वित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7 श्रीर 8, देवंग श्रपार्टमेंट, बान्त्रा (प), बस्वई - 50 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनौंक 3-9-1985,

की पूर्वेशित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के धरमान वितिष्ण के सिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके धरमान प्रतिष्ण से एसे धरमान प्रतिष्ण का पन्त्रह प्रविक्त से बीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अक्तरितियों) के बीध ऐसे वन्तरण के निए तय पाया प्रवा प्रतिष्ण , निम्निसित उद्विध्य से उच्त अन्तरण लिखित भे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष

- (क) बन्तरण से हुई किसी शांव की बावत , उसस वीधीनयम के बधीन कर कोने के बन्तरक कें बारियक्त में कमी करने मा उससे सचने में ब्रीविधा के किया: बीजर्/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या कस्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया साथ भारहर था, जिनाने के सुविधा भी सिए;

अतः अव, अक्त कीभिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण भा, मी उबत कीभिनियम की भारा 269-थ की उपभाषा (1) क्षेत्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्रमींग् :— (1) एम० एम० एण्टरप्रायसेल

(श्रन्तरक)

(2) श्री लतेन भानचन्द्र गर्गारया

(अन्।रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत वस्पतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जविभ या तत्स्वें भी क्षितिवारों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्षित्वों में से किसी क्षित द्वारा;
- (च) इत सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पन्स सिचित में किए जा सकेमं।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगसभी

फ्लैट नं० 7 और 8, जो देवंग अपार्टमेंट, प्लोट नं० 359, टी० पी० ए.ग० 3, बान्द्रा (प). बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रानुभूको जैना करु मंद्र श्राई-2/37ई $\$/24366/85\cdot 86$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन्। $6.3-9\cdot 1985$ को रिजस्टिश किया गया है।

प्रशॉन राय सक्षम प्राधिकारी सहायक्त स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक : 30-4-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के जभीन स्वना

त्रांस्य प्रस्कर

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (रिगरीक्रण)

ग्रर्जन रेंत-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 30 ग्रप्रैल 1986

निदेण सं० ग्रई⊶2/37ईई/24356/85-86 --श्रतः मुझे, प्रणॉत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अवस अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उजित वाजार कृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्की मं० फ्लैट मं० जी -1, विश्विर सोनायटी, बान्द्रा, बन्द्रई -50 में स्थित है (श्रीर इनसे उनाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से बिला है है), श्रीर विश्वा करारतामा श्रायकर अधिनियम की धारा 200 हवा के श्रीने तक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्त्रई में रजिस्ही है, दिनांक 2-9-1985,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के द्रियमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह निर्वात अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित नाजार कृत्व. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे बन्तरण के सिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उस्व से अपन कन्तरण निवित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है के

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी माम की आवट, अक्छ प्रीभिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक की ग्रीमरण में क्यी काने या उससे क्यारे के प्रीयक्ष के निष्; बार गा/
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी बन या कन्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विक्त के लिए;

अतः वयः, उपतः अधिनियम की धारा 269-म के अन्तरण में, में ज्वन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थास् :-- (1) श्रीमर्ता जोन गाँटीय

(अन्तरक)

(2) श्री जेराई रेगी और श्री कीस्टोफर रेगी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह इयक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को नह भूषना आही कड़के पूर्वोक्त अंपरित के वर्षन के किछ कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के ग्रंबंभ में कोई भी बार्श्वर :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच है 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यता की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति वाद में सभाष्य होती हो, के भीवर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (च) इस सुभना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के योज निवित यों किए वा सकारी।

स्वच्यीकरण:--इसमें प्रवृक्त सन्यों और पदों का, थी जन्त विधिनियम के नम्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा है उठ नभ्याय में दिवा नमा है

अनुसूची

प्लैंट नं० जी-1, जो तल मंजिल, वींडमेर को भ्राप० हाउभिंग मोशायटी लिमिटेड, बैंगमी जीजीभोय रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुनूची जैमा ऋ० सं० ऋई-2/37ईई/24356/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 2~9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक : 30-4-1986

प्रारूप वार्षः टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 भ्रप्रैल 1986

निदेश सं० अर्ह $\cdot 2/37$ ईई/24321/85-86 \rightarrow -अर्तः मुझे, प्रशाँत राय,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, सोमरमेट-ए, बान्द्रा, बम्बर्ड में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड़ श्रनुभूवी में ग्रीर पूर्णरूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधितियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रिजस्ट्री हैं, दिनौंक 2-9-1985,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में कास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, हैं, इक्त अधिनियम की भारा 269-ते की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रोमतो नानकी भजननाल लूंद ।

(अन्तरक)

(2) दी इंग्लीश इलैक्ट्रिक कम्पनी स्नाफ इण्डिया लिभिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्रायसयों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यटीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पत्रैट नं० 1, जो चंायी मंजिल, सोमरसेट-ए, पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई में स्थित हैं।

सनुभूकी जैजा का सं० सई--2/37ईई/24321/85-86 सीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 2-9 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायंक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक : 30-4-1986

प्रकप आर्च . टी . एन . एस . -------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, सम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 भ्रप्रैल 1986

निदेश सं० ऋई- 2/37ईई/24308/85-86-- श्रनः मुझे, प्रणौत राय.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 43, गो-नीधी सोमायटी, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 2-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए बन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत सं, एसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में भास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है मन्न

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत.. उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (६) एसा किसी जाय या किसी धन जन्य जास्तियों स्व विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर जीधिनियम, या धन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा स्व सिए:

बत: व्या, अवत विभिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त व्यक्तियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ब्रिधीन: निम्मितिसित स्थित्वर्यों कथित :—— 7—96 GI/86 (1) श्रीमती राधा टो० भावंत

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोना टी० उदेरानी, मास्टर भारत कुमार उदेरानी श्रीर मास्टर घदीप कुमार उदेरानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थितत ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, दो उक्त विभिन्नियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया मदा है।

अनुसूची

फ्लैट नं 43, जो गो० नोधो को० स्राप० हाउसिंग मोनायटी लिमिटेड, 10 होल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैंग क० सं० ग्रई-2/37ईई/24308/85- 86 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, तस्बई द्वारा दिनां क 2-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय मक्षम प्राधि हारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (तिरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्सई

दिनांक : 30-4-1986

सोहर्:

प्रकप आई.टी एन.एस.-----

भाग-हर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निदेण सं० श्रई-2/37ईई/25109/85-86--अतः मुझे, प्रशांस राय,

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्थायर संपरित जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट सं० 101, लीला कुंज, खार, बम्बई— 52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधितयम की धारा 269कख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 20-9-1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुच, उसके दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह आप समान प्रतिफल का पंत्रह आप स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्थां कि एप से कार्यत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुर्क्ष किसी जाय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आधित्यों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो अकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सर्विता के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियित स्पिन्तयों, अधीन, निम्नलियित स्पिन्तयों,

- (1) श्री रमेण कुमार ाारायनदास वजीर (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्राइन्द्र कुमार चंद्रोक (ग्रन्तरिती)
- (3) दी इंडिया वेगोडल्य एण्ड केमीकल्स को० (बह व्यक्तिं जिलके श्रिधिमोर्ग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षीहरा करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गामप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसब्ब्क किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कीधिनियम, को अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 101 जो लीजाकुंज कोरनोर श्राफ तेरहवा और पंधरता रोड खार, बम्बई-400052 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/25109/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रिक्स्टर्ड िया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राप्तकर ग्राप्तुकर (निरीक्षण) ग्राजंत रेंब-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रंल 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/24975/85-86--श्रतः मुझे, प्रशांत राम,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस प्रकात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार हि। जो से से से से से से से प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का शां कारण है कि प्रधाप्तिकत संपत्ति का उनित बाबार मून्य, 1.(0,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 602, नील प्रपार्टमेंट, खार, बम्बई—52 में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधित्यिम की धारा 269कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री, दिनांक 20—9—1985

म् स्थ , पसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के शितफल , निम्नसिश्वास उद्देश्यों से उक्क अम्तरण पिकिम (अन्करितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

को गुर्वे क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रिकृति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करें ना कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख्रा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की क्षारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेनर्स रूबी एण्टरप्रायसेस

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रदयम्त जनार्दन

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ**क्षेप**:---

45 विन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

''फ्लैंट सं० 602, जो छठवीं मंजिल, नील प्रपार्टमेंट, दसवा रोड खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा क० सं० म्पर्इ-2/37ईई/24975/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्ब**र्ड**

दिनांक : 30-4-1986

मोहर 🖫

इसम बाइ ुद्धाः एव , एव , ७ - - ----

थावकर निधितियव, 1961 (1961 को 43) की बाद्य 269-व (1) के संधीत स्वता

साउत सहस्रह

भार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निदेण सं० श्रई-2/37ईई/24942/85-86--श्रतः मुझे, प्रशतंत राय,

कायधर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चान उसत अधिनियम कहा नवा हैं), की भारा 2/69-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाचार मृत्व 1,09,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० प्रीमायसेम सं० 1, विजय-राज, खार, बम्बई—52 में स्थित है (और इपने उरावद्ध अनुसूची में ऑर पूर्ण कृप से विजित है), और जिपका करारतामा प्रायकर अधितियम की धारा 269कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 20-9-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्व, उद्देख क्ष्यमान प्रतिफल से, ए'से क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह शिवक्ष से अपिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितिशां) के बीच ए'सं बन्तरण के लिए तथ पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (का) जन्तरण वेह्इं जिल्ही जाय की बाबत, उथत विभिन्निक के अभीन कर दोने के जन्तरक के ब्राधित्व में क्वी करने वा उत्तर्ध वथने में मुविधा के लिए बार/वा
- (ख) इसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरितयों को, विमह भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना वाहिए था कियाने में स्विधा के विकाह;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेनर्स निजय-राज एण्ड एसोसिएटस (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कथ्याप लालभाई ग्राह (एथ० यू० एफ०), श्री मूरारी मीनम (एच० यू० एफ०) और अंकीत मूरारी मूनीम (अंतरिती)

को बहु सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निए कार्ववाहियां कुरू करता हूं।

उपत सम्पृतित के वर्षन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजयम में प्रकाशन की धारीय स 45 दिन की जनिथ या तत्सरजन्भी क्यन्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की खरतेथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस में 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-शब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्याय प्रधान्त्रताकारी के पास विविध में किस वा सकोंने।

स्वक्दीकरण — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के वश्माय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं क्यें होगा, को उस वश्याय में विदश क्या हैं।

बगृजुनी

"प्रीमायसेय मं० 1, जो तल मंजिल, विजय-राज, प्लोट मं० 288, नथवां रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित हैं

श्रनुमूची जैसा ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/24942/85-86 और जो सक्षम श्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.------

भागभार विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के बभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रजैल 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/24899/85-86--- अतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- २५. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लट सं० 201, स्वस्तिक विला, खार, बम्बई 52 में स्थित हैं (और इपने उपाबद्ध प्रनसूची में और पूर्ण-रूप में विणित हैं) आए जिनका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 17-9-1985,

कर प्रबंदित सम्पत्ति को जियत बाजार मृश्य से कम को करवजान गतिफल को जिए बन्सरित की नदें है और मृत्रे यह विवधाध करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित काजार बृश्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे क्यममान प्रतिफल का ज्लाइ प्रतिकृत से विधिक है और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- मेक) बन्दरण से हुई किसी आयं की बावक, उन्ध विभिनियत के बसीन कर योगे के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उत्तते बदमें में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एमी किसी बाए वा किसी थन या बन्ध बास्तियों की, चिन्हें भारतीय बायकर बीधनिवय, 1922 (192? की 11) वा उक्त बीधनिवय या धनकर बीधनिवय या धनकर बीधनिवय, 1957 (1957 की 27) के प्रयोचनार्थ जन्तिरती ब्वारों प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना चाहिए वा, कियाने में श्रीवधा के सिष्ट्रं

(1) मेर्स गणा दरटेर: ।

(भ्रन्तरक)

(2) रेखा किशीन लीगानी ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना कारी करकं वृत्रावश संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विव को बर्बाप या तत्सम्बन्धी न्याभत्तया पर भूषनः की तामील से 30 विन की बर्बाप, वां भी बर्बाप बाद में समाप्त होती हा, अं भीतर वृत्रीक्त न्यवित्रयों में किसी न्यवित्र द्वारा;
- (सं) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त न्याकर सम्पान मा दिल-वद्भ किसी जन्म स्थानित द्वारा, अपोहस्ताकारों से पास किसी तो किस का नका म

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उनके कथिनियम, के अन्याम 20-क में प्रिमाणिक हैं, वहीं नर्थ होंगा जो उस अभ्याम में दिया गया है।

नन्स्की

"फ्लेट सं० 201, जो दूसरी मंजिल, स्वस्तिक विला, सोलहवां रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा क० सं० श्रई-2/37ईई/24899/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 17--9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भजन रेंज-2, बम्बई

जत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबित स्वित्तियों, अधीत्:—

दिनांक : 30-4-1986

क्ष्मच नाइ.डी.एन.एस.-----

सायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

भारत तरकाश

कार्याजय, बहायक वायक वायुग्त (निर्शालन)

श्चर्जन रेंज-2. बम्बई बम्बई, दिनांक 30 श्वप्रैल 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/24873/85-86--श्रत: मुझे, प्रशांत राय.

भावक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाकार जून्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० अध्न बंगलो, एस० ह्वी० रोड, खार बम्बई52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्णरूप
से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायका श्रधिनियम की
धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय, बग्बई
में रजिस्ट्री है, दिनांक 16-9-1985,

को पूर्णोक्त सम्मित के उणित बाजार मृज्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृज्य, इसके स्वयमान प्रतिफल के एते स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तब पाया नवा प्रतिफल निम्नितिकित उद्वेष्य से उक्त बंतरण किकित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वहा है —

- (क.) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) भ्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री ग्रहन ग्राय० लाखीया

(प्रन्तरक)

(2) मेसर्स एम० के० वन्स्ट्रक्शन को०

(अन्तरिती)

(3) अन्सरक

(बह व्यक्ति, जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिए कार्यवाहियां कड़ता हूं ।

उक्त संपर्तित के वर्णन के सम्बन्ध में कीर् भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की शर्मीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में संशाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड स्थितयों में से किसी स्थानत इंगारा;
- (ब) इब स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बहुभ किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

लच्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विविद्यन के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया गवा ही।

"ग्रहन वंगलो, जो प्लोट सं० 115 एस० ह्वी० **रोड**, खार बम्बई-40005? में स्थिस हैं ।

श्रनुसुची जैसा 50 सं0 श्र2/2/37 है 2/2/37 है 2/2/37 श्रीर जो सक्षम प्राधि भारी, बम्ब है द्वारा दिनां 1/6-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-2, बग्बई

दिनांक: 30-4-1986

प्रस्थ कार्य हो एत. एव - - -

শাধकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनावः 30 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/24858/85-86-86-अत: म्हे प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 13) ते पन इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हो. की धारत 269-ख के अधीन सक्षमे प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर मम्पत्ति. जिसका उचित शासार मृख्य 1.00,000/- रा. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 501 विशाल सोतू श्रीमायसेस खार बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्भुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसता गरारनामा श्रायदार श्रीध-नियम की धारा 269 कस के श्रधीत सक्षम श्रीधिकारी के कार्यात्रय, ब'बई में रिजिस्ट्री है, दिनौं 16-9-1985,

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित को गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बच्य, उसके इश्यमान प्रतिफल म एसं इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रक प्राप्तिक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निक्निसित उद्देश्य से उसके बम्तरण निकास में वास्तरिक कप से क्षित नहीं किया गया है

- (का) अस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त समितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अ ग्रासित्य में असी करते या समय समने में स्वीत्रका के सिए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ता, जिन्हों भागतीय आध-कर और शेनवम, १५५० (1922 की 11) या जकत अध्यानयम, ता प्रतिकार अधिनयम, ता प्रतिकार अधिनयम, ता प्रतिकार अधिनयम, ता प्रतिकार अधिनयम, ता प्रतिकार विकास अधिनयम, ता प्रतिकार प्रतिकार अधिनयम, विकास विका

सत: अस, उदल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं⊤, माँ २ कर अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अर्थं निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्री राजकुमार कोट्मल शेवानी

(अन्तरक्र)

(2) नरेण केशवदास सैनार्न।

(ग्रनारिती)

(3) श्रन्तरिती

(बह व्यक्ति शिसके श्रीधक्षोग में सम्पत्ति है)

का यह स्वता जारी कारके पृष्ठीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उपन सम्पोधन के अजन के सम्बन्ध में कीष्ट भी काम्लेप :---

- (क) इस स्थता के राज्यत्र में प्रकाशन को ताराश के 45 विन की गविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील के 30 दिन की अविभ, को भी गविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

प्रवृक्त शक्द और पर्दों का, **भो उक्त** अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक को लगा वस अपन्य का उक्त का उक्त का का उक्त का स्थाप का उक्त का स्थाप का उक्त का स्थाप का उक्त का स्थाप का स्

अनुसूची

प्लेड नं० 501, जो पाचत्री मंजील, 713/ए, बाराह्रवा रोड, विशाल सोनू प्रीमायसेस को० आंप० सोसायटी लि० खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

श्रतुमुची जसा कि ऋ०सं० ग्रई-2/37ईई/24858/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ाटा दिनांका 16-9-1985 को रिजस्टई दिया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-2 बस्बई

तारीख: 30-4-86

ग्ररूप बाह^र. टी २० एत. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

मारत एरकार

कार्यालय, महायक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनांक 30 श्चर्येल 1986 निदेश सं० श्चर्य-2/37ईई/24746/85-86--श्चतः मुझे,

प्रशास राय,

शावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात उनत निभिनियम कहा गया है), की भार 269-क जो सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट सं० 502. नील श्रपार्टमेंट खार, बम्बई— 52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है). श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है. दिनांक 13-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एग्से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एग्से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वाश्य सी उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर प्रति के जन्मरक अ दायित्व में कभी करने या पससे बचने से मुविध अस्तिम अपरोटा
- (॥) एसी किसी अब या किसी धन या जन कर्तन्तिय क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का एटें) अधिनियम, 1957 (1957 का एटें) अधिनियम, विकास अस्तिरिती देवारा १ वर्ट नहीं किया जाना चाहिए था। विवास हो यक्तिरें के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखत व्यक्तयों, अर्थात :— (1) मेनर्ग रूबी एन्ट रप्रायसेस ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रोमती प्रीती उमेग रोवलानी श्रौर श्री सुनीत अन्याताल रोवलानी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सबध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसत बीधनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

"क्तैट सं० 502, तो चौथी गंतित, तील ग्र<mark>पार्टमेंट, दसवां</mark> रोड खार ब बई-400052 तें स्थित है ।

अनुमुनी नैना क० मं० अई-2/37ईई/24746/85-86 और नो नक्षन प्राधिकारी, ब वई द्वारा दिनौंक 13-9-1985 को रजिस्टई किया गया है

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायदा ग्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रॉज-2, बम्बई

दिनांबः 30-4-1986

प्रशांत राय,

राजस्टी है, दिनाक

प्रकृत नार्वा हो पुरस्त प्रकृत सामाना

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1), के अधीन सूत्रना

ब्राह्म श्रीकार

कार्यासन, सहायक वानकर वास्कत (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 30 अप्रेंग 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/24651/85-86--अतः मुझे,

भावकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करके का कारम है कि स्थानर सम्मृतित, पिस्का उच्चित् वासांह सुस्थ

1,00,000/- कि. से माप्तिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 5, राधा निवास, खार बम्बई-52
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
बाजत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा
269कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में

9-9-1985,

का पूर्वीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहतमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझा यह विश्वास करने का कारन हूं कि यथापूर्वोक्त सम्मन्ति का सचित बाबार मूक्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए सम्पाया भया प्रतिकृत, निम्निसिचित स्वयंस्यों से जन्तरण मृत्रहण निम्निच में बास्तिकृत से से किंचित नहीं किया गया है

- (ंक) अन्तरण से हुई किसी शाय की सायतः, उक्त अभिनियमं तो स्थीन कर दोने के जम्सरक के दार्टिय्य में कमी करने वा उससे रूपने में सुविधा को किए; सर्दिशा
- (६) २ स किसी बाब या किसी धन या कन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीराजन श्रार० गेरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रमर आर० गेरा श्रीर श्रीमती प्रेमा ए० गेरा (श्रन्तरिती)

को बह सुबना आही करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई (t)

उनत सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुमना के एकपण में प्रकाशन की तारीय है, 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पृष्ट सुमना की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी अवधि नाम में समान्य होती हो, के बीतह ब्योजक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पृथाक;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्किन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दिकरणं :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिमा सवा है।

अनुसुची

"पर्लंट सं० 5, जो पाचवीं मंजिल, राघा निवास, प्लोट नं० 718/2, खार पाली रोड, खार टेलीफोन एक्सचेंज के सामने, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ऋ० सं० अई-2/37ईई/24651/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-9-1985 को रजिल्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक **शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** शर्जन र्रेज-2, **बग्बई**

हिां : 30-4-1986 भोहर : मस्य बार्च - व्हें - एक् - व्हें - - + = - **

बावकार निर्धाननम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ए (1) के अभीत सुमना

भारत सरकार

व्यवस्थित, ब्रह्मयक भावकर मानुकत (निरक्षिण)

प्रजॅन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 मत्रल 1986

निर्देण सं० श्रई-2/37ईई/24614/85-86--श्रत: मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैंट सं० 42, सरस्वती खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है विनांक 9-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास का कारण है कि समाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृष्ट्रिय से उक्त अन्तरण लिसिता में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त भरितियम को अधीन कर कोचे के अन्तरक को दाविल्थ में कमी करने या ज्यक्ते प्रकृत के अस्तिका के विल्
- (क) ध्रेसी िनती बाय या किसी धन वा अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर गिरिन्स, 1977 (1932 एए 11) या उपला ऑक्सीनगम, गा एक-कर पिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुबारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में मुशिशा व्ये नित्रा;

करा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिमित व्यक्तियों, अधित :— (1) श्री देवकुमार दीनानाथ रमानी और श्री मुकेश दीनानाथ रमानी

THE REPORT OF THE PROPERTY OF

(श्रन्तरक

(2) श्री मुरेश हिरानन्द रोहीरा, श्री जेयानन्द रोहीरा और श्रीमती समाजवाई चन्द्रमल रोहीरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कहि भी वाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध वा तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति थों औ धविष वाद में समाप्त होती हो, में भीतर प्रोंक्ट स्वित्यों में से किसी स्वक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध क्यदिन द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

"पर्लोट सं० 42 जो चौथी मंजिल सरस्वती, चौदहवां रोड खार बम्बई-400052 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/24614/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ध्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 30-4-1986

प्रकल् कार्यः टी... एत . प्रवतन

नावभार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 वस्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैत 1986

निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/24613/85-86-**-**श्रतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 41 रारस्वती खार, बश्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ब्रानुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारनामा ब्रायकर अधिनियम की धारा 269कख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी के नायनिय बश्बई. में रिजिस्ट्री है, दिनांक 9-9-1985.

को प्रॉक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृज्य मं कम कं दश्यमान शितिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण हैं कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के मन्द्रह प्रतिगत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के सीच एसे अन्तर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, भिम्नेलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिवित से अस्तिक रूप से स्थित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण डंहुइं किटी बाय की वाबत, डाक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उत्तर देखने में मृतिधा में लिए। मौर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अक्षः अब. उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कमला दीनानाथ रमानी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री लाल हीरानन्द रोहीरा, श्री हीरानन्द **चन्द्रमल** रोहीरा और पुष्पा हीरानन्द रोहीरा। (ग्रन्तरिती)
- (3) मेलर्स विजय एसोणिएट्स (वह व्यक्ति जिसके बारे म प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह तूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के वर्षन के विष कार्यनाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप:-(क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी
अविधि बाद में समाप्त होती होने, के भीतर पूर्वेक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सिस में किसे या सकती।

रकादिकारण '---रणानी प्रज्ञास जायों जोर गद्दों बना, जो उन्हर्स अधिनियम क अध्याद १००० ए परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मी दिया स्या है।

धनुसूची

"प्लट सं० 41, जो चोथी मंत्रिया ल $^{-2}$ वती चौदवा रोष्ट, खार, वस्प्रई-400052 म स्थित है ।

अनुभूची जैंना क० सं अई-2/37ईई/24613/85-86 आर जो सक्षम प्राधिकारी, वनाई द्वारा ितंक 9-9-1985 को रिजय्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राम संजन प्राप्ति हारी प्रजासक प्राप्त हरु आन्युक्त (किरी**क्षण**), श्रुजेंस रेंगे -2, वस्सई

दिनाया: 30-d--1985

माहर :

म्बन बार्ड के दीन पुन्न पुन्न वानावारकार

श्रीयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पोर्टी 269-ए (1) के अभीन स्थान

TIES SERVE

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (तिरक्षिक) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं॰ ऋई-2/37ईई/24327/85-86-- शत: मुझे, प्रशांत राय,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परक्षित् 'उक्त म्थिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-र के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वस्य करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से मिथक है

और िसकी सं० फ्लैंट सं० 16, यूनियन पार्व, खार, बम्बई में स्थि है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्णक्ष से विणित है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-9-1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफार के सिए जन्तरित की गई है जौर मफे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य लसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन रण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अच्चारण से हुए किसी बाय की बायत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के समित्व में कभी करने वा उससे अधने में सुविधा के सिहा; बीड/का
- (क) एसी किसी भाव या किसी भन का अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः भवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जहीदा राजन उर्फ लक्ष्मी राजन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रणोक कुमार के० जोगानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जनत सम्मृत्ति के वर्षान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव्र संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया। एया है।

गगमा

"जमीन का हिस्सा जिसका प्लोट सं ० 16, एस मं ० 32ए, 322, 289ए, सी० टी० एस० मं० 1111/27, यूनियन पार्क, पाली हिल खार, बस्बई है ।

श्रनुसूची जमा कि क० मं० श्रई-2/37ईई/24327/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार दिनांक 2-9-1985 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1986

प्रकप बाहु .दी..एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/24309/85-86--श्रतः मुझे, प्रणांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट सं० 202, सी गोडडेस, जुहू, बम्बई—54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-9-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के बध्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बध्यमान प्रतिफल से, ऐसे बध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-रितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरक से हुई किसी जाय की सावत, उक्त अधि-चियम के अधीन कार दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (श) एखी किसी आभ या किसी पत्र वा बन्य बास्तियों की, चिन्ही भारतीय बायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उभत आंधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की **उपधारा (1)** के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती दर्शन पौल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वीरेन्द्र कुमार सूद

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी की पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

"पलैट सं० 202, जो सी० गोडडेस, मिलिटरी लेन, जुहू, बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूर्च जसा ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/24309/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रसांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज−2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1986

प्रकथ बाह्य द्वी एत . युस ु----

जामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं **गरा 269-भ** (1) **में नवीन कुलक**

भारत सरकार

कार्यास्य, सङ्घयक सायकर साध्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1986 निडेंश सं० अई-2/37-ईई/26639/85-86---अतः मुझे, प्रमाति राय

कारकार अधिनिषय, 1961 (1961 का 43) शिक्रते प्रधाने कारको परकार 'उनका अधिनिषयम' कार्क क्ष्म ही) कार्क कारक 269-च के अधीन सक्षम प्राणिकारी क्ष्मों कार्क कारक कारक है कि स्थानर सम्परिस, जिसका उण्णित सामार मूख्य 1,00,000/- रा. वो अधिक है

जिसकी रां० फ्लेट नं० 3. उषासुन्दर प्रीमायसेस सान्टाकृज (प०) बम्बई 49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है दिनौंक 27-9-1985

का पृत्तीयक करनीय के जीवन नागार मूख्य वे साथ के सामकात विकास की गई हैं आर मुझे कह जिल्काम कितान के सिए जन्मिय की गई हैं आर मुझे कह जिल्काम करने का कारण है कि स्थाप्नों नेत सम्पत्ति का जिल्का का मूल्य, उसके द्वस्तान प्रतिकास से, ए से अवस्तान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अति एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिकास, निम्निकासित उद्योग्य से उसत अन्तरण निम्निकास के नास्तरिक कर से अधिक गृहीं किया नका है है—

- (क) अन्तरक से दूर्व किसी आग की बाबत के सकत अभिनियम के सभीत कर दोने ही संबद्धक के समित्र में इसकी करने वा स्वत्त विश्वन में तृष्यिभा के तिए; और√वा
- (क) एसी किसी माय या किसी धन या अन्य आख्तियों को, जिन्हीं आह्यीय आयकड़ अिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उस्त अधिनियम, वा अव्यक्त विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिहिती ब्वाय प्रकट नहीं किया थवा था या किया जाना जाहिए था, कियाने भी सुविधा के निए;

बाह्यः स्था, अन्त स्थितियम क्षी भारा 269-न क्षे अनुवारण में, में, जनत स्थितियम की भारा 269-व की उपभारा (1) इंड अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अभृति ३ — (1) श्री शिव नुमार सींगल।

(भ्रन्तरक)

- (2) जगदानन्द इन्बेस्टमेंटस् एण्ड द्रेजीग की० लिमिटेंड (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिती। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को बहु कुषना अपनी करके पूर्वोक्त सन्तरित के वर्षन के सिह् कार्यवाहिनों कारवा होता.

उन्त सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के स्वपंत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विश्व करी समीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 बिन की मंत्रीभ, जो भी अविश्व का में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वनिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (व) इस स्वान से प्रक्रपत्र में प्रक्रवन की बारीय से 45 दिन के भीतर प्रक्त स्थानर करनीय में दिश्वकर्थ व्यक्ति क्रावित इवाद्धा मध्येत्रकाशक्ती के पास विवित्त में किए या समीर्थ।

रनकी बरण: -- इसमें प्रयुक्त कार्यों और पड़ों का, जो उक्त जीधीनवस, के खभ्याय 20-का में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया है।

अमृसूची

पलैट नं० 3, जो 4थी, मंजिल, उथा सुन्दर निभायसेस को० आप० हाउनिंग संश्वायटी त्रिभिटेड प्लाट नं० 30-डो॰ गनाकूर्ग (ग०), बस्वई 400049 में स्थित है। अनुपूर्वी जमाका क० ग० अई-2/37-ईई/26639/ 85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी बस्बई हारा दिनाँक 27-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांफ: 30-4-1986

प्रकार बार्ड्,टीं, स्व, एक , -----

नायकर नृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के नशीय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶2, बग्धई

बम्बई, दिनौंक 30 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/25335/85-86---ग्रतः मुझें प्रशांत राय

नासकर मीधीनवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्गे इसर्गे परकात् 'जनत व्यथिनियम' सदा गया ही, की धारा 269-च के अधीन समय प्राधिकार्ध को यह निरमास करने का कारण ही कि न्यादर सम्बद्धिः, विस्का स्थित वासाइ सूक्य 1,00,000/क. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, नवयूग विलिडंग, विले पार्लें (प), बम्बई 49 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयदर श्रधिनियम, की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित स्थ्रम प्राधिकारों के कार्यानय में रजीस्ट्रो है। दिनौंक 27 -9-1985 को पूर्णेक्स संपत्ति को जिसत बाबार बुक्य से कार्य के कार्यान प्रतिफल को निए बंतरित की गई है और मुखे यह विकास करने का कारण है कि यजापुर्वेक्स सम्पत्ति को श्रीवर काजार वृद्य, उसके कार्यान श्रीतफल है, एवे कार्यान श्रीतफल का बेंदिन का प्रविद्ध का प्रविद्ध से उसके प्रतिकत के बेंदिन का श्रीवर्क का प्रविद्ध से उसके अत्यक्ष के बिए स्व रावा क्या श्रीवर्क का सिंह प्रतिकत से बार्य के विद्या से उससे अन्तरण लिखित में बास्तिनक रूप से कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) जन्मरण ले हुई जिली बाव का वावत, उक्त अविस्थित के ब्लीप कह देने के ब्लाइक के वरिम्दर में क्रमी कहने या कहते क्यमें में कृतिया में जिला, व्यंतिर्माः
- (क) एंसी किसी बाद या किसी पर वा बन्द बारिस्कों कों. जिन्दों भारतीय बाद-कर बारिस्कों 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियक की धारा 269-ग के अनुसरण धाँ, धाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) की कंक्ष्णीतः, निस्तिनियत व्यक्तियाँ. अधीत ध⊷-- (1) गमर्स वीको बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मती मंजूला वसंत सेठ श्रीर श्री वसंत एन० सेठ।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करचै प्वेतित सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यश्रीहर्या करता हुं।

उपत बन्दरित के बर्चन में सम्बन्ध ने काई भी बाबोप ह---

- (क) इस स्वता के सवपन में प्रकाशन की तारीश हैं 45 दिन की अवधि या तत्संवंधी व्यक्तियों धर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में सवस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वस्ति हुदारा?
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर अक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबहूध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकोंगे।

क्ष्यक्रियाणार-दश्वमे प्रयुक्त वस्त्रों हरि रखी त्राः, इते वस्त् अर्द्धिश्चित्रम्, से क्ष्याम 20-क में श्रीरशायिक हुँ, बहुई क्ष्यं क्षेत्रा यो उस् कथान् में दिवा वस्त्र हुँ।

बन्त्यी

पर्लंट नं० 12 जो तीसरी मंजिल, न**सप्**ग विल्डिंग, 4/8, ब्ही एम० रोड, विले पार्ले (प), वस्मई 400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्र $\mathbf{t}-2/37-\mathbf{t}\mathbf{t}/25335/85-86$ श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब \mathbf{t} द्वारा दिनौंक 27-8-1985 को रजीस्ट \mathbf{t} किया गया है।

प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंग-2, वस्बर्ष

दिनांक: 30-4-1986

प्र**च्य सार्ध**्य की_ल एवं , इंक् _{,न-प्रक्रमण्ड}

नावकड वॉथनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में वभीन स्वना

and that

कार्यास्त्, बहुत्य बारकर वायुष्य (विद्वासाध)

ग्रजैन रेंज→2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 30 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० मई-2/37-ईई/2439/85-86---- ग्रतः मुझे प्रशांत राय,

भावकर भौजिनमा, 1961 (1961 का 43) (चिसे इक्सें इसमें प्रणात् 'उन्त नीभीजिसमें भक्षा गरा हैं), की पारा 269-स से मधीन, बस्त प्राधिकारों को, यह निष्यास स्टूर्ण का सारण हैं कि स्थानर स्टूर्णिंस, चिस्ता स्थाप नामार निष्या कर का 1,00,000/- से अधिक हैं

- श्रिष्ट विश्वपुरम् वे हुइ विश्वति काय् की वस्त्रक काव स्वितिष्यम् वे वृत्तीन् कर वेशे के कन्स्रक्रक वे दायित्व में कमी करने या उससे वृत्तने में सुविधा श्रे निए; बांद्र/मा
- (क) एसी किसी आध वा किसी भन या अन्य नारिताओं की, जिन्हों भारतीय नाय-कर लिभीनक्य, 192% (192% का 11) या अक्टा किभीनियम, शा वन-कर लिभीनियम, शा वन-कर लिभीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमेचनार्थ अन्तरिती स्वादा अक्ट नहीं किया गया भा वा किया वाला जाहिए भा किमाने में तुनिधा से खिए;

श्रवः तय, उन्त अविधिक्य की भारा 269-म के अनुसरण इ', बी स्थार विधिक्षक की भारा 269-य की उपवादा (1) हे ब्रधीन, श्रिजनीसीयर व्यक्तिकों, वर्षाद क्ष्मान (1) श्रीमती शारदा सीमेश्वर वाली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कमल द्वारका दास गदोदीया श्रीर श्रीमती एम० श्रार० गदोदीया।

(ब्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) मंगल नाथ को० श्राप० हार्जीसंग सीसायटी शिमिटेड।

(वह ब्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए

वत्तव बाजरिय के कार्यन के बाजरिय के बाजरिय के

- (क) इस ब्रम्भा की राज्यन में प्रकाशन की टारीय के 45 किर की सर्वाच्या सरवान्त्रणी व्यक्तियों पर ब्रम्भ की राजीय से 30 दिन की अवधि, को भी वृत्य शह में स्थान्त कोडी हो, के मीतर वृत्यों कर काविसरों में से किसी म्युपित ब्रमाल;
- (क) इस स्वता के राधवन में प्रकारन की दारीय है 45 दिन के धींसर उक्त स्थावर सम्पत्ति को दितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति इताच न्योहत्वाक्री के दिस लिखित मों किए जा सकति।

स्थळाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थे। स्थव अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या ही है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 601, जो छठवीं मंजिज, मंगल नाथ को०। ऑप० हार्जीमंग सोसायटी लिमिटेड; सब-प्लोट नं० 15 प्लोट नं० 5, बिले पार्ले बम्बई 400056 में स्थिन है।

ग्रनुसूची जैसा ऋ० सं० ग्रई 2/37 ईई/24392/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनाँक 3~9~1985 को रजीस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्ब

दिनाँक: 30-4-1986

मोहर 🖫

प्रचल कार्ड , हरि , दुन , एक ,

भ्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के अधीन स्वना

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज 2, अम्बई बम्बई, दिनौंक 30 म्रप्रैल 1986

निदेश सं० ग्रई 2/37—ईई/25330/85 86—- श्रतः मुझ प्रशांत राय

वानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देवने देवके परनाध् जनत विचित्तममें नद्या नदा हैं), की भाष 269-व में अभीन संस्था प्राचिकारों को वह विक्थात करने का कारच है कि स्थानर कन्पत्ति, विश्वका उपित वाचार मूक्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, हेमल, हतकेश नगर, विले पार्ले बम्बई 56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है। दिनाँक 27-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित वाचार सूच्य वे काम के अध्यक्षाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और असे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मधा इतिक से निम्निलिचिए उद्देवस्य से उच्त कन्तरण विविद्य में शस्तिक के स्था से विभाग से स्थान नहीं किया गया है :---

- (क) क्लाएन के हुई किकी साथ की वानक, क्लाइ निर्माणक के वंशीन कर दोने के अल्बारण की वर्षपत्त्व के कमी करने या बक्की वचने के स्थिता के सिन्ध; अर्थ/वा

(1) स्काय बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश चन्द्र ए० पटेल और श्रीमती निर्मला महेश चन्द्र पटेल। (श्रन्तरिती)

को सह क्षमा भारी करने प्रतिकत सम्मत्ति ने वर्षन से जिल् कार्यवाद्वित्रों करता हूं।

क्ष्मक सम्मति से सर्वन से संबंध में कोई थीं बालीर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: —- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असुसूची

फ्लैंट नं० 202, जो हेमल प्लाट नं० 5, हतकेण नगर, को० ग्राप० हार्जीसम सोपायटी लिमिटेंड जेवी० पी० डी० स्कीम विले पार्ले (प), बम्बई 400056 में स्थित हैं।

ग्रनुमुक्ती जैताकी करु संरु श्रर्ड 2/37 ईई/2533/85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 27-9-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रणाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) श्रजीन रेजिन 2, बम्बई

विनाँक: 30~4~1986

प्रकृप भाइ . टी. एन . एस . -----

शासकार अधिनियाल, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा शारा 269-व (1) की नभीन सुपना

भारत्य सुरक्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 बम्बर्स

बम्बई दिनौंक 30 श्रप्रैण 1986

निदेश सं० ग्रई 2/37-ईई/24381/85-86--- **ग्रतः मु**क्षे, प्रशाँत राथ,

प्राप्त को र्रास्थ्य 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'अपत अधिनियम' कहा गया ह"), की भाष 509 र की अन्ति अपा एउँधिकारी को यह निश्वास करने का शरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

भीर जिनकी सं० पलेट नं० 401, हेमल, हतकेश नगर, विले पार्ने (भ), बम्बई 56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से बिणत है (ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 3~9~1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वकान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विकास अवसे का करण है कि स्थापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके रध्यमान प्रतिफल से, एसे रध्यमान प्रतिफल सा विकास सन्तर प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के विए स्थ बाया गया प्रतिकाल, विकास का का का स्थाप का स्थाप प्रतिकाल से अधिक का का स्थाप स्थाप प्रतिकाल से अधिक का स्थाप स्थाप प्रतिकाल से अधिक स्थाप से अन्तरण के सिए स्थ

(क) अन्तरण से हुए किसी नाय की वासवा, दक्त मुंबिन्ध्यस ध्री स्थीत कर वार्थ में बारतक थी क्षितिक को अभी कार्य का सकत क्ष्मों में स्थिता को कार्य की कार्य का सकत क्ष्मों में स्थिता

्कि कि को अधि में। कि और भग या सम्य सास्तियों कि . तेजन्त्रे आरलीय आय-कार सीमिनियम, 1922 कि . तेजन्त्रे आरलीय आय-कार सीमिनियम, वा कि नक के लिकियम, वा कि नक के लिकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतासियम अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का का का का का सामि आमा बाहिए था, कियान में सिविधा के 1953

अतः अथ. उच्छ नियम की भारा 269-ग के अगुचरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निकालिस्कित व्यक्तियों. अर्थात् :—— (1) स्काय बिल्ड प्राईवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सध्य देव भाकरी।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपोत के धर्चम के किह कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

ब क्य संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी भाक्षेप है---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष ब 45 विन की व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त कावितयां में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन कों भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए का सर्कांगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त इच्यों और वयों का, यो उपक्ष अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा थो उस अध्याय में विका क्या है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो हेमल, प्लोट नं० 5, हत्तकेश नगर को० श्राफ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जेनीपीडी स्कीम, विले पार्ले (प), बस्बई 400056 में स्थित है।

भ्रनुस्ची जैसा क०स० भ्रई 2/37-ईई/24381/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 3-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 30-4-1986

प्रारूप बाई.टी.एन.एस्.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2 बस्बई

बम्बई दिनाँक 30 अप्रैल 1986

निर्देश सं० अई 2/37-ईई/24544/85-86--- स्रतः मुझे, प्रशांत राय,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवा इसमें इसके वश्यात 'अवत की पितयब' कहा थवा ह"), की धारा 269-क के मधीन सक्षण शामिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर प्राथिकार, विकास अविस वाचार कृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 42, डी बींग, नेहा ध्रपार्टमेंट, जुहू, बम्बई-49 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं (श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 9-9-1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उभिन्न संभार मृत्य से कर् के क्यानात्र अतिकल के सिए अंतरित की गई है बार मृत्ये मह विस्तास करने का कारण है कि संभाम्बोंकल संभाति का उभिन्न नावार मृत्य उसके स्थामान प्रतिकल से, एसे संवकान प्रतिकल का पत्तह प्रतिकल से विश्व है वीर संस्थाप (नम्बरकों) और नन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे संस्थापन से निए तब पांचा पवा प्रतिकल, निम्नतिवित स्थापन से सम्बद्ध निम्नतिवित स्थापन से सम्बद्ध निम्नतिविद्य स्थापन से स्थापन से स्थापन स्थापन

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाग की वावत, अक्ट विभिनियम् से बभीन कर यो के बन्दरक के वायित्स में करी अरमें या उसने वचने में सुविका के किए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी थन वा बन्य बास्तियों कों, जिन्हों नारदीय आयंकार अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंदरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया ना या किया बाना बाहिए था, क्रियाने में स्विधा श्रे सिक्;

अत: अब, अव, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प मैं. अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

(1) मेसर्स पूनम एन्टरप्रायमेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हीराचन्द लक्ष्मनदाय मखीगा ग्रौर श्रीमती हीना दौलतराम मखीजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्बन्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम के अर्जन के सम्बन्ध में नोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकादम की तारीब में 45 बिन की नमीभ या तरकंगेंच, व्यक्तियों पत्र कृतक की दावील के 30 बिन की अविध्य, को की संविध का वाँ कार्य होती हो, से भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस कुरान्त;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकींगे।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 42, जो चोथी मंजील, डी बीग, नेहा प्रपार्ट-मेंट, सोटीएस नं० 968, जुहू तारा रोड, जुहू, बम्बई 400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ऋ०सं० श्रई 2/37-ईई/24544/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 9-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बस्बर्ध

सारीख: 30-4-1986

महेर:

प्रकप बाह^{*}.टी. एत. एत_.------

अनुवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत तरकार

व्यक्तिन, ब्रह्मिक मायकर श्रायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज 2 वम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 म्राप्रैल 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/25258/85-86--ग्रतः मुसे, प्रशांत राय,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भूस्व 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, पीकासी विलिंडग, सान्ताकूज (प); बम्बई 54 में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबढ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है (ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कुख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 27-9-1985।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित वाजार मूच्य ने कव के करवान करियुक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित वाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम शाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण किया करियुक्त के विश्व स्थान के सिंग कर्त कर्तरण

- (क्क) अन्तरक से हुई किसी शाय की, यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; और/या
- (थं) इसी किसी भाग या किसी धन या जन्म बाल्सिबों को चिन्हें भारतीय आगकर निधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर बिधिनियम, वा धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्में रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरक बी, बी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) इं अधीय, विकासिक व्यक्तियों, स्थाद् क्र-- (1) श्री राहल देव बर्मन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्थामलेंदू बीका । दास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्क करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई थी अल्बोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति श्वारा;
- (य) इसस्थमा के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्डवृथ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यांच शिवित में किए वा सकांचे।

स्वक्रिकरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बंग और पर्यो का, को उक्त विभिनियस, के बध्याय 20-क में परिभावित इ¹, पहीं मुर्थ होगा को उक्र अध्याय में विका वया है:

अनुसुची

फ्लैट नं 1, जो नल मंजील, पीकासो बिल्डिंग, 94सी, टीपीएम 2, ग्रांफ इन्द्रनारायन रोड, सान्ताकूज (प), 400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा फल्सं० ग्रई-2/37-ईई/25258/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 27-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारी**ख** : 30-4-1986

त्ररूप काइं. टी. एन. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर गायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंत रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनाँक 30 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/24542/85-86---श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकादी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 52, सी त्रींग, नेहा श्रपार्टमेंट, जुहू, बम्बई 49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कृष के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 9-0-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित माजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकों) और अंतरिकों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्बंश्य से उस्त अन्तरण जिलिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नमा है क्ष्म

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के जिए; बीद/या
- (बा) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

नतः नम, सनत निधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के स्थीम, निम्निलिशित व्यक्तियों, सर्थात ।

(1) मेसर्स पूनम एन्टरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कीरीतकुमार मान्तीलाल माह श्रौर श्रीमती ग्रंजनी कीरीतकुमार शाह। (श्रग्तरिती)

को यह सूचना वारा करके पूर्वोक्त सन्धित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थितियों रूप स्थान की हामील से 30 दिन की जविध, यो भी अविध नाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकल स्थितियों में से किसी स्थित इबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणं: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं० 52, जो पाचवीं मंजील, सी बींग, मेहा भ्रमार्टमेंट, सीटीएस नं० 968, जुह तारा रोड, जुहू, बम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ऋ०सं० अई-2/37-ईई/24542/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनौँक 9-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 30-4-1986

प्रकप बार्च .दी .एन .एस . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० **अई-**2/37**-ईई**/24543/85-86---श्रतः मुझे , प्रशांत राय

जायकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्रिजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसका सं० फ्लैंट नं० 41 वींग डी नेहा अपार्टमेंट जुहू बम्बई 49 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्भूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं)और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री हैं तारीख 9-9-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्का प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में कास्तविकृत रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियत के अभीन कर दोने के अंतरक के क्षित्व में सभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; वरि/या
- (व) देशी किसी नाव वा किसी धन वा बस्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तिरेसी बुनारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए वा, किसाने में सुविधा में विद;

भिरः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स पूनम एन्टरप्रायसेस।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेनू हिराचन्द मखीजा और श्री दालक्षराम धनराज मखीजा।

(भन्तरिती)

का वह तुमना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्पन के लिए कार्यवाहियां कुक करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्षन के संबंध में कोई भी मार्शप 🖫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिय बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 किन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- क्या किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त सम्बों और पदों का, वो उक्त वर्द्धितियम, के बन्धाय 20-क में वरिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अन्धाय में विया गवा हैं.!

वन्त्रम

फ्लैट नं० 41 जो चौथी मंजील डी बींग नेहा श्रपार्ट-मेंट सीटीएस नं० 968 जुहू तारा रोड जुहू बंबई 400049 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कं०सं० श्रई-2/37-ईई/24543/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 9-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30- 4--1986

हरू हार्ड हो एन एस ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की <mark>धारा 269-च (1) के अभीन स्</mark>चना

भारत संस्कार

कार्यालय, स**हा**यर्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निदेण सं० घई-2/37-ईई/25300/85-86- - ग्रत: मुझे प्रणांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 62, सी बींग नेहा श्रपार्टमेंट, जुहू, बम्बई-49 में स्थित हैं (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण कर से बींगत हैं) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम को धारा 269 के ब के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्रो हैं तारीख 27-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के के लिए

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :-- (1) पूर्तमः एन्टरप्रायसेस ।

(श्रन्सरक)

(2) श्री भारत एल० णाह और श्रीमती चंद्रीका सी० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रीहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों . पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पय्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

वन्स्यो

फ्लेट नं ० 62, जो छठवीं मंजील सी घिंग, नेहा श्रपार्ट-मेंट, सीटीएस नं ० 968, जुहू तारा रोड, जुहू, बंबई-400049 में स्थित है।

प्रनुसूबी जैसा ऋ०सं० प्रई-2/37-ईई/25300/85-86 और जो राजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गथा है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारोख: 30--4--1986

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

जावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन श्वयना

भारत सरकार

कार्यासन, उद्दायक नायकर नागुक्त (निर्योक्तक)

प्रजान रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निदेण सं० प्राई-2/37-ईई/25298/85-86--ग्रतः मुझे, प्रशांत राथ

वावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व द्वापी द्वापी विश्व प्रशाद 'उक्त स्थिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित दावार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 32, की विंग, पल्लवो बीच क्षेंजल चिले पार्ले (प) बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 27-9-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षियमान अंतिकल को लिए अन्तिन्ति की गई अर्थ मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि सथा- पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत्त से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) से बीच होने वंतरण के लिए त्य पासा गया प्रतिफल निम्नीसित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण सिनीसित में वास्तिविक रूप से किथन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की शायत, अवध अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के मिन्द; और/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्ध वास्तिवीं की, विन्दी भारतीय वावकर विभिन्निक्क, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, बा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के बनोबनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मेसर्स गुडेचा बिरुधर्स ।

(मन्दरक)

(2) श्री बोनी गोमस् और ब्लाटन गोमस् (मायनर) (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिले कार्वनाहियां सूच करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क). इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की श्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि बी अन्य स्वीक्त द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकांगे।

स्थाकिरण :---इसमें प्रयुक्त श्रम्थों और पर्यो का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता को उन्न अध्याय हो दिया। नवा हैं।

धनुतूची

पलेट नं० 32, जो तीसरी मंजिल, बी विंग पल्लवी बाच अंजल रूर्ड्या पार्क, मीलीटरी हाउस के सामने, मीली-टरी रोड, जुड़ विले पार्ने (प) बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसुधी जैसा ऋं० सं० अई-2/37ईई/25298/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी \ सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-4-1986

प्रकृप बाह्र , टी. एव. एस.-----

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 भ्रप्रैल 1986

निदेश सं० प्रई-2/37-ईई/25301/85-86--प्रत: मुझे प्रशांत राय,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अवत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 1., 00, 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 51, सी क्रोज, जुहू, बम्बई 49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजोस्ट्री है तारीख27-9-

का पूर्वीकत संपत्ति है अधिकत बाजार मध्य से कप के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण में हुई किसी आम की बाबत, तक्त सिधिनियम के अधीन कार होने को जन्तर के क बावित्व में कमी करने था उत्तरी बचने में समिशा के लिए: भौर/या
- (क्ष) एंसी किसी अध्य या किसी धन या बन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) की पर्योक्तरार्थ अन्तरिनी दशारा एकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा महेसिए;

अशः अब, उक्त अधिनियम की भारा 369-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे अधीन, निम्नलितित व्यक्तियों, अर्थात '---10 -96 GT /86

(1) मनर्स पहल एन्टरप्रायसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) फक्त्बीत एन० मनसूरी और श्रन्य।

(ग्रन्सिन्तो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों दर स्थना की तामील से 30 दिन की मविभ, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य स्थावित ध्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकी।

लक्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त आयकर अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगां को उस अध्यान में दिया नवा 🗗 🗀

अनुसूची

फ्लैट नं० 51, जो पाचंबीं मंजील, सी ब्रीज, जुह सारा रोड, जुहू, बम्बई 400049 में स्थित है।

श्रनमुची जैसा ऋ०सं० शई-2/37-ईई/25301/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बईद्वारा दिनांक 27-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

नारीख: 30--4-1986

प्ररूप आर्द.टी.एन.एस.-----

मामकर भौधौनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निवेश सं० अई-2/37-ईई/25302/85-86--- अतः मुझे, प्रशांत राथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० एफ-6. बीच हाउस पार्क, जूह, बंबई 54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिपिनियम की धारा 269 के,ख के श्रधीन सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 27-9-1985 को पुर्वेकिंग संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने **का** कारण है कि यथापृर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, एसे इष्टमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के ।लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ^{वास्त}ियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अपिधिनियम को अधीन कर देने को अंतरक को दासित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी अप्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया भा या किया जाना चाहिए था, मविधाके लिए।

बातं उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण . 👉 , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपगरा 📢 ै पंचीनः निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थाङ :----

ं 51) श्री पुलेनचेरी सीवाराम मेनोन।

(ग्रन्तरङ)

(2) श्रीमती मीना यली।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा उकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० एफ-6, जो छठवी मंजील, बीच हाउस पार्क, बीच हाउस को० ग्रांप० हाउमिंग सोमायटी लिमिटेड, गांधी-ग्राम रोड, जुहू, बम्बाई 400054 मैं स्थित है ।

ग्रन्**म्**ची जैसा क्र०सं० ग्रई-2/37-ईई/25302/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा 27-9-1985 को रजीस्टर्ड दिया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेज-2 बम्बई

तारीख: 30-4-1986

मोहरः

प्रस्प भाष्.दी.एत.एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 भ्रप्नैल 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/25052/85-86---ग्रतः मुझे, प्रणांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० फ्लैंट नं० 103, गजदार अपार्टमेंट-बी जुहू नारा रोड, बम्बई 54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 20-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निचिस्ति उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिसिट में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी भन वा अस्य वास्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट यहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, किस्टो में सुविधा के लिए।

बत: बब, उबत बीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-थ की उप्धारार (1) के अधीन,, निम्मिनियत स्यक्तियाँ, अधीत क्ष्म (1) मेसर्स यास्मीन कोरपोरेशन।

(ग्रन्सरक)

(2) कादंबरी प्रतापराय पारेख श्रीर श्रक्त जसवंतलाल श्रीर लक्ष्मीदास जेकी शनदास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के ैलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किये जा सकोंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पता है।

गस्त्वी

पलैट नं० 103, जो पहली मंजीत, गगदार ग्रपार्टमेंट बी, जुहू नारा रोड, बम्बई 400054 में स्थिन है।

ग्रनुसूची जैसा ऋ०सं० श्रई-2/37-ईई/25052/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 **बम्बर्ध**

नारीख: 30-4-1986

प्रकल बार्ट. टी. ब्रु. एस

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारक सरकार

कार्यांचवं, सहायक नायकर नायुक्त (निर्माधक)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० ग्रई०-2/37ईई/25186/85-86--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की जारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार जून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

शीर जिसकी सं० फ्लॅंट नं० 1 श्रीर 2, यंजू श्रपार्टमेंट, विले पाल है तथा जो (प०), बम्बई-56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध , श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसदा करार-नामा श्रायकर ग्रिशिनियम की धारा 269 के, ख के श्रशीन सक्ष्म गांकिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 24 सितम्ब 1985

को पूर्वोक्त संम्यस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरवमान प्रतिकाल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृख्य, उसके स्वयमान् प्रतिकत्त से, एसे क्यमान प्रतिकल का प्रमुह शतिकत से मुक्कि है और धन्तरक (सन्तरकों) कोर धन्तरिक्षी (मन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के बिक् तब बाधा बना प्रति-चन विश्वतिवित सहेश्य से स्वत धन्तरक सिकित में बाक्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बावता, स्वयस्त्र अभिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविभा के बिए; आदि/शा
- (व) वृत्ती किसी बाम या किसी धन वा जन्म जास्तियां की; जिन्ह भारतीय धामक्ष्य धासिविषयः। 1922 (1922 का 11) या उत्तर धासिविषयः। वा धन-क्ष्य अधिनियमः। 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करादिती हुवाद्धा प्रकट नहीं विश्वा ध्या था था किया खाना चाहिए चा, छिपाने में प्राक्षा के किए।

वरं वच, तक वीशीववन की शास 269-व के वनुकरण में, में, उक्स अधिनियम की भारा 269-च की उपभान (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थास् :--

- (1) मैंसर्स बी० शान्तीलाल एंड को० प्राईवेट लिमिटड । (अन्तरक)
 - (2) श्रीमती हीना संजय देसाई ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करकों पृबोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की ताबीक से 30 दिन की जबधि, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिवियम, के अध्याय 20-क माँ भाषा परिभाषित ही, वहीं अधीं होणा को साम अपाय को किया प्रयोगी:

अमुसूची

"फ्लैंट नं० 1 और 2 जो पाँचवी मंजिल, मंजू ग्रपार्टमेंट, दादाभाई रोड़, टी पी एस 6, सी० एस० नं० 898/1 से 2, विले पार्ने (प०), बंबई 400056 में स्थित है।

ग्रनुमुची जैमा ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/25186/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनॉक 24-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रकांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बर्ज्य**ई**

दिनांक: 30-4-1986

महिर :

प्रक्ष बाद्दै.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांवः 30 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रई $\sim 2/37$ ई $$/25297/85-86\sim - <math>\%$ तः मुझे प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 601, श्रायवरी टावर, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुन्न) में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 27 सितम्बर 1985

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचिर याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरिक की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विकत लेपित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से एोसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्यह प्रतिकत्त से निवास कर पन्यह प्रतिकत्त से निवास की कीए अपर कारण दिती (अन्तरिकिकों) के बीच एवं सन्तर्भ के जिए अप पाया मधा प्रतिकत, निश्निमिखिल सुक्षप्रम से उक्त बन्तर्भ निविद्य में भारतिकत, निश्निमिखिल सक्ष्मप्रम से उक्त बन्तर्भ निविद्य में भारतिक कम से क्षित महीं किया नवा है दे—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्रीव्यक्तिय के ब्राधित कर विशे के अल्लाक अ कार्यस्थ में कभी करते या जसओं अपने से ब्रियिश के लिए; और/या
- (स) एसी किसी साथ या किसी घन या सन्य आस्तियाँ का, चिन्हें भारतीन नायकार अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधवार्ध बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, खिनाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री हीरू जथातंद थडानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) दी ईस्ट इंडिया होटेन्स लिमिट छ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

स्वत संपत्ति के अर्जन के संबंध में को**र्डभी बाक्षे**प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या शत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष किसी अन्य व्यक्ति इवारा व्यक्तिस्तावारी के शास विभिन्न में किए था सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, के अवस अधिनयम, के अध्याद 20 क में परिशाधित हो, वशी अर्थ त्रीमा जो उत्तर अन्यास में दिना। गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 601, तो छ5नीं गंतित, प्रायवरी टावर, प्री-मायसेय को भाव० हाओंतग शोतायटो विमिटेड, कोलीवाडा रोड, जुहू, वम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुमुची जैमा ि क० मं० श्रई → 2/37ईई/25297/85 – 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 ~ 9 ~ 1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्ब**इं**

दिनॉक: 30-4-1986

प्रकम करहाँ _सही तु एक_ल पुरा_ल ----लाव-प्रकाल

वानकार विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के भूगीन सूच्या

THE THE PARTY

कार्याजय, शहायक कार्यकार कार्यकार (रिवर्डकार्य)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निदश सं० श्रई--2/37ईई/25331/85-86--- ग्रत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकार शिंपितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसको प्रकात 'उन्कर श्रीधीनयम' कहा गया ही, की धारा 269- श्र को बाधीत सकार प्रतिभक्तारी करें, वह विक्यास का रहें का कारण ही कि स्थावर संवत्ति जिल्लाका उज्जित काकार मृत्य 1,90,900/- या. सं संधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, सुजल, सान्ताकृज (प०), बम्बद्ध 54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 का, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांच 27 सितम्बर 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के खिला के स्वाप्त के बार्यालय सुरूप से कम के दस्यकान ग्रातफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित कांग्रार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकास से एसे स्वयकान ग्रीतकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्ति) के कीच इस बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्तल, निम्नक्तिक उप्रदेश से उन्तर का कारण हो कित स्थान से से कार्यका मिन्तरिक रूप से कार्यका गवा है :—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बावत, उक्त बीधनिवश के अधीन कर दों के अन्तरक के दायित्य में कबी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; सीह/बा
- (क) एसी किसी साम वा किसी भन ना सन्य नारिसारों सो , चिन्हू साप्रतिय नायकत विभिन्नियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्तयम , या धनकर निर्मित्तयम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया कवा वा दा किया काना चाहिए था , छिपाने में स्विभा के किस्

बतः बंब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) वकाय-बिल्ड प्राईवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हंसा जयंतीलाल कोरा श्रीर श्री मुकूल जयंती लाल कोरा।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की जनिंध या तत्समंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतेंगे!

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया ह³।

वन्स्ची

"फ्लैंट नं० 701, जो सूजल को०=आप० हाउसिंग सोसाय लिमिटेड, टी पी एस 4, साग्ताक्र्ज (प०), बम्बई—400054 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा क० सं० श्रई-2/37ईई/25331/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 27-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रगांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंग-2, बम्बई

दिनांक: 30-4-1986

महिर ∎

प्रकल बाह्", टी. एवं , एवं , ------

नायकार नाभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्थना

बाइव बर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निदश मं० श्रह-2/37ईई/25332/85-86--श्रतः मुझे प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूस्थ 1,00,000/~ रा. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं पर्लंट नं 2 703, सुजल, सान्ताक्रूज (प०), बम्बई 54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशिनयम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 27 सितम्बर 1985

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृभी यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरल के सिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिक्कि में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की वायत, उक्त जिमिनियम के खणीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुन्निधा के निए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निष्ट;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) न्हाय-बित्ड प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुन्दरी एम० भाटिया श्रीर श्री पुणील एम० भाटिया।

(अन्सरिती)

को यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्परित् के अवन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप:---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये का सकैंगे।

स्पष्डीकरण:--इस में प्रयुक्त सम्बा और पवा का, को जक्द अधिनियम थे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग को उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 703, जो सूजल को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, टी पी एस 4, सान्ताऋज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रन् सुची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/25332/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-9-1985 को प्रकिथ्टर्ड किया गया है।

> प्रकात राज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-4-1986

प्रकृप आइ⁴.टी.एग.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/25291/85-86 श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिंचश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

प्रीर जिन्की सं प्लैट नं 201 हुमरी मंजिल, भान्ताकू ज (प०), अम्बई—54 में स्थित हैं (श्रीर इमने उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनौं के 30 सितम्बर 1985 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के द्रस्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया ग्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्थित को कारी करने या असमे स्थाने को गरिया के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धर या जन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय अहरण कि दिनियत . 1920 (1922 का 11) या उवत अधिनियस, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए:

भत: बंब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (†) के अधीर, निम्नलिमित अधिकायों, अर्थात :-- (1) मेनर्स सीव्यी एसंभिएटम् ।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्रोमती उपा अर्जनदेव खना ।

(ग्रन्तरिती)

करे यह मुखना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पल्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गदा है।

अनुसूची

"फ्लैट नं 201, जो दूसरी मंजिल, प्लाट नं 63 (पार्ट), 124, टो पी एम 4, 14, मेन एत्रेन्यू, मान्ताकृज (प०), धम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि क० मं० अई 2/37ईई/25291/85-36 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 30-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशौत राय, सक्षम प्राधिकारी, महासक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेजे-2, बम्बई

दिनाँक : 30~4-1986

प्रकर बार्ड . दी . एन . एव .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन स्थना

नारत सरकार

कार्यास्य, महायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 30 अपैल 1986

निर्वेण सं० श्रई-2/37ईई/24954/85-86--- श्रतः मुझे प्रशांत राय, प्र

कायकार अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम', कहा गया है, की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैष्ट नं० 702(ए), श्रीर 702 (वी), जानकी कुटीर, जुहू, बम्बई 49 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनाँक 20 मितम्बर 1985। का पूर्वोक्त सम्पत्ति के डिंग्ब बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान श्रिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्र प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाजा प्राप्त प्रतिकात, निम्निविद्य उद्योग में उच्त अन्तरण के लिए तय वामा ग्री प्रतिकात, निम्निविद्य उद्योग से उच्त अन्तरण के लिए तय वामा ग्री प्रतिकात, निम्निविद्य उद्योग से उच्त अन्तरण के लिए तय वामा ग्री प्रतिकात, निम्निविद्य उद्योग से उच्त अन्तरण के लिए तय वामा ग्री प्रतिकात, निम्निविद्य उद्योग से उच्त अन्तरण के लिए तय वामा ग्री प्रतिकात, निम्निविद्य उद्योग से उच्त अन्तरण के लिए तय वामा ग्री प्रतिकात, निम्निविद्य उद्योग से उच्त अन्तरण के लिए तय वामा ग्री प्रतिकात से से स्था से से स्था से से स्था से स्था से स्था से स्था से से स्था से स्था से स्था से से स्था से स्था

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अदे दायिक में कमी करने या उत्तस्ते बचने में सुविधा के तिए, और/या
- (प) धंसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, रिक्ट भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुतिथा के किए;

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक को, में उदत काँधीनयभ की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभी निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मेनर्स विकात डेवलीयरम्

(ग्रन्तरक)

(2) गुरकोर पंछिसींग भल्ला और श्रीमती आशा भल्ला (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क कार्यवाहियां शुरू करता हु।

बक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेत्र .---

- (क) इब सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनीध, को भी अबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति इंशरा;
- (न) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन को सारीच के 45 दिन के भीशर उक्त स्थावर सम्पत्ति में देश के बहुभ किसी बन्य स्थावत द्वारा अभाहस्ताक्षरों जे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकासियण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही नर्थ होना जस अध्याय में दिका गया है।

नग्त्यी

"फ्लैंट नं० 702(ए) श्रींट 702(बी), जो साँनवी मंजिल जातको कुटोट, जुह, बस्बई 400049 में स्थित है। श्रनुपुची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/24954/85~86 श्रींट जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 20~9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांतिराय, नक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैत रंज~2, बस्दई

दिनौंक: 30-4-1986

प्रकृष बाह्र . टी. एन . एस . -----

भागकार जोधीनगम, 1961 (1961 का 43<u>1</u> की धारा 269-व (1) के जभीन सुजना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनाँक 1 मई 1986

निर्देश सं० श्रई-12/37ईई/24379/85-186---श्रतः मुझे, प्रशीत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं ० फ्लैंट तं ० 401, होरायजोत व्हीयू ३, श्रंधेरी, (प०). बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची) में श्रौर पूर्ण रूप से विण्ल है, श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है, दिनाँक 3 मितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार बुन्थ, उभके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वस्तद प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिवों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा नमा इतिफल निर्देशिया उद्देश्य से उक्त अंतरण कि विश्व में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरच वेहूइं किसी नाथ की बाबत, ठंकत संचित्रियम के संचीत कर दोने के बन्तरफ के बाजित्या में कभी कारने वा स्वतंत्र वचने में सुविधा के किए; बॉड/पा
- (क) ऐंची किसी नाम या किसी धन या अस्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में शुविशा के किया

वत: अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण वं, वं, अक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे वर्धीन, निम्मिशिवित व्यक्तिवां, वर्धास :— (1) में सर्व के व खार ० एमो शिएटन्

(भ्रन्तरक)

(2) श्रंश विनंदि ५० देमाई

(ग्रन्तिरती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के लिए आर्थवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकासन की तारीच चे 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तिसों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपरित में हितक्ष्य किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकरेंगे।

त्यव्हीकरण:--इसमें श्रयम्त सब्दों नौर पदों का, जो अंक्स नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होता को उस निधाय में विका मसाही

अनुसूची

"पनैट तं० 401, जो हो समजीत व्हीयू 3, प्लाट नं० 70, स्नाफ जय प्रयाण रोष्ट, बर्मीवा प्रंधेरी (प०), बम्बई 400061 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैता कि ऋ० सं० स्रई -2/37ईई/24379/85-86 स्रींग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 3-9-1985 को प्रिस्टई किया गया है।

प्रणीत राय, सक्षम प्राधिकारो र प्रयाद श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-2, बस्बई

दिनौंक: 1-5-1986

मोहर: 👃

क्ष्म बार्ड .टी .एव .एस . -----

बायकर विभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन सूचना शास्त्र करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, व्यम्बई
वम्बई, दिनाँक 1 मई 1985

निर्देश सं 2 श्रई- 2/37ईई/24409/85- 86-- अतः मुझे, प्रशांत राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 82, प्लाट नं ० 4, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०) वस्बई में स्थित है (श्रीर धनस उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई में रजिस्ट्रो है दिनांक 3 सितम्बर 1985,

का पृत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के **रश्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण **है**

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त उन्तरण निक्ति में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के किए; और/आ
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तिया को, जिन्हें अरतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के जनसरण दो, भी, स्थत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ, अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वशीक :—— (1) श्री एन्योनी जीनेफ पटायू ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स रवीराज प्रांजरटीज प्राइवेट लिमिटेड । (श्वन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हों, के भीतर पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति स्वण्या;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रित्त में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विदा गया ही।

अनुसूची

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 82, प्लाट नं० 4, सी टी एम नं० 1285/बी, श्रुार 1285/बी-4, से 1285/बी-6, वर्मोबा, श्रंधेरी (प०), बस्वई है।

श्रनुसूची जैसा क० मं० श्रई-2/37ईई/24409/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनौंक 3-9-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

दिनाँक: 1-5-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 1 मई 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/24410/85-86--यतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोणिवरा, स्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इपसे उपाबद प्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) धौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 के, खे के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 3 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उभित बाजार मूस्य सं कम के क्रयमाः प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृवाँक्त संपत्ति का उभित बाजार मूक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति। कि क्य से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक की शावित्य में कमी करने या उसने अथने में सुविधा से सिए; बाँद्र/वा
- (व) एती किसी भाग वा किसी भन या बन्य बाग्स्थरों की, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः वतः, उक्त विधिनियमः, कौ धारा 269-ग के अनुसरण बो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बाधीनः, निम्नसिक्तिः व्यक्तिसंगें, अर्थात् :--- (1) श्रीमतो मंजूला ए० शाह

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स हं बानी होर्लंडन प्राईवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

की शह सूचना बारी करके प्रशेषक सम्परित के वर्षन के जिल्ल कार्यनाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई काक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो स्व
- (व्य) इच स्थान के राज्यन के प्रकाशन की तारीब धं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्द किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकीं।

स्मक्तीकरण:---प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा ट्रक्ट बीधनियम, के बध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा. को जन अध्याय में दिल क्या है थे

वन्स्ची

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41 (पार्ट), प्लाट नं० एफ-53, एफ-54, एफ-52 श्रोणिवरा विलेज, श्रंधेरी (प०), **यम्बई** है।

श्रनुसूची जैंगा क० सं० श्रई-2/37ईई/24410/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 3-9-1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

> प्रशाँत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुषत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज- 2, बम्बई

दिनाँक: 1-5-1986

त्रक्स बाइं.टो.एन. एव.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) में अभीन सूचना

भारत तरकार

आयालय, तहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 1 मई 1986

निर्देश मं 2 श्रर्घ- 2/37ईई/24592/85-86--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. से उधिक है

श्रीर िसकी सं०पलैट नं० 51, न्यू डी ० एन० नगर, श्रंधेरी (५०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजीस्ट्री है, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के क्यमान प्रतिफर, का लए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मर्पात्त का उचित बाजार मृल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्राह्र प्रिराशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाजत, उक्त वर्षिनियम के बधीन कर दने के अन्तरक के शमित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है विष्:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) एउ० पी० जय त्रिल्डार्स प्राईवेट लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नायल मेन्डीस (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्तियां पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को जी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, को भौतर पूर्वोंक्त ज्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इसस्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, णो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, ब्रह्मी अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

"फ्लैंट नं० 51, जो प्लाट नं० 200, न्यू डी० एन० नगर, अंधेरो (प०), बम्बई-400058 में स्थित हैं।

म्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्रई-2/37ईई/24592/85-86 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 9-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-2, बस्बई

বিলাঁক : 1~5~1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वान

-भारत संस्कार

कार्याजन, सहायक नावकर शाय्कत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 मई 1986

निर्देण सं० ग्राई~ 2/37ईई/24593/85~86—~ग्रतः मुझे, पर्णांत राय,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के सधीन सक्तम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, बी बिल्डिंग श्रंधेरी (प०), बंबई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री हैं, दिनौंक 9 सितम्बर 1985

कां पृत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूम्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकात से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-दिशी (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के बिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिचित उच्चेदेश से उच्त बंदरण जिल्दित में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तियों को जिन्हां भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंकरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, कियाने में क्विशा के लिए;

अलः जब, उन्ह बीधीनयत्र की भारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उपल अधिमियम की भारा 269-म की उपधार (1) इ अधीन निकाशिक्षक व्यक्तियों, स्वर्णन् क्र- (1) एभपीजय बिल्डर्स प्राईबेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० ए० हिंगोरानी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंध-नियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 3, जो वो बिल्डिंग, प्लाट नं० 200, न्यू डी० एन० नगर, श्रंधेरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैंमा ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/24593/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 9~9-1985 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय, सक्षम प्राधिकारी, महायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक: 1~5~1986

प्रकृप कार्ड , वी . एन . एसं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-प (1) के बधीन स्पर**

भारत सरकार

फार्मालय, बहारक आतंकार आवृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 1 मई 1986

निर्देश स० अई-2/37ईई/24594/85 86-अतः मुझे, प्रणाँत राय,

नायकर शांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें समने प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा मका हैं), की पाड़ा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का शारण है कि स्थायर सम्बद्धित, जिल्ला स्वित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट तं ० 1, बी बिल्डिंग, श्रंधेरी (प०), बम्बई 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका नारारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 के, खंके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई; रजीस्ट्री है, दिनौंक 9 सितम्बर 1985

को प्योंक्त सम्पत्ति को जीवत गाजार मृन्य से कम की दस्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्र्योंक्त सम्पत्ति का उपित गाजार मृन्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (भंतरकों) और मंतरिती (भंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखत उद्घेष्य से उक्त मन्तरण विकित में गास्तियक रूप से किथल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक सं शुद्ध जिल्ली आव की बावस, उसस अधिनियभ के अधीन कद दोने के वन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी वज या करक आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1900 (1922 का 11) दा उन्ते अधिनियम, शा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट मही किया ध्या का वा किया जाना शाहिए बा. कियाने थे महीवरा के जिए?

बतः अव, अञ्चल विधिनियम की भारा 269-ग की अन्यारण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) एक पा जिस बिल्डर्स प्राहिवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमना पी० जी० हिंगोरानी । (अन्तरिती)

को श्रह स्वता **वारी करकें प्**रोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हूँ।

बन्ध संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बासंस् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 विन की वनांच वा तत्संबंधी स्थापत्रयों वा स्वना की तात्रील से 30 दिन की जबचित्र को भी वविष बाद में सवाया होती हो, के मीतर पुनोंक्त स्वतितों में से किसी स्थापत ब्राह्म;
 - (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्म न्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के पार सिवित में किए वा सकोंगे।

स्मच्योकरणः — इतमें प्रमुक्त कन्यों और पर्वों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परि विक है, वहीं कर्यहोगा जो उस कथ्याय में विका नवाहै।

मन्त्रकी

''फ्लैंट नं ० 1, जो बो बिल्डिंग, प्लाट नं ० 200, न्यू डी० एन० नगर, श्रंधेरी (प०), अम्बई 400058 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा ऋ० सं० श्रई 2/37ईई/24594/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनौंक ५-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-2, बुस्बई

दिनौंक: 1-5-1986

अक्ष बाडा . टी . एस . एस

नाधकर जीधनिक्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

प्राप्त प्रत्यार

कार्याज्य , महायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बर्ष

बम्बई, दिनौंक 1 मई 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/24835/85-86--ग्रतः मुझे, प्रश्रौत राय,

भावकर विभिनिकम, 1961 (1961 का 43) (पिन इसमें इसके परधात् 'उकत जिथिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-- के के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास करने का कारण हैं कि स्थावर समेचि, जिसका उचित बाशार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसको सं० रो हाउत नं० 3, श्राभिषेक श्रपार्टमेंट, श्रंथेरी (प०), बस्बई में स्थित हैं (श्रीर इपसे उपाबढ श्रनुसूर्जा में श्रीर पूर्ण हा से बाँणत हैं) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर मधिनियम की धारा 269 क, ख के श्राथीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 16 सितम्बर 1985 को गूर्वों का संपरित के उचित बाबार मूस्य में कम के दश्यमान शिक्तम में शिए अन्तरित की गई हैं बार मून्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि बधाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उनके दश्यमान श्रीतफल के प्रतिकृत से विश्वक हैं और अन्तरक (अन्वरक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितवाँ) के बीच एने अन्तरण के लिए तय श्रीत ग्रा श्रीतफल, निम्निविचित उद्वेद्य से उच्छ अन्तरण कि बित तथा ग्रा श्रीतफल, निम्निविचित उद्वेद्य से उच्छ अन्तरण कि बित से बावा ग्रा श्रीतफल, निम्निविचित उद्वेद्य से उच्छ अन्तरण कि बित से बावा ग्रा श्रीतफल, निम्निविचित उद्वेद्य से उच्छ अन्तरण कि बित से बावा ग्रा श्रीतफल, निम्निविचित वहीं किया ग्रा हैं:—

- (क) अस्तरण वे हुए फिली थाय की गानत, उक्त अधिनियम के अधीन भार दोने के जन्मरफ के दायित्व में कभी कारने या जससे बचने में सुविधा फ शिन्छ; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्ह भारतीय अप्यकर अधिनियम . 1022 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भत्तः वयः, शक्त विभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में मी, उनन अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह—— (1) श्री कादरखान

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा अभय कुमार ज्ञानशकाश श्रगरवाय

(भ्रन्तरिती)

की सह सुचना बारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

अक्ट बम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षंप :----

- (क) इस नृष्णा के राष्प्रत में प्रकाषन की तारीख है 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की वविध, वो भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी जन्म व्यक्ति व्यारा वंथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सको गें।

श्यम्बीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और वर्षे का, वो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

''रो हाउस नं० 3, जो श्रभिषेक श्रपार्टमेंट, ई एस श्राई एस नगर के पीछे, चार बंगलोज, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), **बम्ब**ई स्थित है।

श्रनुसूची जैनाकि ऋ० मं०श्रई- 2/37ईई/24835/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनौक 16-9-1983 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय, नक्षम प्राधिकारो. पहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंच- 2, बस्बई

दिनाँक: 1-5-1986

आयकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) फी धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्याच्या , सञ्चलक अवस्थार आयुक्त (वेदलीकार्यः)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 मई 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/25007/85-86--अतः मुझे प्रशांत राय

भागकर गरियममा, 1981 है1961 का 43) क्रीतर्थ कार्य बार्ज परवास् 'क्या समिनिकाल' यथा प्रवा 🖒 🛒 पापु 368-य के वर्षीय कारण प्राधिकारी को व्याधिकाय व्याप्त का फदरण हैं कि स्थवन्य संयक्ति, विक्रामा क्षिक्त भाषात कृष्य् 1,00,000/- रह. से मधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० बी०. यणवंत नगर, श्रंघेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर प्राधनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बग्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 20 सितम्बर 1985

कोर पुर्शेक्ट सम्पन्ति के समिता बाजार मुख्य से कार को कार्यकार प्रीक्रमा भी किए रज्योरिह की पर्दा की और मुख्य का पिकास करने का स्वरूप है कि स्थान्त्रॉवन स्थारित का स्थापत कानाह भूग्या, स्थाने स्टब्स्य प्रीतकात हो, होने सम्बन्ध प्रीकृतन सा वन्त्रह प्रक्रिक्ट से मिनक है⁰ और मम्बरक (मंबरकाँ) बार बंदरिसीं (बन्दरिक्तिकों) से सीच ए ते वन्तरण से फिल् इन धारा गना प्रवित क्षेत्र निभ्निष्टिक अञ्चल्या से स्थ्यद सावारण मिरीयत वे वास्त-भिक्क रूप से कविस नहीं किया प्**राप्त** द—-

- कि सन्दर्भ से **दर्श** निक्षी दाप की पादव_ा कात हरियमच के मुनीय कर योगे में सम्बद्ध में वासिक्य को सामी करने वा करने समये में साविधा के सिए; ब्रीर/वा
- (क) एंसी किसी नाग या किसी भग वा क्या जास्तियों को, विक्रों बास्तीय भाव-कर वीधविषय, 1922 (1922 का ११) वा तथल व्यक्तियम, मा एउसर अभिनियम, 1957 (1957 स्वर 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती कूनारा प्रकट नहीं किया गया पाधा फिया बाना चाहिए था क्रियानी वी यक्तिया ले सिक्टः

जनाव क्षत्र , वक्ता निवित्त्रक की धारा 269-य की, बम्हरण श्री, में उक्त लिपिनियम की भात 269-म की उपभाय (1) ×े बर्भेल ∀नम्म**लिखित व्यक्तियाँ अर्थात** ल**---**-

12 -96 GI/86

(1) श्री जयंतीलाल वीरवन्द शाह।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भनीलाल पालन मारू।

(श्रन्सरिती)

को यह स्वापना प्रकारी करूप दे पूर्वेचना सम्माचित के व्यक्ति के हिन्दू वर्षपरिश्वासं पुरू क्या हुई 🚛

उक्क स्थलिक के अर्थन के स्थलक में केन्द्र भी बाह्यन 🛶

- 🕍 इस स्थानम भी सम्बन्ध में प्रकारन की सार्वाच्य 45 किन कर्डे अवस्थि वा इत्संबंधी व्यक्तियमें क्य इक्स की ताबीय से 30 दिन की अमीय, सरे सर्टें अवाभ बाद में बचाप्त होती हो, वो शीसर पूर्वोचन व्यक्तिको से हे किसी व्यक्ति दुवाक्रा;
- (क) _रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय है. 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर तन्मीत में विक्र-बहुभ किसी व्यक्ति बुगारा, नशोहस्तावारी के पाद विकास में दिवस का स्केंचे।

स्पद्धीकारण:--क्सको प्रजुकत लक्यों और पर्यो का, जो उच्चा अद्रिभिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में किया गया है 🗀

ग्र**ुसुची**

"शाप नं० बी, जो यशवंत नगर, प्लाट नं० 70, 53-एस० वी० रोड़, ग्रंघेरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/25007/85-86 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांस राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ऋायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 बम्बई

दिनांक : 1-5-1986

प्रस्त जार्ड . की . एन . स्त्रान्त - प्रयानन--

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के जभीन त्वमा

भारत सस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रैंज-2, बम्बद

बम्बई, दिनांक 1 मई 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/25051/85-86—श्रत मुझे; श्रशास राय,

स्वयं चित्रिक्य, 1961 (1961 का 43) विकास प्रकृति क्षाची क

भीर जिसकी सं ० एस० तं० 67, जह लेता श्रंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका जरावनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय, बम्बई में रिजन्ही है, दिनांक 20 सिताबर 1985

को पृथेचित कंचीत के उत्पाद बाह्यार मूल्य से कम के उत्थानात प्रमित्तक के विक् अंतरिक की नर्ज है जीर मुक्त कह पित्याम कहने का जाएक है कि उथापूर्वीका संपत्ति का उपिक बाह्यार मूलक, असके उद्यान प्रतिकास से, हो में दश्यालय प्रतिकास का बंदान प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षी) और अंतरिक्षी (अक्वीरिक्शो) के देख एसे अन्तरक ही लिए तय पाया गया प्रतिकास किसीत में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंशरक के काण्क्रिय में कभी करने या उससे बचने में सृष्टिश्य के हैिला. और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घर या जन्य उधिरक्कों को. जिस्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गम था या किया जागा चाहिए था, छिषाने मों मृत्रिधा के लिए।

जत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीर ियमिनिकट स्थितियों, अधीत :--- (1) मेसर्म पटेल एण्ड एसोसिएटस्

(भ्रन्तरक)

- (2) भेसर्स खूखात्मे भालवनकर एण्ड एसे शिएटस् (ग्रन्स्रिती)
- (3) श्रीमती हमीदा अहमद (बह व्यक्ति जिसके प्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचका परवी कड़को पूर्वीका सम्मत्ति के सम्मन के विश्वह कार्यवाहियां कुक करता हुरे।

उक्त संयन्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाभरेग ::---

- (क) इस क्यान के राज्यका में प्रकाशन की कश्यीच धं 45 विश की अपनिध या सत्संबंधी व्यक्तियां चूझ सूच्या की तामील घं 30 विश की अपनिध, जो धी अपनिध बाह्र में स्वयन्त्र इसी हो, के भीतर क्यीकर स्वीक्ता में ते किसी स्वीक्त क्याया;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 फिल के मेंद्रार उक्त स्थावर सम्बन्धि में किया के किया के पात लिकिस में किया का कार्यों में पात लिकिस में किया कार्यों में

स्पष्टिक्षकाः — इसको प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनका अधिनियम, के नध्यान 20-क में कथा करियान-ही, यहाँ अर्थ होना जो उस सध्यान के दिना गयन हो।

धनुस्ची

"जमीन का हिम्सा जिसका एस० नं० 67, हिस्सा नं० 4 (पार्ट), सी टी एम नं० 263 (पार्ट), जुहू लेन अधिरी (प०), बम्बई में स्थिस है।

अनुसूची जैसा कि कि सं श्रिक्षे-2/37ईई/25051/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 20-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 1-5-1986

भारूप आहाँ .टी . एन . ए। स

ज्ञायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अभीन सुचन्न

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 1 मई 1986

निर्देण सं० ग्रई-2/37ईई/25384/85-86-- ग्रतः मुझे प्रमात राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अशीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी गं० सर्वे गं० 148 त्रसींवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा अयकर श्रंधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय. बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 30 सिनम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वितन्ति के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार वृद्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण बिश्वस में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है ध—

- (क) जन्तरम् **छं हुई किशी जाय की बावत**, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व के कनी कुड़ने या उत्तरों वचने में सुविधा के लिख; औड़/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिरियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना थाहिए था, स्थिपान में स्थिधा से जिस्

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभाग (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिल्ल (1) श्रीमती इंदीराबेन एम० देसाई, श्री नलीन एम० देसाई, श्रीमती मेघा एस० पारेख, श्री भानुभाई डी० देसाई, श्रीमती गूनीयल बी० देसाई, श्रीमती मीरा एम० णाह, डा० चन्द्रकांत जी सरैया, रमेश श्रार० सरैया श्रीर श्री कैताश टी० देसाई।

(ग्रन्सरक)

(2) मेसर्स भ्रोमप्रकाश एण्ड कंपनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति को वर्षन के विष् कार्यवाहिया शुरू अरहा हो।

उनतः सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालंग ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सविभि या तत्सम्बन्धी स्थितस्यों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविभि, को भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्साक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों लीर पदों का, अं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वर्ता अधि होता, जो उन अध्याय में दिया। गया है।

अनुस्**ची**

"जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं 148, न्यू सी टी एस नं 1326, चार बंगलीज, मनीश नगर के पास, वर्सीका, अधिरी (प०), बस्बई 400058 में स्थित है।

श्रामुची जैमा क० म० ११ई-2/37ईई/25384/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाव 30-9-1985 को रजीस्टड किया गया है।

> प्रणांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहाय २ भगवर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनां ल : 1~5~1986

भरूप बाह् टों, एत्. एस्.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातम्, रहायकं नायकत् नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 मई 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/25394/85-86--श्रत मुझे प्रशांत राय

श्रीयकर श्रीकृतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रीमियम' कहा गया है), की भारा 269-च के श्रीमित सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जियह बाजार मृक्य 1,00,000/- क वै विश्व है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 78, ललूभाई पार्क, ग्रंधेरी (प०) बम्बई—53 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनूस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करायनामा ग्रायवार ग्रंधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य, वम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 30 मि एकर 1985 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से मन के क्रममान मितिकन के लिए बन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वाद्ध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्रममान प्रतिक्षत से एसे क्रममान प्रतिक्त का पन्द्रह प्रतिक्त में बिचक है और अन्तरका (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरिती के बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरिती को बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) को बाप ग्रंब का प्रवादित के बार्य के बीच एसे अन्तरक का पन्द्रह प्रतिक्त, निम्नजिवित अव्यवस्य से उक्त करारण मिनिक के बार्य के किया वहीं किया यवा है है—

- (क) वन्तरण के हुई किसी जाय की वावता, उक्त विधिनयत के वधीन कर दोने के अन्तरक के खबित्व में कभी करने या उससे वचा में सुविधा के सिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी आव या किसी धन या त्त्य आस्तिथों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट रहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निक्;

अर्थः कृषः, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-के वनुसरण कौ, मैं, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-च की उपधारा (1) कै अधीन, निम्मलिचित व्यक्तियों, वर्षात् क्---

- (1) भाईशंकर दयाशंकर जोशी, प्राण्णंगर दयाशंकर जोशी श्रौर डा० नटवरलाल दयाशंकर जोशी।
 (अस्तरक)
- (१२) भेसर्स मास्कोट कन्स्ट्रक्शनस् । (ग्रन्तरिती)
- (3) भाडोन्नी (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🦘

- (क) इस सुचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचता को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधीय शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित जा किया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किशी सन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः —ः समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, शो उच्चत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बहुी कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

"क्लाट नं० 78, जो ललूभाई पार्क, टी पी एस नं० 6, ब्रंधेरी, बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची नैसा क० सं० ग्रई - 2/37ईई/25394/35-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 30- ६ 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर क्रायुक्त (निराक्षण) क्रर्जन रेंज−2, बस्बई

दिनांक: 1-5-1986

शक्य भारते, <u>स्त्री, एप</u> , **एव**ं हुनन्त्रकानस्वरणास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अभीत सुखना

ब्राइट शुरुकोह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जंत रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निर्नेश सं० श्रई-2/37ईई/25437/85-86--श्रतः मुझे, प्रशांत राय.

कायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने भ्रामें इसके पश्यात् 'उमत मिभिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-का को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाटनं० 150, शेरे-ए-पंजाब को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड अंधेरी (पु०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है) आंर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, दिनांक 27 सितम्बर 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान इतिफल के निष् बन्दिरत की पूर्व हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यभाप्योंक्य सम्वित्त का उजित बाजार ब्रंथ, उसके ध्रथमान प्रतिफल थं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और बन्तरफ (अन्तरका) और अन्तरिती (अतुरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्निवित्त उद्देश्य से उसत बन्दरण निवित्त की वास्तिक हैं वास्तिक कर्य स्थान कि सित्त कर्य से बास्तिक क्या से स्थान कर्य स्थान निवित्त कर्य से क्या स्थान हैं —

- (क) मन्तर्य ते हुई किसी माय की बावत, उक्त मिनियुत्र, वे मुदीन कर बोने में मन्तरक से दानित्य में कनी करने ना उबके मामने में सुनिया में निष्कु और/ना
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बल्य आस्तिय। को, बिन्हें भारतीय भाय-कार लिभीनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम मा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकृष्ट नहीं किया क्या था का किया जाना लाहिए था, कियाने में ध्रीवा के खिदा

भूतः श्व, अक्त अभिनिष्य को कारा 269-मा से अमृत्रूपण की, मी अक्त अधिनिष्य को भरत 269-म की उपधारा (1) के अभिन, नेनस्पनिस्ति स्वित्यां, स्थात् :--- (1) श्री प्रेम नाथ ग्रसावा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० जे० रीझसीं घानी।

(ग्रन्तरिती)

की वश्च त्यमा नारी करके प्रतिनत हम्मारित के स्वीत् के विश् कार्यवाहियां सुरू करता हु।

उक्त बंदित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ते ---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन्य की अवदिव मा उत्त्यक्रमी व्यक्तियों पद स्वान की नामीस से 30 दिन की अवदिष, को और संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स अविभागों में से किसी स्पन्ति स्वारा ह्या है।
- (व) हम प्रता में राज्य में प्रकार की शादीय से 45 दिन में टीवर क्यम स्थाप क्यार क्यारित में दिवस्थ किसी क्षम महिन्द स्थाप अपहेरवालकी में याब स्थितिय में स्थित का प्रतीय 18

क्लक्क्ष्रीकरण हिन्समें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का , को सक्ष् अधिकृषिक्ष्य औं कृष्यान 20-क में पृतिसाजित ही, यही धूर्य होता, औं उस अध्यान में विका मना है।

बन्स्ची

"ब्लाट नं 150, जो-गेरे-एपंजाब को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिम्डिंड, विक्रेज मोग्रा, अंधेरी (पू०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची गंसा क० सं० श्रई-2/37ईई/25437/35-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशत राय सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर प्रायुतक (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28--4-1986

प्रारूप आई..टी.एन.एस.-----

नावकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-प (1) के वृधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजव, सहायक भागकर बावुक्त (निराक्तिण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मर्प्रेल 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/25397/85-86-- मतः मुझे, प्रकात राय,

बावकर विधितवयं 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा है"), की धारा 269-संसे अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह धिरुधास करने का कारच है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वावार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट नं० 503/ए, वर्टेक्स विकास, अंधेरी (प०) बम्बई म स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूण रूप से विजित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, दिनांक 27 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिकत्त के जा पर्द हैं और मूझे वह क्रिक्वाब करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त कम्पूर्ति का अधित बाजार मूल्य, बढ़ व वदयमान प्रतिकत्त है, एवं दश्यमान प्रतिकत का वेश्व प्रतिकत के विश्व हैं और अंबरक (बंतरकों) और वंद-रिती (अंवरितियों) के बीच एके बंतरण के निष् त्य पाया क्या ब्रह्मिक्स, निम्मनिचित उद्देश्य वे ब्रह्म बंतरण के विष्ट विश्व में बार्स क्या वंदरण वे विश्व के विष्ट में बार्स क्या वंदरण के विष्ट के विश्व के व्यावस्था करने के विष्ट के विष्ट के विश्व के विष्ट क

- (क) मन्तरन से हुए जिसी बात की बाववान करवा जीवनियय के सबीव कर रोते के तंत्ररक के द्वारिक्त में कर्नी करने वा पत्तवी क्यने में तृत्विया के खिल्ह मेंग्र/वा
- (व) एती किसी भाग वा किसी भन वा अन्य जासितों की, जिन्हें भारतीय भाग-कर जिभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिभिनियम, या भनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा से लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिक व्यक्तियों, अर्थात् हरू

(1) मैसर्स विकास प्रोपर्टीस

(ग्रन्परक)

(2) श्री सत्यवती मार० रूइया।

(मन्तरिती)

को सुंह तृषणा बारी कारके पूर्वोक्स क्याहित के वृष्यं के किए कार्यवाहियां, करता हुँ।

जन्म बन्दित् के वर्षन् के बन्दन्भु वे कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तार्राव से 45 दिए की जनीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तार्राव से उठ दिन की स्वीध, को भी जनिय वाद में समस्य होती हो, के भीतर प्रजेक्त स्वीकत्यों में से किली काईशत त्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विच के मीतर उक्त स्थावर संपरित में दित-वृत्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास निवृत् में किस् का बुकेंचे।

त्व्यक्ष्यं करणः — इसमें प्रवृत्य बन्दों बीड वयां का, वो बन्द व्यविश्विक के बन्दाय 20-क में परिश्वाचित हैं.. बहुरी सर्व होगा वो उस कथ्याय में दिवा भग्र हैं।

वनुसूची

"फ्लॅंट नं० 503/ए, जो वर्टेक्स विकास, अंधेरी (पु०) रेलवे स्टेणन के पाल, अंधेरी (पु०), वस्बई में स्थित है।

यनुमूची जैसा क० सं० ग्रई-2/37ईई/25397/85-86 और जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुषत (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-4-1986

प्रकल् भादः , टी, एन् , एस् , ५०-४-५०-

नामकर निधितिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्वना

भारत संबंधार

कार्यांत्रम, सहायक आमकर नायुक्त (किरीसर्च) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मंत्रील 1986

निदेश सं० ग्रई 2/37ईई/25097/8586— श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

गायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छौचत बाबार मुस्य 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सी०टी०एम० नं० 182, विलेज, सहार भंधेरी (पु), बम्बई में स्थित है और इसमे उपाबक्ष भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-9-1985

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भल्या, उक्षके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रशिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंता-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्तित उद्विदेय से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, जन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- १ंक्ष) ऐसी किसी जाम या किल्प धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती श्वारा प्रकट नहीं किया नया था मा किया जाना जाहिये था, कियाने में स्विथा भी जिए;

अकः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् हम्म

- (1) मेसर्स मेहता कोठारी एण्ड क०। (भ्रन्तरक)
- (2) देशमुख बिल्डर्सं प्रा० लि०। (श्रन्तरिती)
- (3) श्री फ्रेंकिंसन भूतालो श्रीर श्रन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के कर्षन के संबंध में कीई भी वाक्षेप हिल्ल

- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की शाहींच के 45 दिन की अविभि का एरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनवृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरण :---दसमें प्रयुक्त शम्द्रों और पर्कों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिना यस है .!

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी ब्टी ब्एमव नैव 182, विने ज, सहार, ब्रंधेरी (पु), बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई 2/37ईई/25097/85 86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ारा दिनाँक 20-9-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रभौत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षल) स्रजन रें ज-2, बम्बई

नारीख: 28-4-1986

प्ररूप भाष्ट्रं टी., एन., एस.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर बावक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 28 अप्रैल 1986

निषेश सं० श्रई 2/37ईई/25067/85 86-- श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

वाबकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-व के अधीन तक्षत्र प्राधिकारी को, कह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विस्तका विशेष शावार मूख्य 1,00,000/- ए. ते बीधक है

स्रोर जिसकी मं० सर्वे नं० 121, 122, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्ले, (पु), वम्बई में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद प्रानुसूची में स्रोर पूर्णरूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यास्य में रिजस्ट्री हैं तारीख 30-0-85

को पूर्णेक्त तस्यीच के उपित बाजार मूंका से कम के कामाम प्रतिप्रधा के चिए क्यारित की पहुँ हैं और मूले वह विकास करवे का कारण है कि यथापूर्णेक्त तस्यति का उपित बाजार म्स्य, उद्यक्त क्यापा प्रतिप्रज से एसे क्यामान प्रतिप्रज का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और वंतरक (वंतरका) और वंतरिती (अन्तिपितिकों) के धीच एसे अन्तरण के सिए तय पाना गया प्रतिप्रक तिक्तीचित क्यापन से क्यारण हैं कि ति में बास्तिक कम से क्रिंगत नहीं कि मा गवा है है——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त निक्स के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः कच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धाका 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिर्सित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) महमहद बिलाल हाजी ए० रहीम।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रप्पा माहेब सदाशिव देमाई।

(भ्रन्तरिती)

को यह अभाग जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

जनका सम्यक्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीक ते 45 फिन की अविध या तत्क्षम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ध किसी अन्य स्मित द्वारा अशेहरसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः,, के बध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 121, 122, सी॰टी॰ एस० नं० 1856, 1861, हिस्सा नं० 2, 7, टी॰पी॰एस० 5, विले पार्ले (पु), बम्बई हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई 2/37ईई/25067/85-86 श्रीर जो नक्षा प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 20-9-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ॄंप्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुण्न (निरीक्षण) ग्रुंगर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-4-1986

मोहर 🕄

प्रकथ बाड्र . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, महारक आरक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, बरबई बम्बई, दिनाँक 28 अप्रैल 1986

निवेण सं० ऋई 2/37ईई/24863/85-86--- ऋनः मुझे, प्रशांत राय,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 16, श्रंधेरी कुर्ला रोड, श्रंधेरी (पु) वम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रंधिनियम, की धारा 260 के श्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 16-9-1985

को पूर्वा कि सम्मित के उचित बाबार शृंक्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृंक्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का वन्द्र प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफस, निम्निसिवित उद्यक्ष से उच्त बन्तरण निधित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया वया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाम की बाबत, उनके अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक अं दियाल यों कती करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियंत्र, या भनकर विभिन्यंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्यास प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविभन के सिस्दुः

अक्ष: नय, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (:) के अधीर, निम्नीसिंबत् अयिक्तियों, अधीत् :----13 —96 GI/86 (1) ए हनाथ घोंडू श्रोमित मनोरमा, तूकाराम गींदे सोताराम घोंडू, चन्हान,ग्रौर मनोहर घांडू चन्हान।

(ग्रन्तरक)

(2) जयेन्द्र मगन शाल सोमैया।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

की बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्चन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्री में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन को अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ जिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्थयतीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पद्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं वर्ष होगा, वो उस सध्याय में दिया भवा ही !

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जियका सर्वे नं० 16, सी०टी०एस० नं० 27, ग्रंधेरी कुर्ना रोड, (पु), बम्बई हैं।

अनुसूची जैसा कि कि सं श्रई 2/37ईई/24863/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई ढाग दिनौं र 16-9-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रजाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज, बस्बई

तारीख: 28-4-1986

प्रकल मार्च . टी. एन . एस्. - - - - -

नावकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्बातव, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जनरेंग, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 28 ग्रप्रैंग 1986

निदेश सं० ग्रई 2/37ईई/24862/85-86-- ग्रनः मुझे, प्रणांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रो. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जिसकी तं वि. 16, सी ब्टी ब्लास वि 27, ग्रंधेरी (पु), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर मे विणित हैं), ग्रीरजिलका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रंधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो हैं। तारीख 16-9-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान वितंत्रम के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त बंदत्ति का उचित् वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अच्चिति (अन्तरितवों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय दावा गया प्रतिफल निक्नीसिवत बाह्रदेश्य से उच्च बन्तरण निक्निय में वास्तरिक रूप से क्षित वहां किया गया ही है—

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बाधित की कमी करने या उससे अधने में सुदिया को नग्, और/वा
- (च) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्म आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में मृथिका चै विदः

बत: अब, उक्त बिभिनियम की भाग 269-त के अनगरण बैं. मैं. नरून बिभिनियम की भाग 269-त की उपभाग (1) के बभीज निप्तिसित व्यक्तियाँ, वर्धातु :---)1) श्रो एतार इस्भा खेरानी।

(**म**ल्यस्के)

(2) श्री अयोद्य मगनवाल मीमैया।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को अह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के सिस् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप:---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकायन की धारीय से 45 दिन की भविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील में 20 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भी पर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्काक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण :— इस्पें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वां उनके अध्याय 20 - क में परिभीषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया निकार हैं।

अनुस्पी

जमीन का हिस्पा जिमा अर्वे नं ० 16 सी ०टी ०एम० नं ० 27 ग्रंधेरो, कुर्ला रोड, ग्रंधेरो (पु), बम्बई है।

अनुभूतो जैपन साहि क० सं० भ्रई 2/37ईई/24862/85-86 भ्रोर जो तक्षम प्राधि हारो,त्रम्बई द्वारा दिनौँ है 16-9-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राग पक्षम प्राधिकारी सहायात स्राय तर स्रायक्ष्म (निरीक्षण) अर्जन रोजे ो, शस्यक्षी

तारीख: 28-4-1986

बायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निर्देश गं0 अर्ड-2/37ईई/24685/85-86---श्रत:मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट नं 14, 15, ग्रंपोलो इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रंधेरी (पु०), बन्बई -93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा प्राधकर श्रिधिनियम की धारा 260क, के श्रिधन समक्ष प्राधि जरी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, दिनांक 13 सितम्बर 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह भित्रिक्त से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) से बांच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक का , निम्निसित उद्योच्य से उस्त अन्तरण मिसित में बान्तिक का समिति के अभित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक कं दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मा स्विधा के मिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी धन या अन्य वास्तियां करें, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविध' के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिक्सित व्यक्तियों, अधीतः:--- (1) मेसर्स विशाल एन्टरप्राइजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्भ ब्लू कोन लेबोरेटोरीस प्राईवेट लिम्टिंड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के नर्जन के लिए काण्याहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नर्धाध बाद में सन्पाद्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से शिंगसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 किन के भीतर अकत स्थायर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्याक्त इवारा, अधाहस्ताक्षरी के बाज लिखित में किये वा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अध होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"यूनिट नं 14 श्रीर 15, जो तल मंजिल, श्रपोलो इंडस्ट्रियल इस्टेंट, श्राफ महाकाली केव्हज रोड़, अंधेरी (पु०), बम्बई 400093 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा किक ० सं० ग्र $\mathbf{5}-2/37$ **६** $\mathbf{5}/24685/85-86$ भीर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बर्ध द्वारा दिनांक 13-9-1985 को रजीस्टर्ड विया गया है।

प्रशांत राय नक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- 1, बम्बई

दिनांक 28-4-198**6**

माहर:

पक्ष बाइ . टी . एन . एव . -------

बाबकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) जे सभीन सुमना

तारक वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 28 ग्रप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/24595/85-86--ग्रत : मुझे, प्रशांत राय

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिले इत्तर्गे इवाके परचात् 'उन्नतं निभिनियस' कहा नया हैं), की भारा 269-क क अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० शाप नं० 37. कामदार शापिंग सेन्टर, विले पार्ने (पु०), बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से बिणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 9 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्छ से कम के द्रममान प्रतिकल के लिए कस्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्रूब, उसके द्रद्यमान प्रतिकल के प्रकृष्ट प्रतिकल से एसे द्रुवित से मृतिकल के प्रकृष्ट प्रतिकल से मृतिकल से मृतिकल से मृतिकल से मृतिकल से मृतिकल से मृतिकल से बाया गमा प्रतिकल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तर्य मृतिकल से बाया गमा प्रतिकल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तर्य के सिक्त के बास्त क्रूबिक क्य से क्षित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरभ से हुई किसी बाय की वावत उनत निय-नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कभी कमने या उससे वचने में विविधा के लिए; होड./या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा है सिए;

बत: बरू, उक्त विभिनियम की बारा 269-व की वन्धरण वा, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की व्याधारा /11 के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) राजरत्न बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स बाटा इंडिया लिमिटेंड

(अन्सरिती)

की वह त्यना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निय कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन को त्रकावन की तारीब से 4.5 दिन की नविथ या तत्स्त्रक्ष्यन्थी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी जर्बाध बाद को बवाध होती हो, के भीतर प्रवेशक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवास;
- (व) इस स्वता के रावपत्र के प्रकावन की वारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्च व्यक्ति इवारा वधोहस्ताक्षरी के बात विवित में किए वा तकांग।

त्रकडीकारणः—इसमे प्रयुक्त सन्ती और पर्दों का, बी अवध अधिनियमुको जभ्याय 20-क में परिभाणिका हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में क्यिं गया है।

अनुस्ची

"शाप नं० 37 जो तल मंजिल, कामदार शापिंग मेंटर, तेजपोल रोड़, विले पार्ल (पु०), बम्बई, 400057 में स्थित है। ग्रनुमूची जैमा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/24595/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनावः 9-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिन कि 28-4-1986

मोहरः

प्रकृष बाह् . टी. एन. एवं . -----

बायक: जीधनियत, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जधीन स्वना

शाहर स्रक्ता

कार्थास्य, तहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांच 28 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० श्रहे-2/37ईई/24516/85-86— श्रतः मुझे. प्रशांस राय,

भागकर अभिनियम, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भाग्न 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कार्यन हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मुख्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

1.00.000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिमकी मं० श्रीरीजीनल प्लाट नं० 312, विले पालें,
(पु), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर
पूर्णच्य से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीविनयम.
1961 की धारा 269 कल के श्रीवीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6-9-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान
श्रीतफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृस्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, ऐसे दश्यमान श्रीतफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और
बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया श्रीतफल, निम्निलिखत उप्योध्य से उक्त अन्तरण
लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (वं) ऐसी किसी आय या धन या बन्य बास्तियों का, जिल्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, था धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किना नवा वा कि वा बाना वाहिए था, छिपान में सुनिया के सिए;

बत्तः अथः, खच्छ विधिनियम की धारा 269-म खें बन्धरण कें, कें, सबस्र विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें बधीर, निस्तिसिक व्यक्तियों, वर्षात डि—-

- (1) श्रीमित जानकीबाई सीताराम **चौ**हान । (ग्रन्तरक)
 - (2) मेसर्ग अलका कन्स्ट्रक्शन को । (श्चन्तरिती)
- (3) भाडोत्नी । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोगर्में सम्पत्ति है) ।
- (4) मेसर्स कृष्णा कृमार एण्ड को०, श्रीर पेथे। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृत्रना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी विधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस सूचना के राजधात में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त खन्दों और पद्यों का, जो उक्त बीचीनयम, के बध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा स्रोरीजीनल प्लाट नं० 312, सी॰टी॰एस॰ न॰ 1773, फाईनल प्लाट नं० 187ए टी॰पी॰एस. नं० 5 विक्षे पार्ले (प्), बम्बई है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त ₍निरी**क्षण)** धर्जन रेंज, बस्बई

नारीख : 28-4-1985

प्रकल बार्स, दी. एत. एव.-----

बायकर बीधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के जधीन सुधना

गारा बरकार

कार्यात्रक, सहायक बायकर बाव्यत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 भंग्रेल 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ई-2/4394,85-86---यत: मुझे प्रशांत नाय,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विवतं इसमें इसमें इसके परचात् 'अक्त जिथिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार अनुस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 38-डों मेन ऐस्हेन्यू, सान्ताकुज (प) बम्बई 54 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्री: जिसका करारनामा ग्रीयकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के खाके ग्रीपिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है। दिनाँक 3-9-1985

को प्रवेशित सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान रितफल के लिए जन्तिरित की गई है और मृत्रे मह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्रवेशित सम्मित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिता) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकात, निज्वितिविद्य उद्योगित से अधिक है की वास स्वाप्ति के स्वत्र कारण कि विद्या पाया गवा प्रतिकास, निज्वितिविद्य उद्योगित से अस्त कारण कि विद्या वास विद्या के सारविक का से कि विद्या नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था या किया वाना चाहिए था, जियाने में सविधा जी विद्

चर: अव, उच्ये वीधीनवन की धारा 269-ग के, अनुसरण भी, भी, उपत विधिनवस की धारा 269-म की उपधारा (1) ६ कथीत विकास विकास का क्यांक्रकों, वर्षाया ड्रास्ट्रिस्टर्स (1) एन० टी० इस्टेटम् एण्ड इन्वेस्टमेंट प्राय**ळहे**ट लिमिटेंड।

(ग्रन्सरक)

(2) टोफानी कन्फेक्शनरर्स एण्ड बेंकर्स प्रायव्हेट लिमिटेंक

(भ्रन्तिरती)

को यह तुषदा पारी करके पृथाँकत सम्परित के वर्षत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर क्षना की तामीस से 30 दिन की अविध, पो भी मिशी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदराः
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के शीरर उनत स्थावर तस्पतित में हितवहस किसी जन्म काजित स्थारा अभोहस्ताकारी के गम विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक अरेग पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुपूची

जमीन का हिस्सा जो 35-डी० मेन ऐंक्हेन्यू, सान्ताकुज (य) बम्बई 400054 म स्थित है

भनुसुबी जैसानि कि सं० भई-2/37-ईई/24394/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बग्बई द्वापा दिनौंक 3-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनां क : 30-4-1986

श्रह्य बाइ'.टी.एन.एस.------

बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के अधीन सुघना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्तिन)

क्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्ब६ विनांक 30 क्रप्रैल 1986

निर्देण सं० ग्रई-12,37-ईई,24489,85-86--यतः, मुझें प्रणांस राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा-269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रां जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, मी० गोडडेस, जुह, बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधनियम की धारा_ 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्द्री है। दिनांक 6~9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उरुके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा क्या प्रतिफल, निम्नसिवित उक्षकेय से उक्त कन्तरण जिल्लिस में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण स हुइ किसी बाय की बावत, उक्त विधीनयम के अधीन कर दोने के बंतरक के बायित में कमी करने वा उसके बचने में सुविधा के सिए; और/का
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या कम्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उमत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, शि अनकर अधिनियम, शि अनकर अधिनियम, शि अनकर अधिनियम, शि अनकर जायोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना थाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिह:

कतः सब, धकत नीपनियम की पारा 269-व के वनुष्टक थे, थे, स्वतः सीपनियम की पारा 269-व की उपधारा (1) के क्रिकेट, निम्नालिखित व्यक्तितयों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती दीपा लक्ष्मी एस० गव। (ग्रन्तरकः)
- (2) मेसर्स रामनाथ इंटरनेशन । अन्स्ट्रक्शनस् प्रायन्हेट लिमिटें । (श्रुक्तिनिती)

कां वह त्यना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के विष् कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की ब्लिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वार इंगितर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा क्योहस्ताकारी के पाव तिचित में किंद् या सकोंने।

स्वच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को खक्त विधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

जनसंची

फ्लैट नं० 200, जे सी० गोडडेस प्लीट नं० प्लोट नं० 167, 182, 183, बम्बई जुहू, 400058 मे स्थित है।

ग्रन्भूची जैसा की कं० सं० ग्रई-2/37-ईई/24489/85- 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बरबई द्वारा दिनांक 6- 9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिवारी हारक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 30-4-1986

मोहरा

प्ररूप आई. टा. एन. एस. ---- -

भाग्नकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

बारत बहुस्का

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

% र्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निर्वेश सं० श्रई-2/37—ईई/25245/85-86श्र - यत: मुसें प्रशांत राय,

े कर आधारमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्त प्राधिकारी को वह निकास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित नावार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिजकी संव पति नंव 42, स्रायोना, सान्ताकूज (प), बग्बई 54 में स्थित है श्रीर इसा उपाबद अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, श्रीः जिसका करारनाम। श्रीयशर श्रिधिनियम की धारा 269 क, खंके श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बग्बई में रिक्टिंग है। दिनांक 27-9-1985

ी प्रॉक्त तम्मित के उचित बाबार मूम्ब से कम के उस्तान भितास के सिए बंतरित की गई है बार भूके यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्योंक्त सम्मित का उचित बाबार मूख्य, असके दम्यमान प्रतिकल में एम उप्यमान प्रतिफल का निद्ध प्रतिकत से बिभक है और अंतरक (मंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितिकों) के तीय एम अन्तर्थ के निए तब पाया बचा पितकम, विस्वतिविद्य उद्योक्त से उक्त सम्बर्ग किविब्र के सम्बर्ग के किव्यत

- (क) श्रीपरण से हुई किसी बाद की वाक्स, करूत अधि-जिसम के अभीन कर दोने के बेतरक के वाक्सित हैं कभी करने या उचने सभने में सुनिया के किए? कीर/सा
- (च) ऐसी किसी संग्र में किसी पत्र मा सम्ब मास्तियों की किसी भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) में उस्क मधिनियम, या पत्र का मधिनियम, या पत्र का मधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा नियम नाना चाहिए ना, कियान में सुविधा के सिए।

बतः अब, उन्न विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिविद्य व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) मेपर्स की० होमम् एण्ड ऐसोसिएट्स। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मुकेतू आर० दोशी।

(ग्रन्दरः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) रल सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज के 45 विन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनिभ, वो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्वित्तियों में से किसी स्वित द्वारा
- (क) इत स्वना के राज्यम में प्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित के किए का व्यक्ति ।

स्वत्वतिकरणः---इसमें प्रयुक्त कन्दों बीर पदों का, थे। अक्त विभिन्नियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा थे। उस बच्चाय में दिवा नवा ही।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 42, जो चौथी मंजिल, श्रायोना, प्लोट नं० 35/सी० 2, टी०पी० एस० 2, श्राजाद रोड, जुहू कोलीवाडा, सान्ता रूज (प), बस्बई 400054 में स्थित है।

अनुसुची जैसाि क० सं० अर्ड-2/37-ईई, 2524585-86 ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांकः 27-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बग्बई

विनांक: 30~4-1986

FOR HIS . AL . P. . ENCHMANNER HARD

(1) मेसर्स शहती।

(मन्दरक)

बायक्त निर्मानयम्, 1961 (1961 का 43) काँहे भारा 269-न (1) में स्पीन मुखना (2) श्री प्रकाश पांडू रंग नायक।

(अन्तरिती)

THE PERSON

कार्याचय , श्रष्टायक बायकर वायक (रिवर्ड्सका)

श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**६** बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/24920/85-86---यतः मुक्ते, प्रशात राय,

ध्यामकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमत जिस्ते अधिनियम के कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को मह जिस्सास करने जह स्मारण हैं कि स्थावण सक्यों का किनका उचित निवार मृत्य 1,00,600/- एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं 102 कार पार्कींग स्पेस नं० 4, मोलीटयूड माहीम, बम्बई 16 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसुची में श्रील पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रविनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है। दिनांक 17-9-1985

का प्रशेषित सम्पत्ति के उणित शाजास मृत्य में कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए शंकरित की नर्ज हैं जौर मुक्ते यह जिन्नाम करने का कारण है कि श्रथापृतिकत सम्पत्ति का उचित जाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल ते, एसे स्वयमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से अधिक हैं और जंतरक (वंदरकों) और संतर्भ रिती (वंतरितियों) के ग्रीज एमे बंतरण के मिए तय पाया गया परिकार निम्निविद्यात उद्यक्ति से उक्तम भंतरण मिरियल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उच्छें अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (छ) एसी ज़िली जाय या किसी थत या अन्य आसिसयो धीर जिल्ही भारतीय जागकर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या उक्क किथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ केलरिती ब्वार प्रकट महीं किया नया भा या किया जाना किहिए था, स्थिनने भें सुविधा के सिएए।

शह: तह राक्षत अधिनियम की भाग 269-म है अन्यरण मों, हों, तक्स अभिनियम को भाग 269-म की उपभाग (।) चै नालेंग गिम्हणिकित व्यक्तियों, क्ष्मति २०० 14—96 GI/86 को बहु सुचमा बारी कारके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जान के जिल्ला कार्यवाहिको सुरू करता हुई है

खबढ़ हर्मारित् में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नामीच् हल्ल

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीन से 45 दिस की अवर्षण या तत्त्रान्यकी व्यक्तियों पूर्ड स्थान की टामील से 30 दिल की नविभ, को औ सर्वाक याथ में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविका काविसमों में से किसी क्यमित स्वाह्य;
- (ब) इब स्वा के राजधन में प्रकालन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिलंबव्य क्रियी जन्म व्यक्ति बनारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में क्षिए जा नकींगे।

स्मक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिन्दम के अध्याद 20-क में परिभाषिक हैं. बड़ी अर्थ होंग जो उस अध्याद में हिना गुणा हैं.!

अन्स्ची

पलैट नं 102, जो पहली मंजिल, श्रीर कार पार्कींग स्पेस नं 4, जो सोलीट्यूट बिल्डिंग, प्लोट नं 401, टी॰ पी॰ एस॰ नं पीमाम्बर लेन, माहीम (प), बम्बई-400016 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि %० सं० श्रई-2,37-ईई/24920/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 17-9-1985 को रजिस्टर्ड जिया गर्थ। है।

> प्रणातः राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, रेंज-2 कम्बर्ष

दिनौंक: 30-4-1986

एक्ष बार् क खेल स्वतः स्वतः

मामकार मीप्रियम, 1961. (1961 का 48) की धारा 269-म (1) में मधीन मुख्या

माउन दरकात

हक्ष्मविक्य , - अहायकः भागकर जान्यतः विकासिक्य) प्रजीत रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनॉक 30 घ्रप्रैल 1986

निदेश सं० मई-2/37-ईई/24919/85-86--म्रतः मुसे प्रशांत राय

ल्लाककर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्क्यो परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 703, सोंलीटयूड, माहीम (प), बम्बई 16 में स्थित हैं (और इससे उपाबद ध्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है।

का वृश्येक्त सम्मित के उपकार बाकार यूक्य से कम के इस्वज्ञान इतिकास के किए अन्तरित को गई है कि मुझे वह विस्तात करने का कारण है कि वथापूर्वीक्त संपरित का उपित ठाजार मूक्य, उसके इस्यमान प्रतिकत से एसे इस्यमान प्रतिकत के बन्तह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) औड बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरक के बिल् क्ष्म का यया प्रतिकास, विम्मितिकात स्वापेस के उपल अन्तरण "सिका में वास्तिक कम से किल्ड वहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण में हुई किसी नाय की शबल, उन्तर विधियन में अभीन कर दोने की बन्तरक के विभिन्न में कभी करने ना उत्तरे वनने में नृतिका में किस्: मीड/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आफ्तियों को चिक्न भारतीय नाम-कर अभिनियम, 1922 हैं 1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या चन्-कर विभिन्न , 1957 (1957 का 27) स्त्रे अवोचनार्थ अन्यरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया जाना भा, कियाने में सिन्धा के निक्;

नकः अव, उनतः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निक्तिवित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) मेसर्स आकृतीय।

(जन्तरक)

(2) दिनेश पांडूरंग नायक ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कुमित्तिक के क्वीन-के सम्मान्यक को कोई भी नाकों :---

- (क) इस स्कूत्रा के-राजपण यें प्रकाशन की लागरिय के 45 दिन की अवधि या तत्संकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि;ेषां भी अवधि बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर स्पूर्वोक्स व्यक्तियों यें से किसीलक्यकित.ह्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपम् में प्रकावन की तारीच वे 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति वृद्धार ज्ञाब्स्साक्षरी के पास जिल्लात में किए जा सकेंगे।

नवक्कीकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और सर्वे का, तके अवद ावीधीनयम्, केलक्यस्य 20-कत्वे परिभग्नेवत द्वी, बही वर्ष हरेगा खें उद वश्याय∴वे दिवा प्या हैं।

नग्स्यी

पलैट नं० 703, जो सातवीं मंजिल, सोलीटयूड बिल्डिंग प्लाट नं० 401, टी० पी० एस० नं० 3, पीताम्बर लेन, माहीम (प), बम्बई 400016 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० Ψ ई-2/37-ईई/24919/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोंक 17-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

दिनांक: 30-4-1986

नोहर :

and and all and a second

भागमध्य वृत्तिव्यव्, 1961 (1961 का 43) वर्धे भारत 269-म (1) वे वृत्तीन वृत्त्वा

बाह्य क्षान्त

कार्याचन , बद्दायक बावकर बागुक्त (निहुक्तिक)

ग्रजॉन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 ग्रप्रेल 1986

निवेश सं० मई-2/37-ईई/24921/85-86--मतः मुझे प्रशति राय

भागमर समिनियम; 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके नग्नात् 'छस्तु महिषानयम' सद्द्या पथा हीं, की भाग्न 269-स के मधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह नियमक करने का कारम् ही कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका क्षित्रं वाचार मुख्य 1,00;000/- क. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, कार पार्कींग स्पेस नं० 1, सोलीटयूड, माष्ट्रीम (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है), और जिसका करारतामा धायकर ध्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 17-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ट्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिक्री (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निचित में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमितियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/अ
- (क) एरेती किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती षुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के के जिहा:

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाराः (1) के अधीन, निकारिकाच्या अधिनवार्गे, अधीत् :--- (1) मेसर्सं भ्राकृती।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरेण पांजूरंग नायक।

(अन्तरिती)

करं यह बुक्का ब्राटी करने प्यानित संप्रितः ये वर्षन वे ब्रिह्य कार्यवाहियां करता होते।

वक्त संबद्धि के कर्बन के संबंध के कार्य भी आवर्ष 🖦 🦈

- (क) इव बुषमा के एक्पम में प्रकाशन की ताएकि। के 45 दिन की अवित या एएक्पमन्त्री व्यक्तिनी नरें बुषमा की साबीज से 30 दिन की अवित अवित की निर्माणी बन्धि वाद में एकाच्य होती हों, के जीएरे पूर्वाचिक्क व्यक्तिनी में से किसी व्यक्तिक्षोक्का
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बेक्षे किती केन्य व्यक्ति इताय अभोहस्तीकारी की विश्व निविद्य में कियु का स्कीन।

स्वकातिकरणः — इसमाँ प्रयुक्त शक्यों और पवाँ का, वो उच्छ वीवविवन, के अध्याद 20-क में परिभाविति। ही वहीं वर्ष होता, वो उस् मुध्याद में दिवाँ वंदा।

अन्सूची

पर्लंट नं० 601, जो छठवीं मंजिल, यौर कार पार्कींग स्पेस नं० 1, जो सोलीटयूड बिल्डिंग प्लोट नं० 401, ग० पी० एस० नं० 3 पीताम्बर लेन, माहीम (प), बम्बई 400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/24921/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बाई द्वारा दिनांक 17-9-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> प्रशांत. राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर <mark>मायुक्त (निरीक्षण</mark>) भ्रजन **रैंके**-2: बस्कर्ष

दिनांक: 30-4-1986

प्ररूप आहें. ही. एन. एस. -----

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक माधकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजँन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/24408/85-86--श्रतः मर्झे, प्रशांत राय

कारकार जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त जिमिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थात करमें का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिथक ही

चौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, मंगल धाम, माहीम बस्बई 16 में स्थित है (और इससे उपावब प्रनुस्ची में और पूर्ण रुप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की

धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजीस्दी हैं, दिनांक 3-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रियमान अतिफक्ष के किए जेल्रेरत की गई है और मुक्ते यह विकास कर्म का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रियमान प्रतिफल से एसे ध्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ख्रिय नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचमे में सुविधा के लिए; और/या
- (या) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आ उनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्वीवधा के किए।

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिसिस अधिनतयों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स एम० पी० कंस्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रली रजी इस्माईल और श्री शबीरली रोमनली।

(अन्तरिती)

को यह मूचना बारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

धनका सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध मों कोर्क्स भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्वीक्त स्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यभ में श्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास जिल्लिक में किए जा सकेंगे।

साका करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विधिनिवम, के बध्याय 20-क में दिसाबित हैं, वहीं वर्ध हाथा की उस अध्याय मा दिया भेषा हैं।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 102, जो पहली मंजिल मंगल धाम, 191, केडेंल रोड, माहीम, बम्बई 400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि॰ सं॰ श्रई-2/37-ईई/24408/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई छारा दिनांक 3-9-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय न्धम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 30-4-1986

प्ररूप वार्ड टी.एन्.एस. ५५०-५५-५

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजयं, सहायक आयकर नायुक्त (मिरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

् बम्बई, दिनांक 30 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/25336/85-86--ग्रतः सुर्भे प्रशांत राय

आय अह विभिनियम, 1961 (1961 का 43) विवा इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उनते अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जधीन सक्स प्राधिकारी को यह निश्चात करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बद्धित विकास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बद्धित विकास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बद्धित विकास करने का अधिक हैं

अर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, मंगल धाम, माह्रीम बम्बई अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है। दिनांक 27-9-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृशेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किली आव की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर घेने को अंतरक को साजित्य में अपनी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उधत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविभा के बिए।

जत: अव, उक्त अधिनियम की भाग्न 269-ग के अनुकरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स एम० पी० कन्स्ट्रबशनस

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर श्रणोक कुमार रामचन्य और मास्टर गोविंद प्रकाण पीतांबर।

(मन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- धर्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं॰ 701, जो सातवीं मंजिल, मंगल धाम 191, केडेंल रोड, माहीम, बस्बई 400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर संर श्रई-2/37—ईई/25336/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-9-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

विनांक: 30-4-1986

मोहर:

मुक्तः वादः द्वी . सुक् . पुत्र पुत्रप्रशासनकातः

नायकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

शारत शरकार

ভাৰতিবg বহাৰক পাৰকং বাৰ্ণৰ (বিংটাৰত)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 भग्नेल 1986

निदेश सं० ए० ग्रार० 2/37 जी०-3819/सी० तं० 85--अतः मुझें प्रशांत राय

वायक र किथिनिक्क , 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्तें इसकें वस्याद जिस्से किथिनिक में कहा गया हैं), की बाद्ध 269-वा के वधीन संक्षण प्रतिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 382 सी० टी० सर्वे नं० ई-294 चौबवा रोड, खार बम्बई 400052 में स्थित है (और इससे ज्याबद अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिकत्त को निम् नंतरित की नहीं ही और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण ही कि वजान्वोंकत संवर्षित का अजित बाजार नृत्य, उद्यक्ते क्यबान प्रतिकत से, एोडे क्लाबान प्रतिकत का क्लाइ प्रतिकत विभिक्त ही और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरितीं (बन्तरितियों) के बीच एोडे बन्तरण के तिए तब पाया जवा प्रविक्ता, विश्विधिया उद्यक्ति क्लाइन बन्तरण निवित्त में बास्तर्विक क्ल से क्षीचड शहीं किला क्ला ही ह—

- (क) बन्तरम् सं हृद्दं भिन्नी साम की शायह, उनस् वृधिनिक्त में अपीत कर वोते में बन्तरम् से सुवितन में अभी सहते या उन्हों बन्ते में बृचिता के किए; संदर्भ
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना वच्छ अधिनियम, 1922 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याग्य प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना चाहिए था कियाने में श्रीवर्ध के विष्यः।

व्यवः अव, उनत विधितियमं की भारा 269-ग के अनुकरण मों, मीं, उनत विधितियमं भी भारा 269-च की उन्धारा (1) के अभीन, विस्तिभिवित स्वितियों, अर्थात् ः—— (1) डा॰ भ्रार० डी॰ गुप्ता, श्री व्ही डी॰ गुप्ता और श्री ग्रार॰ जी॰ भ्रावेगावकर

(प्रसरक)

(2) दासोधर स्मृती को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(भन्तरिती)

(3) सोसायटी के सदस्य। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सुषका बादी करके पुना कर वृत्यात्व वृत्यात्व के मुर्जन के जिए कार्यवाहियां मुख्य करता हो।

अवत क्यारिक के गर्वन के क्यार्थ में कोई भी वार्तन है----

- (क) इस प्रमान के प्राथम में प्रकाशन की तारीय से
 45 रिज् की जुनीय वा तरकम्बन्धी न्यतिस्कों पूर
 यूप्या की तानीय से 30 दिन की वर्षीय, भी औ
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्या
- (क) इस ल्वना के ध्वपन में प्रकासन की तहरीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितव्यथ किसी बन्ध व्यक्ति व्वाध अधोहस्ताक्षरी के पाछ दिश्वित में दिश्व का क्वेंचे।

स्वक्रीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पनी का को उक्त विधिवित्तमं, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उत्त वध्याय में दिया नेपा ही।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकी विलेख सं० 338/1979 और जो उप-रिजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक सितम्बर 1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 30-4-1986

मोह्रर :

ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-110003, the 6th May 1986

No. A-11/6/86.—Shri B. Kistoorchand, Assistant Enforcement Officer in this Directorate is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer in Bombay Zonal Office-I of this Directorate with effect from 13-3-1986 (Forenoon) and until further orders.

No. A-11/9/83.—Shri P. V. Balasubramani, Assistant Enforcement Officer in this Directorate is hereby appointed to officiate as Enforcement Officer in Bombay Zonal Office-I of this Directorate with effect from 19-2-1986 (Forencon) and until further orders.

L. K. SINGHVI Dy. Dir. (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 12th May 1986

No. O.II.2143/86-Estt-I.—The President is pleased to appoint Dr. Prasun Kumar Pathak as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25th March, 1986, till orders.

The 15th May 1986

No. O/II.2203/86-Estt.L.—The President is pleased to appoint Dr. Dinesh Thakur as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5th May, 1986, till further orders.

ASHOK RAJ M. Asstt. Director (Eatt.)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 12th May 1986

No. E-16013(1)/21/84-Pers.I.—Consequent on his appointment on deputation as DIG in Commission for SCs and STs New Delhi, Shri R. P. Kureel, IPS (HP: 68) has relinquished the charge of the post of DIG. CISF Unit, BCCL, Jharia with effect from the afternoon of 23rd April, 1986.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General / CISF

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECO. AFFAIRS) CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 13th May 1986

No. ESC-1-17/3313.—General Manager, Currency Note Press, is pleased to appoint the following Officers substatively to the posts mentioned against each in Currency Note Press, Nasik Road, w.e.f. 24-2-86.

- (1) Shri P. D. Jadhav, Administrative Officer.
- (2) Shri S. M. Nagpal, Dy. Control Officer.
- (3) Shri S. N. Kurdi, Dy. Control Officer.
- (4) Shri S. C. Kanade, Dy. Control Officer.
- (5) Shri V. N. Zadhuke, Dy. Control Officer.

S. D. IDGUNJI Genl, Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I, (A & E) MAHARASHTRA

Bombay, the 29th April 1986

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/23.—The Principal Accountant General, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint Shri J. K. Vakil, Section Officer to officiate as Accounts Officer, w.e.f. 28/4/1986 F.N. until further orders.

T. K. AYYAR, Sr. Dy. Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) RAJASTHAN

Jaipur, the 12th May 1986

No. Admn. I (Audit) /P-13044/181.—The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Assistant Audit Officers to the post of Audit Officer (Group 'B' gazetted) in the scale of Rs. 846-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity till further orders from the dates noted against each:—

- S. No. Name and Date of Promotion
 - 1. Shri R. P. Bhargava—29-4-86
 - 2. Shril Arpan Ghosh-29-4-86
 - 3. Shri Roop Narain Khandelwal-29-4-86
 - 4. Shri Ratan Lal Kothari (N.B.R.)-29-4-86
 - 5. Shri Durga Sahai Yadav—29-4-86

A. MUKHOPADHYAY Dy. Acountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E), WEST BENGAL

Calcutta-700 001, the 8th May 1986

No. Admn.I/1038-XXI/104.—The Accountant General (A&E), West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis Shri Narayan Chandra Bhadra, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity w.e.f. 10-4-86 (FN) or the date on which he actually takes over charge thereafter as Accounts Officer in this office whichever is later and until further orders.

It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will subject to final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818 (W) of 1979.

The newly promoted Accounts Officer will have to exercise option within one month. On their promotion their pay shall be first fixed under FR 22C and in case they exercise option in terms of para 2 (b) of OM dated 28-9-81 within the prescribed period of one month, their pay should first be fixed under FR 22(a)(i) with effect from the date of their promotion and then FR 22C only w.e.f. the date of next increment in the feeder post.

Sr. Dy. Accountant Genl (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-66, the 16th May 1986

No. AN-I/1710/5/I.—Consequent on the expiry of notice for voluntary retirement given by Shri B. Swaminathan, an officer of the Indian Defence Accounts Service, under the provisions of Rule FR 56(k), and having been permitted by the competent authority to voluntarily retire from service,

Shri B. Swaminathan, IDAS has been transferred to the Pension establishment and struck off the strength of this Department with effect from 30-04-86 (AN).

R. B. KAPOOR Addl, Controller Genl. D.A. (Admn)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 7th May 1986

No. 29/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri D. K. Gupta, Offg. Works Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service w.e.f., 30-9-1985 (AN).

No. 30/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri C.M. Guha, Offg. Asstt. Works Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service w.c.f. 31-3-1986 (AN).

No. 31/G/86.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri H. N. Paul, Offg. Asstt. Works Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service w.c.f. 31-12-1985 (AN).

M. A. ALAHAN Jt. Director/G

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND FXPORTS

New Delhi, the 5th May 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1167/77-Admn(G).—On attaining the age of superannuation, Shri P. C. Nourd, Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th April, 1986.

No. 6/417/56-Admn(G).—On attaining the age of superannuation, Shri Banarsi Dass, Joint Chief Controller of Imports and Exports (Grade I of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1986.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports

For Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 1st May 1986

No. A-19018(794)/86-A(G),—The President is pleased to appoint Smt. Pushpam Joseph, a Grade I officer of the Indian Economic Service and Deputy Adviser, Planning Commission, New Delhi as Economic Adviser at the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi with effect from the afternoon of 14-3-1986 until further orders.

The 5th May 1986

No. A-19018(191)/85-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Development Officer (Chemical) in Director General of Technical Development, New Delhi, Shri D. P. Singh relinquished charge of the post of Dy. Director (Chemical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 18-4-1986.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

New Delhi-110001, the 30th April 1986

No. A-17011/311/86/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Gaya Prasad, Examiner of Stores, (Engineering) in the Office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same office from the forenoon of 4th April, 1986 and until further orders.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

DISPOSALS

New Delhi, the 13th May 1986

No. A-1/2(435).—President is pleased to appoint Shri Brijendra Singh Meena as Assistant Director (Litigation) (Grade I) in the office of Directorate of Supplies (Textiles) Bombay on regular basis with effect from the date he resumes duty and until further orders.

V. SAKHRIE Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 7th May 1986

No. C-36/707—The undermentioned Officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisonal basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against such :—

| Sl. No. | Name | | | | No. & date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional basis | Unit/Office to which posted | Date of promo- tion |
|------------|----------|---------|---|------|--|--|------------------------|
| 1 | 2 | | | | 3 | 4 | 5 |
| S/Shri | | | | | | | |
| 1. Jagdish | Kumar . | | | ٠ | Notification No. C-5395/707 dt. 24-7-1978, | No. 16 D.O. Map Publication Dtc. Dehra Dun. | 29-1-1985 (F/N) |
| 2. A. P. S | semwal . | | ٠ | • | Notification No. C-5481/707 dt. 19-4-1979. | Map publication Office Dehra Dun. | 11-2-1985 (F/N |

| 1 | 2 | | | | | 3 | 4 | 5 |
|-------------------|----------|----|---|---|---|---|--|-----------------|
| S/Shrì | | | | | | | | |
| 3. Z. Kerketta (S | ST) | - | | | • | Notification N > C 8/707 dt. 28-11-1978. | No. 75 Party (FC), Patna. | 11-2-1985 (F/N) |
| 4. Rajbir Singh | | | | • | | Notification No. C-5836/707 dt. 12-7-1982. | No. 57 Party (NWC) Chandigarh. | 11-2-1985 (F/N) |
| 5. Vidya Dutt K | ainthola | | - | • | | Notification No. C-5859/707 dt. 3-9-1982. | No. 15 D.O. Map Publication Dte. Dehra Dun. | 29-4-1985 (F/N) |
| 6. D. P. Badoni | | • | • | | | Notification No. C-5481/707 dt. 19-4-1979. | M.R.J.O. Map Publication Dte. Dehra Dun. | 28-1-1986 (F/N) |
| 7. S. L. Khanna | • | | | | • | Notification No. C-5611/707 dt. 25-3-1980. | No. 83 Party (WC) Jaipur. | 30-1-1986 (F/N) |
| 8. S. S. Rawat | - | | • | • | • | Notification No. C-5878/707 dt. 4-11-82. | Survey (Air) Dte. New Delhi. | 20-1-1986 (F/N) |
| 9. Hari Prasad (| SC) | | | - | • | Notification No. C-5456/707 dt. 20-1-1979. | Boundary Cell (SGO), New Delhi | 11-2-1986 (F/N) |
| 10. Jaswant Singh | 1 , | | • | | • | Notification No. C-6038/707 dt. 17-1-1984. | No. 16 D.O. Map Publication Dte. Dehra Dun. | 29-1-1985 (F/N) |
| 11. Parshotam Da | ass . | • | | - | | Notification No. C-5836/707 dt. 12-7-1982. | No. 90 Party (NC) Dehra Dun. | 26-4-1985 (F/N) |
| 12. Chander Sing | h. | | • | • | | Notification No. C-5859/707 dt. 3-9-1982. | No. 70 (Forest) Party (NC) Dehra Dun. | 25-2-1985 (F/N) |
| 3. Shiv Nath Sin | gh Panwa | ar | • | • | | Notification No. C-5836/707 dt. 12-7-1982. | M.R.I.O. (Map Publication Dtc.) Dehra Dun. | 11-2-1985 (F/N) |
| l4. Tilak Dass (S | C) | | • | • | | Notification No. C-5878/707 dt. 4-11-1982. | No. 2 D.O. (N.C.) Dehra Dun. | 1-7-1985 (F/N) |
| 15. B.P. Pant . | • | | | ٠ | | Notification No. C-5859/707 dt. 3-9-1982. | No. 16 D.O. (M.P.) Dhera Dun | 11-2-1985 (F/N |

G. C. AGARWAL Major Genera Surveyor General of India (Appointing Authority)

DEPARTMENT OF TELECOMMUNICATIONS OFFICE OF THE DIRECTOR MAINTENANCE, SOUTHERN TELECOM SUB REGION Cochin-682016, the 17th February 1986

No. 33/DM/DISC/CAJ/4.—Shri C. A. James, Junior Engineer of Kerala Telecom Circle is removed from the ser-

vices of the Department of Telecommunications by an order of Director Maintenance, Southern Telecom Sub Region. Ernakulam. The removal will come into effect from the date of publication of this notification in the Gazette.

K. BALAKRISHNAN Director Maintenance

DIRECTORATE GENERAL; ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th April 1986

No. 17/4/86-S. IV.—Consequent upon their promotions, the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed the charge of the posts of Assistant Engineer at different offices of All India Radio and Doordarshan from the dates as shown against each :—

| Sl. No. Name | | | | | Station/Office | Date of Joining | | |
|-------------------------|--|--|--|---|----------------|--------------------|---------------------|----------------|
| S/Shri | | | | | | | | |
| 1. B.K.S. Cheema | | | | | • | | DDK, Jalandhar | 7-3-86 (A.N. |
| 2. K.M. Verma | | | | | | - | AIR, Visakhapatnam | 24-2-86 (F.N.) |
| 3. N. Madhavan Potty . | | | | | | | UDK, Cuttack | 16-3-86 (F.N.) |
| 4. Felix Xess | | | | | | | AIR, Gangtok | 12-3-86 (F.N. |
| 5. G.C. Mathur | | | | , | | | AIR, Najibabad | 28-2-86 (F.N. |
| 6. Amiya Kumar Majumdar | | | | | | | DDK, Calcutta | 14-1-86 (F.N. |
| 7. A. Satyanarayanan . | | | | | | | AIR, Gulbarga | 28-2-86 (F.N.) |
| 8. K.S. Singh | | | | | , | | AIR, Suratgarh | 1-1-86 (F,N, |
| 9. P. Janardhanaswamy . | | | | | | | LPT-TVRC, Akola | 7-4-86 (F.N.) |
| 0. J. Vaidyanathan | | | | | | | LPT-TVRC, Singrauli | 8-4-86 (F.N.) |
| 1. Mathew John | | | | | | | AIR, Cuddapal | 14-4-86 (F.N. |

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7th May 1986

No. A. 19025/1:/96-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Sanjay Mittal has been appointed to officiate as Assistant Marketing Development Officer in this Directorate w.c.f. 10-12-1985 (F.N.) until further orders, by the Agril. Marketing Adviser to the Government of India.

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agril. Marketing Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 12th May 1986

Ref. DPS/2/1(20)/83-Adm/2483.—In continuation to this Directorate Notification of even number dated March 3, 1986, the Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Suresh Shantaram Prabhu Zantye, a permanent Upper Division Clerk and Officiating Asstt. Accept to officiate as an Asstt. Accounts Officer on an ad-hoc basis upto 29-5-1986 (A.N.) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Buland Shahr the 15th May, 1986

No. NAPP/Rectt./11/(6)/86-S/5172.—The following ad-hoc officiating appointments as Assistent Accounts Officer, notified vide Notification No. NAPP/Rectt/11(6)/84/S/10979 dated September 19, 1985, No. NAPP/Rectt/11(6)/86/S/454 dated April 25, 1986 stand terminated with effect from the dates as indicated against each:—

| Sl. No. Name & Designation | Ad-hoc ap- pointment stand termi- nated with effect from |
|--|--|
| S/Shri | |
| T.M. Govindan Kutty Assistant Accounts Officer | 30-4-86 (Ferenoon) |
| 2. M.K. Suresh | 26-4-86 (Forenoon) |
| 3. Smt. P.A. Tejwani | 25-4-86 (Forenoon) |

No. NAPP/Rectt./11(6)/86-S/5173—Project Director, Narora Atomic Power Project hereby appoints following persons to officiate as Assistant Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in Narora Atomic Power Project with effect from the date indicated against each until further orders.

| Sl. No. Name | | - - | | | | ·• | | - | | | Designation | Date of appointment |
|-------------------------|---|----------------|-------------|---|----|----|---|---|---|---|--|---------------------|
| S/Shri 1. C. Vasudevan | , | | | | | | | | | | Assistant Accountant | 25-4-86 (F.N.) |
| 2. K.P. Sharma | • | | | • | • | • | | • | • | • | Assistant Accounts Officer on transfer from R.A.P.S. | 26-4-86 (F.N.) |
| 3. Ram Nath . | | | | • | •• | | • | | | - | Accountant | 30-4-86 (F.N.) |

SAMIR HUKKU Chief Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 16th April 1986.

Ref. No. HWPs/Rect./Aug/85/1947.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri J. E. Devakaram, Scien-

tific Assistant-C, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Gr. SB) in the same plant w.e.f. the forenoon of 1-8-85 until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

(DEPARTMENT OF SPACE)

ISRO: SHAR CENTRE

P&GA DIVISION

Sriharikota 524 124, the 25th April 1986

No. SCF: PGA: ESTT: III: 1-72—The Director hereby appoints on promotion the following officials to the post of Sci. Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:—

| Sl. No. N | ame | Designation | | Date appointment | | | | | |
|---|-----|-------------|--|-------------------------|--|------|------|------------------|--------------------------|
| 1 2 | | | | | | | | 3 | 4 |
| S/Shri 1. M. Parthibar 2. K. Siva Prasi | | | | , | | | | Sci. Engineer—SB | 01-04-1986 01-04-1986 |

| | | | | | | ut | |
|-------------------------|---|--|--|---|--|-------------------|------------|
| 1 2 | | | | | | 3 | 4 |
| 3. V. Venkateswaran . | | | | | | Sci. Engineer—SB | 01-04-1986 |
| 4. V.V.V. Anjaneyulu | • | | | | | Sci. Engineer—SB | 01-04-1986 |
| 5. K.R. Ravi | | | | | | Sci. Engineer—SB | 01-04-1986 |
| 6. D.V. Purnaiah Sastry | | | | - | | Sci. Engineer -SB | 01-04-1986 |

P. S. NAIR
Head, Personnel & General Administration
for Director, SHAR

| OFFICE OF T | OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF | | | | | | | | | | | | |
|--|-----------------------------------|---------|---------------|----------|--------|-------------------------------------|---------|----------------|-----|---|------|---|----------|
| | | AVI | | | E INI | KAL OF | _1 | | | | | | 3 |
| New Delh | 110 | 066, t | he 1 | 7th A | April, | , 1986 | 06. В. | S. Kochar | | | | , | 29-11-81 |
| No. A. 30013/1/8 point the following | | | | | | | 07. U. | .K. Sinha | • | | | | 01-12-84 |
| (Pay Scale Rs. 700- | | | | | | | 08. Pr | abhakar Gupta | | | | | 13-04-84 |
| in a quasi-permanent ted against each: | . cap | acity v | with c | effect i | from | the date indica- | 09, V. | Govarthanan | | | | - | 15-04-84 |
| teu against each | | | | | | | 10. N | R.N. Iyengar | | - | | | 02-07-83 |
| | | | | | | D. (| 11. A. | K, Sangal | | | | | 04-12-84 |
| Sl. Name No. | | | | | | Date of cligi- bility for quasi- | 12. S.I | D, Awasthi | | | | | 22-12-84 |
| - | | | | | | permanent | 13. A. | V. Krishua | | | | | 31-12-84 |
| | | | | _ | | status . | 14. K. | .R. Ramanujam | | | | | 02-07-83 |
| 1 2 | | | | | | 3 | 15, K. | . Ramakrishna | | | | | 02-06-85 |
| ellet. | | | | - | | | 16. R. | Maheswari | | | | | 11-06-85 |
| S/Shri | | | | | | 10.00.01 | 17. M | .L. Dhar | | | | | 02-07-83 |
| 01. D.P. Agnihotri | • | • | • | • | • | 19-09-81 | 18. V. | Subramanian | | | | | 02-07-83 |
| 02. Dipak Pal . | ٠ | - | • | • | • | 18-11-81 | 19. B. | N. Chawla | | | | | 02-07-83 |
| 03. Debasish Ghosh | • | ٠ | - | • | ٠ | 16-11-81 | 20. S. | D, Bansal | | | | | 02-07-83 |
| 04. S. Lal H. Kumar05. A.K. Tikoo | | | | | | 01-03-82 19-09-81 | 21. K | .S. Narayanasw | amy | | | • | 02-07-83 |

The April 29th April 1986

No. A. 38013/1/86-EC — The undermentioned officers of the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office with effect from the date indicated against each on retirement from Government service on attaining the age of Superannuation:—

| Sl. No. Name & Designation | | | | Station | Date of retirement |
|---|---|--------|------|--------------|--------------------|
| S/Shrì | * | ······ | | | |
| 01. R.S. Nayyar, Assistant Communication Officer | | | | ACS, Delhi | 31-10-86 (A.N.) |
| 02. K.L. Patwa, Assistant Communication Officer . | | - | | ACS, Gaunati | 31-01-86 (A,N.) |

V. JAYACHANDRAN Deputy Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Calcutta-1, the 30th April 1986

Subject:—Promotion, transfer and postings in the grade of Superintendent Gr. 'B'

1. Promotion:

Establishment Order No. 107/86.—The following Inspector of Central Excise in the combined cadres of Collectorate of Central Excise, Cal-I/II/Bolpur is hereby appointed

provisionally on promotion to efficiate in the grade of Superintendent of Central Excise, Gr. 'B' in the prescribed time scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under the rules w.c.f. the date he assumes charge of higher post (Supdt. C.Ex. Gr. 'B') at the place of his posting until further orders.

| Sl. | No | Name | and Ex | isting | Posting | |
|-----|----|------|--------|--------|-------------------|---------------|
| 1. | | Shri | Hindal | Kr. | Majumder—Cal.—'F' | Diyn. CalI |

2. The abovementioned promotee officer is further warned that this appointment in Gr. 'B' posts is purely provisional and subject to revision/modification against the post allotted to direct recruits and other officers to whom the Government may eventually decide to allocate the posts. In other words the officer promoted provisionally will be brought to rosters alongwith direct recruits (when they become available) in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs Order No. 9/11/55/SRPS dated 22-12-59 and if he becomes surplus to the establishment at the time he will be reverted.

3. His promotion will be subject to final outcome of the writ petition C.R. No. 8496(W) of 1984 filed by Shri Gour Kr. Dey, Inspector (SG) and in presence of the order in the contempt applications one post has continued to be kept vacant.

This promotion is also subject to the final outcome of the writ petition filed by Shri S. R. Dutta Sharma, Inspector and others on reservation matters,

II. TRANSFER AND POSTING

The following postings and transfers are hereby ordered with immediate effect and until further orders:-

| Sl. No. Name of the officer Existing postings | | | | | Existing postings | Posting in promotion/ transfer | |
|--|---|--|--|---|-------------------|--|---|
| S/Shri 1. Hindal Kr. Majumdar 2. Shanti Ranjan Dutta | • | | | • | | Cal-'F' Dn. Cal-I Under order of transfer to Bolpur Coll'te vide this office Estt. Order No. 48/86 dated 27-2-86. | Bolpur Coll'te. Cal-II Coll'te. vice Sri P.R sarkar, Supdt. Gr. 'B' retiring on 03-4-86. (In partial modification of this office Estt. order No. referred to in Col. 3) |

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the dates of assumption of charge of Supdt. C. Ex. Gr. 'B' by promotee/transferee may be forwarded to the Dy. Collector (P&E) C. Ex. Cal-J/II/Bolpur.

The promotee officer should exercise his option within one month from the date of promotion regarding fixation of pay on promotion in terms of M.H.A. O.M. No. F/7/1/80/Estt./Pt. I dated 26-9-81.

The officers should be relieved immediately by local arrangement,

C. BHUJANGASWAMY
Principal Collector
Central Excise & Customs

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 15th May 1986

No. A-19012/1154/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Brojendra Mohan Ghosh, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 11-9-1985.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. (C) Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 16th May 1986

No. 26-15/86-Estt.(M)—Shri L. N. Utreja Officiating National Strative Officer in the Central Ground Water Board is appointed in a substantive capacity against a permanent post of Administrative Officer in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the 27th February 1986.

S. K. DAS Chief Engineer & Member

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 13th May 1986

No. 33/2/83-EC IX.—The President is pleased to appoint Kum. Shobhana Kali Krishna Chatterjee a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-40-

1300 (plus usual allowance) with effect from 7-4-86 (F.N.) on the usual terms and conditions.

2. Kum. Chatterjee is placed on probation for a period of two years with effect from the date of her appointment.

PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Administration

MINISTRY OF TRANSPORT (DEPARTMENT OF RAILWAYS) (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 19th May, 1986 PUBLIC NOTIFICATION

No. 86/RE/161/6—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the undernoted section of Chandrapura Complex of South Eastern Railway' that the Over-Head Traction Wires on these lines have been energised at 25000 Volts A.C. on the dates specified against the sections below. On and from the same date the Over-Head Traction Lines shall be treated as LIVE of all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said Over-Head Lines.

| S | Section | | | Date of energisation |
|------|--|---|---|----------------------|
| (i) | Bhojudih—Mohuda . (Km 313 580 to 333 543) | • | | 25-2-86 |
| (ii) | Mohuda—Gomoh (Km 333 453 to 355 610) | | • | 31-3-86 |

A. N. WANCHOO Secretary Railway Board

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 14th May 1986

No. 5/86.F. No. 22/2/85-Adm.I(B).—Following the recommendations of the DPC (Group B), the Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri R. K. Gupta, Supervisor who satisfy all the conditions of "Next Below Rule" while on deputation on foreign service in absentia to the Grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (E&M) of the Central Power Engineering (Group B) Service in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810 EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Central Electricity Authority in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 31st January, 1986 until further necessary orders.

Shri Gupta would be on probation for a period of 2 years w.e.f. the 31st January, 1986.

R. SESHADRI, Under Secy.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL Bombay-400020, the 13th May 1986

No. F.48-Ad(AT)/1986.—Shri S. K. Biswas, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 1-2-1986 vide this office notification No. F.48-Ad(AT)/1986, dated 4th March, 1986 is permitted

to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Gauhati for a further period of 3 months with effect from the 1st May, 1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. K. Biswas, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri R. Dakshinamoorthy, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Madras Benches, Madras who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cochin Bench, Cochin on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 1-2-1986 vide this office notification No. F.48-Ad(AT)/1986, dated 4th March, 1986 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Madras Benches, Madras for a further period of 3 months with effect from the 1st May, 1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. Dakshinamoorthy, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of senjority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

PORM ITMS

NOTICE ! NDER SECTION 269D(1) OF THE ENCUMB-*AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Szi Nipendra Mohan Ghosh Narayanpar, Sarat Sarani P.O. Bandel, P.S. Chinsurah, Hooghly.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Bhabani Prosad Saha, P.O. & √ill Makardah Srimanipata, P.S. Domjur, Howrah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

and the state of t

Calcutta, the 8th April 1986

Ref. No. AC-3/Acq. R-IV/Cs1/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to seneve that the temporable property having a fair meanest value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land with building

situated at Narayanpur

(and more fully described in the Schedute ennered hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at D.S.R. Hooghly on 3-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the link of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (97 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichover period empires later;
- (b) by any other person interested in the said image-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3K 2Ch 38 Sq. ft. land with building Mouza-Natayanpur, P.S. Chiusurah, Hooghly, Deed No. 5939 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the approach property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1986

FORM ITNS----

(1) Anil Purushottam Waravalkar Khortim, Mapura, Bardez, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Luis H. Pinto, Mrs. Maria E. Pinto, Magura, Bardez, Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th April 1986

C.R. No. 62/37EE/DR-839/85-86/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, Using the Competent Authority under Section 2648 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereignifter winted to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 202 situated at Ward Cobrovaddo of Umtavaddo, Calangute, Bardez, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of Registering Officer at Bangalore vide Registeration No. 510 85-86 dated 5-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of

stansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ter model the so it Acr. So respect of any income arising from the transferand for

(b) facilitating the concealment of any mecome or any moneys or other needs which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the endersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pitalian of this notice in the Official Cazetts of a partie of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 510/85-86 dated 5-9-85] Property known as "PATRI BAGA" vide Survey No. 202 situated at ward Cobroyaddo of Umtavaddo, Grampanchayet of Calangute, Sub Dist, of Bardez, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1986

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th May 1986

Ref. No. C.R. No. 62/37EE/R-1756/85-86|Acq.B.-Ref. No. C.R. No. 62/37EE/R-1756/85-86|Acq.B.—Whereas I,
R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Survey No. 144-3A2, 144-16, 144-3B, 144-3C1A and 254-3A, 144-11, 144-10, 144-1, 144-8, 144-15, 144-6, 144-2 situated at Surathkal Village Mulki D.K.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of Registering Officer at Bangalore vide Registration No. 1552A/85-86 dated 11-9-1985 for an apparent consideration which is less that, the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Mrs. Indiravathi,
 R/o 'Rukku Nivas',
 Surathkal P.O.,
 Mangalore Taluk (D.K.)
 (2) Mr. Balakrishna K. Konchan,
 R/o 'Indra Dhanush'
 - Bhimanagar Borivli West, Bombay-92.
 - (3) Mr. Janardhan K. Kerkera, B-18, Rachana Apartment V. P. Road, Andheri,
 - Bombay-58.
 (4) Mrs. Meenakshi R. Devjee, Japanees Counselate No. 1, Carmichael Road, Bombay-26.
 - (5) Mr. Harish Kanchan Surathkal, 'Laxmi Sadan' Nariman Road, Vile Parle East, Bombay-57.
 - (6) Mr. Thukaram Kanchand, 'Rukku Nivas' Surathkal, Mangalore Taluk.

(Transferor)

- (2) (1) Mr. U. Gopalakrishna Nayak, 'Amara Ganga', Pair Hill Urva Mangalore (DK) (2) Mr. U Sadananda Nayak, S/o Late U. Rama Nayak,

 - Karangalpady,
 Mangalore Town.

 (3) Mr. M. Subash Chandra Bhakta,
 S/o Late Mr. N. Rama Bhakta,
 Kankanady,
 - Mangalore.
 (4) Mr. N. Prakash Chandra Bhakta,
 S/o Mr. N. Rama Bhakta,
 R/o Near Hotel Woodlands Bunts Hostel Road, Mangalore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1552A/85-86 dated 11-9-1985] Immovable Vacant Land vide Survey No. 144-3A2, 144-16, 144-3B, 144-3C1A, 254-3A, 144-11, 144-10, 144-1, 144-8, 144-15, 144-6, 144-2 situated at Surathkal Village, within the registration sub-Dist. of Mulki, Dakshina Kannada.

R. BHARDWAJ Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-5-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th May 1986

C.R. No. 62/37EE/R-1858/85-86/ACQ/B,—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 217/1A, 216/2A2, R.S. No. 597/1A and 578/2A2 situated at Kasba Bazar Village of Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of Registering Officer at Bangalore vide Registration No. 1614/85-86 dated 28-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said in forward of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the pushoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—96GI/86

(1) Poonja Arcade, K.S. Rao Road, Mangalore-575001.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammed Iqbal, No. 1, Karnataka Housing Board Colony, Main Road, Bhatkal, North Kanara Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Astshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1614/85-86 dated 28-10-85] Property bearing No. L-B15 and L.C., vide T.S. No. 217/1A, 216/2A2 and R.S. No. 597/1A and 578/2A2 situate at Kasba Bazar Village 13th Ward of Mangalore City.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-5-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Vardhaman Constructions, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road) Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Jagannatha N Anchan A-11 & 12 Nay Munjal Nagar, Chembur, Bombay.

(Transferee)

JEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, PUNE,

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FF/5632/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and benting
Office No. 222 & 223 on 2nd floor in "Vardhaman Market"
on plot No. 75, Sector 17, D.B.C. Vashi, situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expected the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and thta the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of from the date of publication of this notice Main! Grantto or a period of 30 days from notice on the respective persons. whichever period experes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 222 and 223 on second floor in "Vardhaman Market" on plot No. 75, Sector 17, D.B.C. Vashi, New

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5632/1985-86 in the month of Oct. 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcressid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/5619/1985-86,—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
Office No. 311 on third floor in Nirman Vyapar Kendra
Plot No. 10, Sector 17, District Business Centre, Vashi
situated at Vashi New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., A qu. Range, Pune on Oct. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Nirman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay,

(Transferor)

(2) Shri V Stanunathan, Plat 4, 1st floor, Vaman Apartments, Opp. Gitanjali Union Park, V. N. Purav Marg, Chembur, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertmay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons, whichever period opposed later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 311 on third floor in Nirman Vyapar Kendra, Plot No. 10, Sector 17, District Business Centre, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5619/1985-86 in the month of Oct. 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Poona

Date: 24-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th February 1986

Ref. No. IACACQ/CA-5/37EE/5621/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 - and bearing No.
Flat No. 204 on second floor in Nirman Amrut at Nirman
Nagar, S. No, 50, Nilemore, Nalasopara (W) Tal. Vasai.
Dist. Thane situated at Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
IAC, Acqn. Range, Pune on October 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the purties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferous too. for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

 M/s. Nirman Associates, 40/41 Vishal Shopping Centre, Sr M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Leel Pruash Dewanchand Bhasin, Owner's Bungalow, Unit No. 5, Government Milk Colony, Aarey, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning se gives in that Chapter:

THE SCHEDULE

Flat No. 204 floor in "Nurman Amrut" at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W), Tal. Vasai, Dist. Thane—(Area 630 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC Acquisition Range, Pune under Document No. 5621/1985-86 in the month of October, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1086

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 10th February 1986

Ref. No. IAC ACQ CA-5/37EE/5633/1985-86.-Whereas, I. ANII. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 101 on first floor in Building "Nirman Amrut" at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W), Tal.

Vasai, Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income oor any memorys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Nirman Associates, 40/41 Vishal Shopping Centre, Sr M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. B. Chandrashekar Nayak, A/S Siddartha, Station Road, Nalasopara, Tal. Vasai, Distt. Thane. Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on first floor in Building, "Niiman Amrut" at Nirman Nagar. S. No. 50, Nlemore. Nailasopara (W), Tal. Vasai, Dist. Thane—(Area 630 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 5633/1985-86 in the month of October, 1985).

> $\Lambda NIL\ KUMAR$ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th February 1986

Ref. No. IACACQ/CA-5.37El 3106/1985-86.— Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. / Flat No. 11, First Floor, 444B, 444C Shantwar Peth, Pune-30.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range. Pune on October 1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Anand Builders, Prop. Mrs. Lajwanti M. Narang, F. P. 189 Flat No. 47, Ghatkopar, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Savargankar, 313 Vidyanagari, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, First Floor, 444B, 444C Shaniwar Peth, Pune-(Area 627 Builtup).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 3106/1985-86 in the month of October, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 17-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th February 1986

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5 37EE 6035/1985-86.-

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5 37EE 6035/1985-86.— Whereas, I. ANII. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 22 in H One Wing on 2nd floor of Mahavir Nagar Complex on land bearing S. Nos. 15/1, 2, 3, 4, 5 and S. No. 12/7 at Manpada Road, Dombivli (E), Thane, situated at Dombivli

situated at Dombivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on October 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 ,27 of 1957):

(1) Jain Builders. Chheda Bhuwan, 5th floor, 98 Surat Strect, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Sudhir B. Nayak, 32/7 Kishore Cottage, Goregaonkar Road, Gamdavi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. from the date of

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22 in H One Wing on 2nd floor of Mahavir Nagar Complex on land bearing S. Nos. 15/1, 2, 3, 4, 5 and S. No. 12/7 at Manpada Road, Dombivli (E), Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the l.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 6035/1985-86 in the month of October, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property is the issue of this notice nader subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows persons, namely :-

Date: 12-2-1986

Seul:

Mrs. L. M. Naraang, Karve Road, Punc-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Devchand K. Gogri, Poorna Poshakh, 612 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA/5/37FE|3225|1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. I on the ground floor in Taruna Apartment, 490 Narayan Petb. Pune-30. situated at Pune.

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and or

it i facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n he sad immevable property within 45 days from the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune Shop No. 1 on the ground floor in Taruna Apartment, 490 Narayan Peth, Pune-30. under Document No. 3225/1985-86 in the month of October, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ot, I hereby initiate proceedings for the acqualition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (8) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Vardhman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road), Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Nagar Devraya Shenoy & Others, 10, Janki Niwas Jyotibha Phule Road, Naigaum, Dadar, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. JAC/ACQN/CA-5/5631/37EE/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 208 on second floor in "Vardhman Park", Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Punc on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 208 on second floor in Vardhaman Park Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 5631/1985-86 in the month of October, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-3-1986

Seal:

17-96GI/86

PORM FINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 CF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5624/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property diarying a fair market value, exceeding Rs.5d,00.000/- and bearing No. 1975 (1972) on second floor in Vardbaman, Park, Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay. situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value dental property as aforesaid. Exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated is the said instrument of

transfer with the object of : .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax suppler the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 2690 of the said Act. Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vardhaman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road), Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Jaitamdas Khushiram, 350, Goradia House, 100/104 Knzi Saued Street, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hymny other person interested in the said immonst able property within 45 days from the data of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on 2nd floor in Vardham.m Patk on Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 5624/1985-86 in the month, of October, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 20-3-1986 Settl **

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Yardhman Builders,
- 40-41 Wishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road,
(Andheri-Kurla Road),
Andheri (E), Rombay,

(Transferor)

(2) Suri Gopakhani u. Shungyakar, 7/92 Bharat Nagar, Mankhurd North, Bombay.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IACACQ/CA-5/37EE/5623/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the
Immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 4/90/000/- and bearing No.
Flat No. 201 on 2nd floor in Vardhaman Park at Plot No.
49, Sector 17, Dist, Business Centre, Vashi, New Bombay,
situated at New Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
TAC, Acqn. Range, Pune on October 1985
from antemporent consideration which is less than the fair
groups of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (III of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Aut, to the following porsons, namely:—

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this positive in the Official Cazette or y period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- b) by any other person interested in the said immorphism able property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, on 2nd floor in Vardhamen Park at Plot No. 49, Sector 17, Dist. Business Centre, Vashi, New Bombay.

(Repperty as asscribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under December 160: 5623/1985-86 in the month of October 1985) 15 15

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, of Incompetex
Acquisition Range, 1P0982

Date : 20-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 21st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EB/5630/1985-86.-Whereas, J. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 402 on fourth floor, in "Vardhaman Park" at
Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Sombay situated at New Bombuy (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range. Pune, in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income axising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-au Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

(1) M/s. Vardhaman Builders, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road), Andheri (E). Bombay.

(Transferor)
D. P. Dedhiya,

(2) Shri D. P. Dedhiya, B-27 Indraprastha, Anushakti Nagar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 on fourth floor in "Vardhaman Park" Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5630/1985-86 in the month of October, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 21-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 25th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5626/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 265% of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'add Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 102 on first floor on Plot No. 39, Sector 17,
Vashi, New Bombay situated at New Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range,

Pune, in October, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse fer the purposes of the Indian Insume-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 M/s. Vardhaman Builders, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road), Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Bhambri, W/o Shri K. K. Bhambri, C/o Steel Depot, G.T. Road, Mandi, Gobindgarh, Dist. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on first floor on Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5626/1985-86 in the month of October,

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons

Date: 25-3-1986

Scal:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INCPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Pune, the 25th March 1986

"Ref. No. TAC ACQ/CA-5/37EE/5627/1985-86.-Whereas, I. ANI RUMAR.
Wellers, it Anii RUMAR.
Wellers the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 7961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that "the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103 on first flor in "Vardhaman Park" Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqu Range, Punc, in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the felt market value of the aforesaid presenty, and I have remen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern on apparent consistent in the and instrument of the first consistent on and the first consistent on the first consistent of the first consistent of the first consistent of the first of the firs

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the suld fact. I respect of she bricking schille from the transfer REAL/OF
- (b) facilitating the concealment of any meems or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the teamflower the purposes of the Indian Income tex. Act, 19 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tex A 1937 (27 of 1997):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid-Act, I hereby initiate proceedings for the modulation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following BOUNDER, MARRIET :-

(1) 14/6. Vardhaman Builders,
40-41, Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road,
(Andheri-Kurla Road),
(Andheri-Ku

Sharma Lodge Shastri Nagar, Mandi-Gobindash, Dist. Patiala.

(Transferce)

s, if any, so the assessment of the said property sie in writing to the undersigned :-io in will

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication, of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the envice of notice on the congestive received whichever period expets intert.
- (p) make the common because the probability of the common department able property, within 45 hage scout the idate of the publication of this notice in the Official Gazette.

at along the account into account of Imperanal market and Act. while part the other meaning anderson, to that Chame:

THE SCHEDULE

Flat No. 103 on first floor, in Vardhaman; Park, Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 5627/1895-86 in the month of October. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Datoit 25-3-1986 : Seal:

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 24th March 1986

at a research of the effected of

whereas, I, ANIL RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Plot No. 34, S. No. 9/2A |-2B + 3A/2/t Anupum Park, Commenting Society, Commentative Floring Society, Commentative Punc-29.

sittated out Pune (1) (and small many fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the kegi tradon Act 1908 (16 of 1908) in

the office of the Regist ting of firm at I.A.C., Acqui Range,

the office of the Registring of firms, I.A.C., Asqu Range, Pune, in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid/lebtecky/the apparent consideration therefor by more than fifteen open control and apparent consideration and that the consideration for such transfer against to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax met. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said art I headly epitate proceedings for the acquisition of the aforesaid proposes by he assum of this notice under sub-Section (1) of Section 259O of the said Act, to the following Detrona rope ele

(1) Shfr Kalyah Savalaram Kulkarni, C/o D. W. Karkare, 3/4 Florancia Apartment, 299/Oil Turner Road, Bandra (W): Bombay

(Transferor)

(2) Shri Madan Tuljaram Talathi, C/o P. N. Doshi, "Darpan", Rajendranagar, Pune Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from, the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immon able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettelans)

Explanation:—The terms and expressions used herein at any defined in Chapter XXA of the said Act in shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34, S. No. 9/2A+2B+3A/2/1 Anupam Park Co-operative Housing Society, Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the A.C., Acquisition Range, Pune, under designent No. 3649/1985-86 in the month of October 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date - 74-3-1986 Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri P. N. Tapkir & Shri K. N. rapkir, 50 Shukrawar Peth, Pune-30.

(2) Chopde Associates, 1359 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/3693/1985-86.—Whereus, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'atid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 1162 Sadashiv Peth, Punc-30,

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in

the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu Range, Pune, in October, 1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. No. 1162 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 3693/1985-86 in the month of October 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-4-1986

Scal:

._ --:- - ...

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Rikhabchand R. Rathod 139 Bhayani Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Shri J. M. Oswal, & Mrs. Devibar Jalameleind Oswal, 149, Bhayani Peth, Prine-2.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as

in that Chapter.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune. (b) 11th April 1986

Ref. No. 1AC ACD/C/A-5/3356/1985-86.— Whereas, I, ANIL AUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-two Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable payers a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

C.S. T. No.139-3, Branyon Peth, Behind New Timber Market, situated to a free error Pune,

situated at Punc

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Recistration Act 1908 (16

of 1908) in the Registering Officer at I.A.C., Acqu Range,

Pune, in October, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C.S.T. No. 139-A Bhavani Peth, Behind New Timber Market, situated in Gaothan, 139-A Bhavani Peth, Punc. (Area 2600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to onle registered in the office of the LAC. Acquisition Pange, Pune, under document No. 3356/1985-86 in the month of October, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Arquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the losse of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, nam: Iv .-

18---96GI/86

Date: 11-4-1986

FORM ITNS.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Indutai Shenkarno Vartak, 759/126-B Prabby Road, Fune-4.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Auti Brothers & Co. Rahul Chambers, Karve Road, Pune-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 14th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/3240/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove ble property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land and building at CTS No. 759. Hot No. 126-B.

Prabhat Road, Erandwana, Pune-4

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in

the office of the Registering Officer of I.A.C., Acqu Range,

Pune, in October, 1985 for an apparent consideration which is less than he sir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or a moneys or other assets which have not been cowhich ought to be disclosed by the tronsferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 142. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tos Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at CTS No. 759, Plot No. 126-B, Prabhat Road, Erandwane, Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Lance, Arquisition Range, Pune, under document. No. 3240/1985-26 in the month of October

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Runge Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

late: 14-4-1986

Scal 1

FORM ITNS----

(1) Kalpak Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Devindersingh Kahai and Harindarsingh Kahai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.I/37EE/25283/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing
Flat No. 2, S. S. VI, Perry Cross Road, Bandra, Bombay-50
and more fully described in the Schedule annexed hered). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as site; said exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and ie expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ida; No. 2, 2nd floor of the proposed building at 29-A S. S. VI, Perry Cress Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/25283/85-86 on 27-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1986

FORM ITNS

(1) Mr. Som Prakash Swi.

(Transferor)

(2) Mrs. Padma Jagdishapl Mehra.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24580/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-41, Queens Apartments. 59, Pali Hills Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of the said Instrument of Transfer with the said Instrument of Transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

Objections, it any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-41, Queens Aportments, 59, Pali Hill, Bandra, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/371-E/24580/85-86 on 9-9-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1986

₩CKM ITNS ---

(1) M/s K. R. Associates.

(2) Mr. Vishindas Bhagchand Sadarangani.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25214/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 202, Captain Villa, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to telieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a poriod on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 in the building known as 'Captain Villa' at

Mount Mary's Hill Road, Bandra, Bomay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EL/25214/85-86 on 27-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25180/85-86.--Who cas I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, Palam Cou & Randra, Babmay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Arthority. Authority

at Bombay on 24-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ter-

- (a) facilitating the reduction or evenous of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any uncome or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

(1) Shri Ramesh Laxmanbhar Vadodaciya & Ors. (Transferor)

(2) Mr. Ganesh Chandaya Hogge and Mrs. Shobha Ganesh Hegdo

(11ansferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same counting as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 7, 5th and 7th Floor, Palam Court' at 9th Road, Almeida Park, Bandra, Bomber

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJ1/37- \pm .25180/85-86 on 24-9-1985.

PRASANTA RAY Compount Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ti-Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-4-1986

FORM ITNS----

(1) M/, K. R. As addrs.

(Transferor)

(2) Mr. vinodkumai Shamsunder Aneja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAY AC'F, 1961 (43 OF 1961)

AND THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACCEPTION PANGET, ROMBAY

Bombs of the 30th April 1986

Ref. No. ARJU/375F/25160/85/86,---Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair replet value exceeding Rs. 1,00,000/- and beacher Mo. Flat No. 201. Pleatein Ville, Mount Mary's Hill Road, Bandra Rembes-16.

(and more fully described to the Schedule immexed hereto), has been translated and the agreement is registered under Section 2003 Book to Section 2003 Book Authority

at Bomber on "7-9-1385

for an appearent consideration, which is less than the fair market value of the oformerid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such temper is as agreed to between the parties has not been by a series the sold implicationed of transfer and the pisters of a

(a) backing one reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in cospect of now to write arising from the transfer; and Ax

on multinary we come almost of any income or any meneys or which have not been or while one six to be disclosed by the transferee for the second of the finding income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the raid Act, or the Wookh-tax Act. 1957 (\$7 of 1957);

New, therefore in concerns of Southern 2690 of the said not I be the acquisition of the acquisition of the afterway 2000 and a confider notice under subsection (1) of Section 26075 of the said Act, to the following

many be made in writing to the understance :---

Objections, if any, to the negatishion of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 and covered Car Parking space No. 3 in the building Captain Villa at Mount Marry's Hill Road, Bandra, Bembay-400 050.

The agreement has been spictured by the Competent Authority, Tourism up in No. NP.W/37HE/25160/85-86 on 23-9-1985

PRASANTA RAY Competent Authority In pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dete: 30-4-108 i Sen1:

(1) Shri Chandrapraksh Gupta and Smt. Shantidevi Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37FE/25030/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing Flat No. B-52, Ashiana, St. John Bantista Road, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Net, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Kirloskar r-lectric Co. Ltd.

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by my other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-52, 5th floor, 'Ashigne', St. John Baptista Road, Bandra (East), Bondow-50

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II / 37 dE/25030/85-86 on 20-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.11/37EE/25014/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 105, St. Lee Road, Bandra, Bombay-50 and proper fully described in the Selection exceeding hearts)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority

at Bombay on 20-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

19---96GY/86

- TO LONG TO THE CONTROL OF THE CONTRO (1) Dr. (Miss) Daisy Violet Gonsalves & 6 others. (Transferor)
 - (2) M/s Trisons Builders.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

(4) M/s Navnirman Enterprises.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 105 at 16 St. Leo Road, Bandra, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/25014/85-86 on 20-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24967/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 7, S. S. VI, Perry Cross Road, Bandra (West),
Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, ha respect of any income arising from the transfer; mul/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid payoperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nulacly :--

(1) Mansoor Ahmed Siddique, Maqsood Ahmed Siddique, Sayced Ahmed Siddique and Smt. Saibunisha Siddique.

(Transferor)

(2) M/s Kalpak Builders & Contractors.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 7th floor, Building No. 29-A, S. S. VI, Perry Cross Road Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24967/85-86 on 20-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1986

(1) M/s Natraj Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harishlal J. Manaktala, Mrs. Mcena H. Manaktala and Mrs. Tarabai J. Manaktala.

(Transferee)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24917/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 26913 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 10th favor, Kshijij, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-9-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excess the apparent consideration therefor by more than per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the puries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 102, 'Kshitij' CTS Nos. 566-569, Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomay under No. AR.II/37EE/24917/85-86 on 17-9-1985'

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

(1) M/s Kailash Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Bharti L. Goswani and Mr. Lalit K. Goswani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR,II/37EE/24884/85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have resson to believe that the immovable property, having a fair market value of Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2/13th floor, Mt. Mary Road, Bandra (West),

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2/13th floor, Le-Papeyon at Mt. Mary Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24884/85-86 on 17-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-4-1986

FORM ITNS----

(1) Smt. Mariam Hiaroon Bhaya.

(2) Shri Shaikh Shaffir Amir,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PRINCIPAL CONTRACTOR C

(3) Transferor.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24876/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1lat No. 10 & 11, Bandra Mariam Co-op. Housing Society Ltd., Bandra Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AE of the said Act in the Office of the COMPETENT AUTHORITY

at Bombay on 16-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explices later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Cherabit

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10 & 11, Bandra Mariam Co-op, Housing Society Ltd., 92 Chapel Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24876/85-86 on 16-9-4985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I breeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 2000 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDEA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II / 37EE / 24711 / 85-86,--- Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, 'C' Wing, Konti Apartments, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the COM-

Section 269AB of the said Act in the Office of the CUM-PETENT AUTHORITY

at Bombay on 13-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration ("crefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said A respect of any income arising from the tra
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Mr. A. M. Bannerjee Miss Rina Banerji Mrs. Preeti Banerji.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Kumudini Ghate Miss Geetanjali Ghate Sandeep Ghate.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Kanti Builders Pvt Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this touce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovator property, within 45 days from the date of the publi-cetion of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 'C' Wing, Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24711/85-86 on 13-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1986

(1) Filda Trust—Piroj N. Daroga

(Transferor)

(2) Mrs. Seemto H. Schgal

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24373/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Navroze Apartments 66, Pali Hill Road., Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the COMPETENT AUTHORITY

at Bombay on 3-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor Navroze Apartments 66, Pali Hill Road., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24373/85-86 on 3-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

response to the second of the

FORM ITNS----

- (1) M. M. Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Shri Latesh Lalchand Gajaria,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.11/37EE/24366/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 7 & 8 Devang Apartment, Bandra (W), Bom-

bay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the COM-PETENT AUTHORITY at Bombay on 3-9-1985

for an apparent consideration which is tees than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; enil/or
- 3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the problection of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 & 8 Devang Apartment, Plot No. 359, TPS. No. III, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24366/85-86 on 3-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30 4-1986

(1) Mrs. Joan Santos.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Geraid Rego & Mr. Christopher Rego

(3) Transferces.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24356/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. G-1, Windemere Co. op. Housing Society 1.td.,

Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Oilice of the COM-PETENT AUTHORITY Abmedabad on August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acr in respect of any income arising from the seasonfor NO USBOR
- b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be cause as westing to the andersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of action on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLENATION "; terms and esuccessions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-1, Windemere Co. op. Housing Society Ltd., Byramjec Jeejechhoy Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.11/37EE/24356/85-86 on 2-9-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691 and the said Act, to the following retsons, namely:—
20—96GI/86

Date: 30-4-1986

FORLI TINS-----

(1) Mrs. Nanki Bhajanlal Lund.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

(2) The English Electric Co. of India Ltd. (Transferce) (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said propery may be made in wriing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II вомвлу

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37FE/24321/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 4th floor, Semmersett-A Pali Hill, Bandra,

Bombay-50

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the COMPETENT AUTHORITY at Bombay on 2-9-1985 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument o

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

FNPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer so pay tax under said Act, in respect of easy income arising from the transfer, and(o)

Flat No. 1, 4th floor, Sommersett-A Pali Hill, Bandra,

Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24321/85-86 on 2-9-1985,

THE SCHEDULE

(1) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been us which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomotas Act, 1922 (11 of 1922) or the wind Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

room, in relate, in opening of Section 2640 of the so t Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under matsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personal namely :---

Date: 30-4-1986

(1) Mrs. Radha T. Savant,

(Transferor)

(2) Mrs. Meena T. Uderanii Master Bharatkumar Uderani & Master Pradeepkumar Uderani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24308/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

43 Gonidhi Co-operative Housing Society Ltd., Bandra,

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

43 Go-nidhi Co-op. Housing Society Ltd., 10 Hill Road. Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/24308/85-86 or 2-9-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Pumbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 30-4-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Rameshkumar Naraindas Vazir.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amand Kumar Chandhok

(Transferee)

(3) The Indian Vegoilas & Chemicals Co.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25109/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereigneter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, Leelakunj, 13th & 14th Road, Khar, Ecmbay-

situated at Bombay 52.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties but not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to: the purposes of the Indian recome-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, striction of period expires later;
- (b) by any proof person interested in the said immorphie place, b., within 45 days from the date of the publication of true notice in the Official Gazette,

EXPLANATION .-- the warms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 101. Leelakunj, corner of 13th & 14th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/25109/85-86 on 20-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely :---

Dated: 30-1 1986

FORM ITNS---

(1) M/s. Ruby Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pradymna Janardhan.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/24975/85-86.--Whereus. I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, Neel Apartment, Khar, Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the COMPETENT AUTHORITY at Bombay on 20-9-1985 for an apparent onsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 'Necl Apartments' together with terrace at-

tached thereto at 10th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24975/85-86 on 20-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 30-4-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Vijay Raj & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kashyap Lalbhai Shah & Shri Murari Munim Master Ankit Murari Munim.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24942, 85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Premises No. 1, Vijay Raj, 9th Road, Khar, Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Computant Authority. petent Authority

at Bombay on 20-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 1. Ground floor Vijay-Raj Plot No. 288,

9th Road, Khar, Bombay-52.
The agreement has been registered by the Connectent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24942/85-86 on 20-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

(1) M/s. Raja Estates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

(2) Rekha Kishin Loungani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EEL/24899/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 201, Swastik Villa, Khar, Bombay-52 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authortiy at

Bombay on 17/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly winted in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax us of any income arrival from the transfer: und/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

trapianation:—The terms and expressions used herein as Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Swastik Villa' 16th Road, Khar, Bombay-52.

petent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE, 24899/85-86 on 17-9-1985. petent

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquesition of the aforesaid property by the lame of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

FORM ITNS----

1) Mr. Arun I. Lakhia

(Transferor)

(2) M/s. Amkay Construction Co.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Pcf. No. AR II/37EE/24873/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Arun Bungalow, Plot No. 115 S. V. Road, Khar, Bombay-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

Combay on 16/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

Arun Bungalow, plot of land, plot No. 115, S. V. Road Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/ 24873/85-86 on 16-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I! **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24858/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 501, Vishal Sona Co-op. Hsg. Society Ltd., Khar

Hombay-52

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authortiv at

Bombay on 16/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2697) of the said Act, to the following persons, namely:-21--96GI/86

(1) Shri Rajkumar Kodumal Shewani

(Transferor)

سرعومة فترسد والمستحدث

(2) Shri Naresh Keshavdas Sainani

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, 713-A, 12th Road, Vishal Sona Premises Co. op. Society Ltd., Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Com-Authority, Bombay under No. AR.II/37EE 23858 83-86 on 16-9-1985.

> PRASANTA RAV Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H Hereby.

Date: 30-4-1986

1() M/s. Ruby Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Priti Umesh Rochlani & Mr. Sunil Kanayalal Rochlani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24746/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, Neel Apartments, Khar, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authortiy at

Bombay on 13/9//1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noise in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 4th floor, 'Neel Apartments' 10th Road, Khar, ::ombay.

agreement has been registered by the Com-Bombay under No. AR, II/37EE/ petent Authority, .4/46/85-86 on 1349-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) and Section 260°C and the said and th tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

Coal :

(1) Shri Raian R. Gera.

(Transferor)

(2) Shri Amar R. Geral & Smt. Prema A. Gera NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.III/37EE/24651/85-86.—Whereas, I, PRASANTA **RAÝ**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing relat No. 5, Radha Niwas, Plot No. 718/2, Khar Pali Road, Niwas, Plot No. 718/2, Khar Pali Road, Niwas, Plot No. 718/2, Khar Pali Road, Road,

Opp. Khar Telephone Exchange, Khar, Bombay-52

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authortiy at

ייים! on 9/9/1985

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the ar hearion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 5th floor, Radha Niwas, Khar Pali Road, Khar, Bombay-62.

been registered by the agreement has Bombay under No. AR II/37EE/ petent petent Authority, Bomb 24651/85-86 on 9-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following proceedings of the said Act, to the said Act, ing persons, namely :-

Date: 30-4-1986

(1) Shri Devkumar Dinanath Ramani Shri Mukesh Dinanath Ramani

(Transferor)

PUTTLE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresn Hiranand Rohira Shri Jethanand Rohira Smt. Samajbai Chandumal Rohira

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

No. AR.II/37EE/24614/85-86,—Whereas, I. PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 42, Saraswati, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authortiy at

Bombay on 9/9/1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than offeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettz or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any person interested in the said other inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor, Saraswati, 14th Road, Khai, Bombay-

The been registered by the agreement has Bombay AR.II/37EE peten: Authority, Bon 24614, 85-86 on 9-9-1985. under No.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI Bombay

Date: 30-4-1986

PORM ITNS

(1) Smt. Kamala Dinanath Ramani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lal Hiranand Rohira Shri Hiranand Chandumal Rohira Smt. Pushpa Hiranand Rohira

(Transferce)

GOVERNMENT OF MINA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24613/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing that No. 41, Saraswati, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe ent Authority at PRASANTA RAÝ,

Authortiy at

Bombay on 9/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rensfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respec-tive persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th floor, Saraswati 14th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Comnoten Authority, Bom 2 113/85-86 on 9-9-1985. Bombay under No. AR.II/37EE

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date : 30-4-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby laitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITNS ---

- (1) Zahi da Ranjan alias Laxmi Ranjan
- (Transferor)
- (2) Mr. Ashok Kumar K. Jogani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24327/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the influovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 16, S. No. 32A, 322 & 289A CTS No. 111/27 at Union Park, Pali Hill, Khar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe ent Anthortiy at

bombay on 2/9//1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which we remaind the period of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXΛ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land at Pali Hill, Khar, bearing Plot No. 16 of Union Park, Pali Hill Khar, Bombay.

agreement has been registered by the Com-Authority, Bombay under No. AR.1! 27E1 The peten 327/85-86 on 2/9/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

FORM TINS---

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMUNICONER OF INCOMPLIAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.III/37EE/24309/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. into No. 202, Sea Goddess, Juhu, Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe ent Authority at 2 ambay on 2/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Darshan Paul

(Transferor)

(2) Mr. Virendra Kumar Sood

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imagorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Sea Goddess Military Lanc, Juhu, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Computer Authority, Bombay under No. AR.H/37E1/1309 85-86 on 2-9-1985.

PRASANTA RA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JI
Bombay

Date: 30-4-1986

ووسي تعرب في المنظم المنظم المنظم المنظم المناه المنظم الم

FORM ITNS

(1) Shri Shivkumar Singhal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 100 CME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagdanand Investments & Trading Co. Ltd.

(Transferce)

(5) Transferce

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Rel No. AR.II/37EE/26639/85-86.-Whereas, I. PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, Usha Sunder premises Co-op. Society Ltd., Santacruz (W), Bombay-49 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe ent Authority at

B mbay on 27/9/1985

for an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arlsing from the transfer;

c) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor, Usha Sunder Premises Co-op. Society H. Plot No. 30-D Santacruz (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Compount Authority, Bombay under No. AR,II/37FE 19/85-86 on 27-9-1985. pulent.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang--II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 30-4-1986

TODAY PRINCE (1) M/s. Winke Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Manjula Vasant Sheth Shri Vasant Nrandas Sheth.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR. II/37EE/25335/85-86,-Whereas, J. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing Flat No. 12, Navyug Building, Vile Parle (W), Bombay-49

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

22-96GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor in Navyug Building on 4/8 V.M. Road, Vile Parle (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authory, Bombay under No. AR. II/37EF/25335/85-86 on rity, Bon 27-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-4-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

30VERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24392/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 601, Mangal Neeth Co-op. Housing Soc. Ltd., Vile
Parle of J.V.D.S. Bombay-56

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mrs. Sharda Someshwar Wali.
- (Transferor)
- (2) Mr. Kamal Dwarkadas Gadodia Mrs. S. R. Gadodia.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

- (3) Transferce.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Mangal Neeth Co-op. Housing Soc. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601. Mangal Neeth Co-op. Housing Society Ltd., Sub-Plot No. 15, Plot No. 4 S. No. 70, of J.V.D.S. S. No. 287, of Vile Parle, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24392/85-86 on 3-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-4-1986

(1) Sky Built Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Maheshchandra A. Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mrs. Nirmla Maheshchandra Patel.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BCMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/25330/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 202, Hemai, Hatkesh Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
Vile Parle (W), Dombay-56

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lox

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 'Hemal' Plot No. 5, Hatkesh Nagar Co-op. Housing Society Ltd., JVPD Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/25330/85-86 on 27-9-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1986

FORM ITNS-

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Satya Dev Bhakri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.Π/37EE/24381/85-86.—Whereas, J. PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have mason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 401, 'Hemai' Plot No. 5, Hatkesh Nagar Co-op.
Housing Society Ltd., Vile Parle (W), Bombay-56

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 'Hemal' Plot No. 5, Hatkesh Nagar Co-op. Housing Society Ltd. JVPD Scheme, Vile Parle (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authory, Bombay under No. AR.II/37EE/24381/85-86 on 3-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-If

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

(1) M/s. Poonam Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(2) Mr. Hirachand Laxmandas Makhija & Mrs. Heena Daulatram Makbija,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI R OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, **BOMEAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24544/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. 42, 'Liena Apartments' Juhu Tara Rd. Bombay-49

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has born (rensferred and the agreement is registered under section 269 AE of the hald Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9.9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are central such apparent consideration and that the nfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anator

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or to. Weatty-las-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, of the fellowing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by key of the aforesaid persons within a period a 45 days fresh the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning Es given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Fat No. 42, 4th lloor, Wing-D. Neha Apartments, CTS No. 698 Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Autho-Bombay under No. AR. II /37EE / 24544 / 85-86 on 9-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-4-1986

FORM ITNS ---

(1) Shri Rahul Dev Burman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Syamalen du Bikas Das.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.Ii /37EE/25258/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Admorty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act') is a fair market value avoseding Rs 1,00,000/property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 1, at 94 (c), TPS II, Off Indranarayan Rd. Santacruz

(W), Bombay-54 situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-9-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 94 (c) TPS II, Off Indranarayan Road, Santacruz (West) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authory, Bombay under No. AR. II/37EE/25258/85-86 on rity<u>.</u> 27-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref., No. AR,II/37EE/24542/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 52, 'Neba Azartments' Juhu Tara Road, Juhu Bombay-49 & Stilt No. 2 on ground floor

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 9-9-1985

Bombay on 9-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the arguistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following กลางการ, กล**mely:**---

THE PROPERTY OF PROPERTY AND THE PROPERTY OF T (1) M/s. Poonam Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Kirtikumar Shantilal Shah & Mrs. Amjani Kirtikumar Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that (Amoter.

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor Wing-C, Neha Apartments, CTS No. 968, Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49, and Stilt No. 2 on ground floor.

The agreement has been registered by the Competent Autho-Bombay under No. AR, IJ/37EE/24542/85-86 on 9-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-4-1986

(1) M/s. Poonam Enterprises.

(Transferer)

(2) Mrs, Renu Hiranand Mahiji & Mr. Daulatram Dhanraj Makhiji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR. II/37EE/24543/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 41, Wing-D, 'Ncha Apartments' Juhu, Bombay-49

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed her to), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Calice of the Competent Authority at

Bombay on 9-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th floor Wing-D 'Neha Apartments' CTS No. 968, Juhu Tara Rd., Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. Π/37ΕΕ/24543/85-86 on 9-9-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Poonem Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bharat L, Shah & Mrs. Chandrika B. Shah.

(Tritteferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25300/85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 62, 'C' Wing, Neha Apartments, Juhu, Bombay-49

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, 'C' Wing, Neha Apartments, CTS No. 968, Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/25300/85-86 on 27-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombow

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—23—96GI/86

Date: 30-4-1986

Scal .

FORM ITNS----

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Beeny Gomes & Master Blyton Gomes.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR. II/37EE/25298/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value execeeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32, B-Wing, with Car uarking spacein Stilt No. 10 & 11, Juhu Vile Parle (W), Juhu, Bombay, editated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration whiche is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 32, 3rd floor 'B' Wing, with Parking Space in Stilt No. 10 & 11 Pallavi Beach Angal, Opp. Military House, Military Road, Ruia Park, Juhu Vilc Parle (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authory, Pombay under No. AR. II/37EE/25298/85-86 on rity, Pom 27-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Temmissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subspection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

(1) M/s. Parul Enterprises.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

(2) Fakkruddin N. Mansuri & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25301/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51, 'Sea Breeze' Juhu Tara Road, Bombay-49

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Comp tot

Authority at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ac., 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51 on 5th floor 'Sea-Breeze' Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/25301/85-86 on 27-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 30-4-1986.

FORM ITNS——

(1) Mr. Poolencheri Sivarama Menon.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena Ali.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-U BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25302/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. F-6, Beach House Co-operative Housing Society
114 Cardbiggam Road July Bombay-54 situated at Bombay

Ltd., Gandhigram Road, Juhu, Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competnt Authority at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of anefer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F/6, Beach House Park, 6th floor of Beach House Co-operative Housing Society Ltd., Gandhigram Road, Juhu, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/26302/85-86 on 27-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 30-4-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25052/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. No .Flat No. 103, 1st floor of the building Gazdar Apartments-B, at Juhu Tara Road, Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competnt Authority at Bombay on 20-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Male of the transferor to my tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby niitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:--

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) Kadambari Prataprai Parekh & Arun Jaswantlal and Laxmidas Jekishandas.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor of the building 'Gazdar Apartments-B', at Juhu Tara Road, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/25052/85-86 on 20-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Dated: 30-4-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25186/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1 & 2, Manju Apartments Vile-Parle (W), Bombay-56 situated at Bombay (and more fully described in the School of the Control of th

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competnt Authority at

Bombay on 24-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income amaing from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s, V. Shantilal & Co. Pvt. Ltd,

(Transferor)

(2) Mrs. Heena Sanjay Desai.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person referented in the said immovabre property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 1 & 2 on the 5th floor 'Manju Apartments' at Dadabhai Road, TPS No. 6 & CS No. 898/1 to 2 Vile Parle (W) Bombay-56.

Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/25186/85-86 on 24-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 30-4-1986.

FORM ITNS—

(1) Shri Hiroo Jethanand Thadani.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The East India Hotels Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR II/37EE/25297/85-86.--Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-

ble property, having fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 601, Ivoly Tower Premises Co-op. Society Ltd., Juhu Bombay-49 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competnt Authority at

Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sousideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of I-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Ivory Tower Premises Co-operative Society Ltd., Koliwara Road, Juhu, Bombay-49,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/25297/85-86 on 27-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Dated: 30-4-1986.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hansa Jayantilal Vora Mr. Mukul Jayantilal Vora,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR. II/37EE/25331/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 701, 'Sujal' Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; undlor
- To) facilitating the concealment or any ince moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be undo in writing to the undersigned:---

- recald persons within a period days from the date of publication of these m the Official Gamette or a period of 30 days service of notice on the respositive person period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insuable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 'Sujal', F. Plot No. 13, TPS IV, Santacruz (W), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/25331/85-86 on 27-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 30-4-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR. II/37EE/25332/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 703, 'Sural', Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following etyms name{ø,. 24---96GI/86

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Sundri M. Bhatia Mr. Sushil M. Bhatia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 'Sujal' F. Plot No. 13, TPS IV, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37FE/25332/85-86 on 27-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-4-1986

(1) M/s. Sippy Associates.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Arjandev Khanna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons.

publication of this notice in the Official Gazette.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, ROMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25291/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Flat No. 201, TPS IV, Main Avenue, Santacruz (W), Bombay.54

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 30-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the

whichever period expires late;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) theilitating the reduction or evasion of we healite of the transferor to pay tax under the add Act, in respect of any income arising from the transfer; said /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Plot No. 63a (P) (124), TPS IV, 14th Main Avenue, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent athority. Bombay under No. AR.II/37EE/25291/85-86 Authority. on 30-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue at this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-86

Notice that the second of the

FORM ITNS---

(1) M/s. Vikas Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurkir Paulsingh and Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24954/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat Nos. 702(a) & 702(b) Janki Kutir Juhu, Bombay-49

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than influence per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires infer;
- (b) by any other person interested in the said harmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given. In that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mass Act, in respect of any income arising from this traineder; ead for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 702(a) & 702(b) on the 7th floor, Janki Kutir

Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24954/85-86 on 29-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-86

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Vinod K. Desai,

Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24379/85-86.--Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, 'Horizon View III' Versova, Andheri (W),

Bombay-61 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 'Horizon View III', Plot No. 70 S. Nos. 91A (Pt.) & 95A (Part), Off Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24379/85-86 on 3-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 1-5-86

(1) Mr. Antony Joseph Pattathu.

(Transferor)

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Raviraj Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 1st May 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/24409/85-86—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

S. No. 82, Plot No. 4, Versova, Andheri (W), Bombay situat-

ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competer Authority &t

Bombay on 3-9-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasioh of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 82, Plot No. 4, CTS No. 1285B & 1285B/4 to 1285 B/6, together with structure at Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No AR.II/37EE/24409/85-86 Bombay on 3-9-1985,

PRASANTA RAY Competent_Authority Insecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-5-86

(1) Mrs. Manjula A. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hansdwani Holding Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ. BOMBAY

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR.II/37EE, 2-1-10, 85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

benig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay situated at Bombay.

ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-9-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at B.S.D. Oshiwara—Survey Part (41), Plot Nos. F.52, F-53 & F.54, Andhori (West), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24410/85-86 on 3-9-1985.

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date '. 1-5-86 Seal:

(1) Espec Jay Bubblers Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Noel Mendes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24592/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51 Plot No. 200, Andheri (West), Bombay-58 situat-

ed at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer. sed/et
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tract 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, Plot No. 200 New D. N. Nagar Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24592/85-86 on 9-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely ...

Date . 1-5-86

FORM ITNS----

(1) Espec Jay Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. A. Hingorani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR,II/37EE/24593/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the saint Act) have tensor to believe that the lamov-able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Bldg. No. B, Plot No. 200, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9 9-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the stall instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from: the service of notice on the respective persons. whichever period oxpires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Building-B, Plot No. 200, New D. N. Nagar, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24593/85-86 on 9-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.

Date: 1-5-86

FORM ITNS----

(1) Espee Jay Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. P. G. Hingoorani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR, If /37EE /24594/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Re 1 00 000 4, and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Bldg. 'B', Plot No. 200 Andheri (West), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed beteto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
25—96GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building 'B', Plot No. 200 New D. N. Nagar, Andheri (West), Bombay-58.

The agrement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24594/85-86 on on 9-9-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 1-5-1986

(1) Mr. Kadarkhan

(Transferor)

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ajaykumar Gyanprakash Agarwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24835/85-86.--Whereas, I. ASANTA RAY,

ng the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable perty, having a fair market value ceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Row House, bearing No. 3, at Abhishek, 4 Bungalows, sova, Andheri (W), Bombay.

id more fully described in the Schedule annexed hereto), 3 been transferred and the agreement is registered under ction 269AB of the said Act in the Office of the Competent thority at

inbay on 16/9/1985

an apparent consideration which is less than the fair reket value of the aforesaid property and I have reason to ieve that the fair market value of the property as aforesaid eeds the apparent consideration therefor by more than een per cent of such apparent consideration and that the isideration for such transfer as agreed to between the ties has not been truly stated in the said instrument of nsfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1, Row Housing, bearing No. 3, at Abhishek, Behind ESIC Nagar, 4 Bungalows, Versova, Bombay.

The agreement has registered by the Competent AR.H/37EF/ Bombay under No. 24835/85-86 on 16-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following sens, namely :-

Date: 1-5-1986

(1) Shri Jayantilal Virchand Shah

(Transfer ب بنيا جمعت د.

(2) Shri Manilal Palan Maru

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25007/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Snop No. B, Yashwant Nagar, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Rombay on 20/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcacid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days fro the service of notice on the respective persot whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo able property, within 45 days from the date of t-publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B Yashwant Nagar, Plot No. 70 53 S. V. Roac Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, 20-9-1985, Bombay under No. AR.II/37F.E/25007/85-86 o

> PRASANTA RAY Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-J Bomba'

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the few sing persons, namely to-

Date: 1-5-1986

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR,II/37EE/25051/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. S. No. 67, Juhu Lane, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Ollice of the Competent Authority at

Bombay on 20/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Patel & Associates

(Transferor)

(2) M/s Sukhatme Bhalwankar & Associates

(Transferee)

(3) Mrs. Hamide Ahmed

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot bearing S. No. 67, Hissa No. 4 (Part) CTS No. 263 († Part) Juhn Lane, Andheri (West), Bombay. The agreement has registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II 37EE/25051/85-86 on 20-9-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 1-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25384/85-86.—Whereas. I. Ref. No. AR.II./37EE/25384/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 148, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule enneyed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 30/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is sespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, pamely :-

(1) 1. Mrs. Indiraben Manubhai Desai,

2. Mr. Nalin Manubhai Desai, 3. Mrs. Megha Shashikant Parckh,

4. Mr. Bhanubhai Devidas Desai,

5. Mrs. Gunilal Bhanubhai Desai,

6. Mrs. Meera Mayur Shah, 7. Dr. Chandrakant G. Saraiya,

Ramesh R. Saraiya,
 Mr. Kailas Tanubhai Desai

(Transferor)

(2) M/s. Omprakash & Co.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Versova Taluka Salsette District Thana, S. No. 148 of Versova New CTS No. 1326, 4 Bungalows, Near Manish Nagar Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. No. AR II (37EE)

Authority, Bombay u 25384/85-86 on 30-9-1985. under AR.II/37EE/ No.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 1-5-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bhaishankar Dayashankar Joshi Pranshankar Dayashankar Joshi Dr. Natwarlal Dayashankar Joshi

(2) M/s Mascot Constructions

(Transfere (Transfere

(3) Owners & Tenants

(Person in occupation of the proper

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 1st May 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25394/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 78, TPS. No. VI, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bomay on 30/9/1985

somay on 30/9/1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo able property, within 45 days from the date of t¹ publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot No. 78, Lalubhai Park, Town Planning Scheme No VI of Bombay 400 059.

The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay under No. AR/II/37EE 25394/85-86 on 30-9-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RA'
Competent Auhorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-1
Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:

ibate : **1-5-1986** Scal : FORM ITNS----

(1) Shri Prem Nath Asawa

(Transferor)

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. I. Reejhsinghani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th April 1986

ef. No. AR.II//37EE/25437/85-86.—Whereas, I. ASANTA RAY.

ig the Competent Authority under Section 269B of the ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the im-rable property having a fair market value exceeding

1,00,000/- and bearing
No. 150, Sher-E-Punjab Co.op. Housing Society Ltd.,

on Andheri (E), Bombay

1 more fully described in the Schedule annexed hereto),
been transferred and the agreement is registered under
ion 269AB of the said Act in the Office of the Competent hority at

nbay on 27/9/1985

an apparent consideration which is less than the fair tket value of the aforesaid property and I have reason to eve that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the les has not truly stated in the said instrument of transfer the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

Plot No. 150, Sher-E-Punjab Co.op, Housing Society Ltd., Village Mogra, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/25437/85-86 on 27-9-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

pw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the esaid property by the issue of this notice under sub-ion (1) of Section 269D of the said Act, to the following ons, namely :--

Date: 38-4-1986

FORM ITNS-----

(1) M/s Vikas Properties

(Transferor)

(2) Mrs. Satyanavti R. Ruia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25397//85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fla. No. 503, Vertex Vikas Andheri (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 503/A in Vertex Vikas Andheri (E) Railway Station, Andheri (F), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A R.II/37EE/25397/85-86 on 27-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 28-4-1986

FORM TOWS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25097/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.
CTS 182, Village Sahar, Andheri (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or:
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 26-96GI/86

(1) M/s Mehta Kotharim & Co.

(Transferor)

(2) Deshmukh Builders (Pvt.) Ltd.

(Transferce)

(3) Mr Franklyan Bhtualo M/s. Deshmukh Builders (P) Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property within 45 days from the date of the publication of this action in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 182 Village Sahar, Andheri (E), Bombay.

Competent Authority, Bon 25007 /95 95 has been registered by the Bombay under No. AR.II/37EE/ 25097/85-86 on 20-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 28-4-1986

(1) Mohamed Bilal Haji A. Rahim.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Appasaheb Sadashiv Desai

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25067/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 121, H. No. 2, CTS No. 1856, FP Nos. 372 & 481 of TPS V Vile Parle (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Authority at

Bombay on 20/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Agricultural land with hutments at Vile Parle (E) Taluka Andheri, bearing S. No. 121, H. No. 2, CTS No. 1856, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombayy under No. AR.II/37EE/25067/85-86 on 20-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 28-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Eknath Dhondu Chavan Smt. Manorama Tukram Shinde Sitaram D. Chavan, Manohar D. Chavan

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24863/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 16, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay has been transerred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at

Bombay on 16/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Jeyendra Maganlal Somaiya

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 16, CTS No. 27, Andheri Kurla Road, Andheri (E),

The agreement has been registered Competent Authority, Bombay under No A 24863/85-86 on 16/9/1985. Bombay under No AR.II/37EE/

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaki property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-4-1986

(1) Mr. Sattar Essa Kherani

(Transferor)

(2) Mr. Jayendra Maganlal Somaiya

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24862/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 16, CTS No. 27, Andheri (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(o) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Survey No. 16, CTS No. 27, Tungawa, at Andheri Kurla Road, Andheri (East).

agreement registered has been Compotent Authority, Bombay under the No. AR.II/37EE/24862/85-86 on 16-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-4-1986

(1) M/s. Vishal Enterprise.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Blue Cross Laboratories Pvt. Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 28th April 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/24685/85-86.-Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 14 & 15 Appolo Indutrial Estate, Andheri (E), Bombay-93

situated at Bomba

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 14 & 15, Apollo Inndustrial Estate, Off Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/24685/85-86 on 13-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the useue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-4-1986

(1) Rajratna Builders.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bata India Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th April 1986

Ref. No. AR-II/73EE/24595/85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.
Shop No. 37, Kamdar Shopping Centre, Tejpal Road, Vile Parle (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 9-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 37, Kamdar Shopping Centre, Tejpal Road, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/24595/85-86 on 9-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 28-4-1986

FORM ITNS----

(1) Smt. Jankibhai Sitaram Chauban. (2) M/s. Alka Construction Co.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) M/s. Krishnakumar & Co.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th April 1986

Ref. No. AR-II/37EE/24516/85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, m being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 312, CTS No. 1173 & F.P. No. 187A, TPS V of Vile Parle(E).

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 6-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Original Plot No. 312, CTS No. 1773 & F.P. No. 187A of

TPS No. V of Vile Parle (E), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/24516/85-86 on 6-9-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 28-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bomaby, the 30th April 1984

Ref. No. AR-II/37EE/24394/85-86.—Wherease, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-stax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land and building at 35-D, Santacruz (W), Bombay-54

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons against 1 ing persons, namely:-

(1) N.T. Estates & Investments Pvt. Ltd.

(Transferor) (2) Tiffani Confectioners & Bakers Pvt. Ltd (Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situate at 35-D, Main Avenue, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/24394/85-86 on 2 0 1085 3-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bomaby, the 30th April 1984

Ref. No. AR-II/37EE/24489/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 203, Sea Goddess, Plot No. 167, 182 & 183, Juhu, Bombay-

58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the parties has not been truly stated in the said lasts of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evanion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arieins from the transfers (a) inclinating the reduction or even
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

(1) Mrs. Deepalakshmi S. Rao.

(Transferor)

- (2) M/s. Ramnath International Constructions Pvt. Ltd. (Transferec)
- (3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Sea Goddess, Plot No. 167, 182 & 193 Juhu, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/24489/85-86 on 6-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said at I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

27-96GI/86

Date: 30-4-1986

- (1) M/s. Key Homes & Associates.
- (Transferor)
- (2) Mr. Suketu R. Doshi.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bomahy, the 30th April 1984

Ref. No. AR-II/37EE25245/85-86.-Whereas, I. PRASANTA RAY, being the Competent Authority under section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have dessented believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 42, Iona, Santacruz (West), Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 27-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than steeces in apparent commercial instruction of more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inscents arising from the and/or
- (b) facilitating the concentrative any income ar any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income ax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor, 'Iona', Plot No. 35/02, TPS II, Azad Road, Juhu Koliwada, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/25245/85-86 on 27-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2693 of the said not, I hereby initiate proceedings for the equilation of the efforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the Act, to the following acreone, namely :-

Date : 30-4-1986 Seal 1 "

FORM ITNS----

(1) M/s. Akruti

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prakash Pandurang Nayak

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24920/85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102 with car parking space No. 4, Solitude, Mahim

situated at Bombay (West), Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interesed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor & car parking space No. 4, 'Solitude' at Plot No. 401, TPS III, Pitamber Lane, Mahim West, Bombay-16.

agreement has been registered Competent Authority, Bo 24920/85-86 on 17-9-1985. Bombay under No. AR.II/37EE

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

(1) M/s. Akruti

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dinesh Pandurang Nayak

(Transferee,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24919/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 703, 'Soliture' Mahim (W), Bombay-16

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competer: Authority at

Bombay on 17/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings rfo the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nareely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat No. 703, 7th floor in 'Soliture' at Plot No. 401, TPS III, Pitamber Lane, Mahim (W), Bombay-16.

agreement has been registered Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/ 2419/85-86 on 17-9-1985.

> PRASANTA R Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Date: 30-4-1986

= -----

FORM ITNS---

(1) M/s Akruti

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh Pandurang Navak

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24921/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 601, 6th floor & Car parking Space No. 1, 'Solitude at Plot No. 401 TPS III, Pitamber Lane, Bombay-16 situated at Bombay

(and prove fully described in the control of t

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under action 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the inve of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Solitude, Plot No. 401 TPS III, Pitamber Lane, Mahim (West), Bombay-16,

registered been The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/ has 24921/85-86 on 17-9-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-4-1986

FORM TINE

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Empce Constructions

(Transferor)

(2) Shri Ali Raza Ismail & Shri Shabirali Roshanali

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING AMERICANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.H/37EE, 24408/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102, 1st floor, Mangal Dham, Mahim, Bombay-16

situated at Bombay

(and fully more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3/9/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said transovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor, Mangal Dham 191 Cadell Road, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24408/85-86 on 3-9-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-4-1986

Sent :

(1) M/s Empee Constructions

(Transferor)

(2) Master Ashokkumar Ramchand & Master Govind Prakash Pitamber

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25336/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II/3/EE/25550/65-60.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701, 'Mangal Dham' Mahim, Bombay-16 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27/9/1985

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mide in writing to the underlighted :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The erms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fla: No. 701, 'Mangal Dham' 7th floor, 191 Cadell Road Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H/37FE/25336/85-86 on 27-9-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquittion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-4-1986

FORM ITHS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 30th April 1986

Ref. No. AR II/37G/3819/Sep. 85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

PRASANTA KAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 382, City Survey No. E-294 4th Road, Khai, number 400,052

bay-400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Bombay on September, 1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Dr. R. D. Gupta, 2. Mr. V. D. Gupta &

3. Mr. R. G. Ambegaokar

(Transferor)

(2) Damodar Smrati Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

(3) Members of the Society

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed Nofl 338/1979 and registered on September 1985 with he sub-Rgistrar, Bom-

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OUFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd January 1986

Ref. No. AC-31/Acc SHAIKH NAIMUDDIN, AC-31/Acqn. R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/17 situated at Mahalla, Manasatola (and more fully described in the Schodule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at D. R. Hooghly on 30-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sab. a Mukheriee W/o Santimoy Mukherjee, Manasatola Tola fatak, P.S., Chinsurah, Dist.: Hooghly.

(Transferor)

(2) Smt. Manjula Dasgupta, W/o Sri Ashish Kumar Dasgupta, Maniktola, Tolafatak, Netaji Subhas Road, Chinsurah, Hooghly.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be saide in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given by that Chapter.

THE SCHEDULE

2.34 Cottahs land with building. Dist: Hooghly, P.S. Chinsurah, J.L. No. 20, Mouja Chinsurah, Kh. No. 2003, Plot No. 8044, 8045.

Deed No. 6295 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 23-1-1986